RNI No: DELMUL/2012/47011

03 अक्टूबर, 2026 शनिवार

नई दिल्ली
मूल्य : 01 रुपए
पृष्ठ : 08
वर्ष : 14
अंक : 184

अनोखे अंदाज और निराले तेवर के साथ इन्साफ की डगर

टाइम्स ऑफ़ पीडीया

www.timesofpedia.com
Email: timesofpedia@gmail.com

भारत-अमेरिका व्यापर संबंधों को नई गति, अंतरिम डील की बढ़ी उम्मीदें 05

संक्षिप्त वार्ता

महानदी जल विवाद: ओडिशा और छत्तीसगढ़ समाधान की दहलीज पर

भुवनेश्वर। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कहा कि उनका राज्य पड़ोसी छत्तीसगढ़ के साथ लंबे समय से चल रहे महानदी जल बंटवारे के विवाद को सुलझाने के करीब है। उन्होंने उम्मीद जाहिर की कि यह समाधान अन्य राज्यों के लिए विवाद समाधान का एक मॉडल साबित होगा। सीएम माझी ने यह बात नई दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद कही, जिसमें छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल भी मौजूद थे।

बैठक को अत्यंत सकारात्मक और सौहार्दपूर्ण बताकर मुख्यमंत्री माझी ने उम्मीद जाहिर की कि जल्द ही एक अंतिम रूपरेखा की घोषणा होगी। उन्होंने खुलासा किया कि दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने विवाद के समाधान के लिए केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) द्वारा लिए जाने वाले किसी भी फैसले का पालन करने पर सहमति व्यक्त की है।

भीषण हादसा: देवी की मूर्ति लेने जा रहे 7 युवकों की मौत, 15 से 18 लोग घायल

अमरावती। महाराष्ट्र के अमरावती जिले के धामणगांव रेलवे इलाके में शुक्रवार तड़के समृद्धि महामार्ग पर भीषण सड़क हादसा हो गया। ट्रक और बोलेरो पिकअप की जोरदार टक्कर में सात लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 15 से 18 लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों में कुछ की हालत गंभीर है। हादसे की जानकारी अमरावती के पुलिस अधीक्षक निकेतन कदम ने दी। जानकारी के मुताबिक, हादसा समृद्धि महामार्ग पर चैनल नंबर 97 के पास हुआ। पिकअप वाहन में सार्वजनिक दुर्गोत्सव मंडल के कार्यकर्ता सवार थे। वे शेगांव से दुर्गा देवी की मूर्ति लेकर वर्धा जा रहे थे। वाहन के पीछे ट्रॉली लगाई गई थी, जिसमें देवी की मूर्ति रखी थी। इसी दौरान धामणगांव रेलवे के पास पिकअप की ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही धामणगांव रेलवे पुलिस घटनास्थल पर पहुंची।

स्थानीय नागरिकों की मदद से घायलों को तत्काल धामणगांव ग्रामीण अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल लोगों को आगे के इलाज के लिए वर्धा स्थित मेडिकल कॉलेज भेजा गया। पुलिस अधीक्षक निकेतन कदम और धामणगांव की नगराध्यक्ष अर्चना रोठे ने अस्पताल पहुंचकर घायलों की स्थिति की जानकारी ली। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

खादी अपनाएं, स्वदेशी अपनाएं : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 157वीं जयंती पर जवाहर चौक स्थित खादी ग्रामोद्योग भवन पहुंचकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर सूत की माला पहनाकर नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यहां चरखा चलाया, खादी वस्त्रों की खरीदारी की और विजिटर बुक में अपना अनुभव संदेश भी अंकित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यहां खादी वस्त्रों के निर्माण से लेकर उनकी मार्केटिंग और इन वस्त्रों के विक्रय की सम्पूर्ण प्रक्रिया की जानकारी ली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खादी भंडार आए खरीदारों से चर्चा की और कहा कि खादी से प्रेम बनाए रखें, हमेशा खादी अपनाएं और स्वदेशी की ओर बढ़ें। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि हम सबको वोकल फॉर लोकल होने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने तीरंदाजी के रिकर्व टीम इवेंट में स्वर्ण पदक जीतने पर बेटियों को दी बधाई

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एशियन गेम्स-2026 में महिला रिकर्व तीरंदाजी टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने पर तीरंदाज सुश्री अंकिता भकत, सुश्री कीर्ति शर्मा और सुश्री कुमकुम मोहोद को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा कि हमारी प्रतिभाशाली बेटियों की धमाकेदार जीत का जश्न देशभर में मनाया जा रहा है। भारत को एशियाई खेलों में पहली बार महिला रिकर्व टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक मिला है। यह भारतीय तीरंदाजी के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है।

बापू और शास्त्रीजी की जयंती पर पीएम मोदी ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। महात्मा गांधी की 157वीं और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की 122वीं जयंती के अवसर पर शुक्रवार को देशभर में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किए गए। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और जय जवान जय किसान का नारा देने वाले लाल बहादुर शास्त्री को देश ने आज भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजघाट पहुंचकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद उन्होंने गांधी समाधि पर आयोजित सर्व-धर्म प्रार्थना में भी हिस्सा लिया। वहीं, प्रधानमंत्री ने विजय घाट पहुंचकर पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को भी नमन किया।

गांधी जयंती के अवसर पर राजघाट स्थित गांधी समाधि पर प्रधानमंत्री मोदी ने श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने बापू के सादगीपूर्ण जीवन, सत्य, अहिंसा और स्वराज के आदर्शों को याद किया। सर्व-धर्म प्रार्थना सभा में विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधियों ने बापू के प्रिय भजनों का गायन किया, जिससे पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की 122वीं जयंती पर विजय घाट पहुंचकर उन्हें भी श्रद्धांजलि अर्पित की। हर साल 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के साथ शास्त्री जयंती भी मनाई जाती है। इस दिन देश दोनों महान नेताओं के त्याग, समर्पण और देश के प्रति उनके अमूल्य योगदान को कृतज्ञतापूर्वक याद करता है। राजधानी में आयोजित इन महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। दिल्ली के उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संधू, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने भी राजघाट स्थित गांधी समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित की और सर्व-धर्म प्रार्थना में हिस्सा लिया। सभी ने महात्मा गांधी के प्रेरणादायी आदर्शों और देश के प्रति उनके अतुलनीय योगदान को स्मरण किया। देश के विभिन्न राज्यों में भी इन महान नेताओं को श्रद्धापूर्वक याद किया गया।

मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए चलेगा विशेष अभियान

नई दिल्ली। मतदाता सूचियों से बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाने को लेकर उठ रहे सवालों के बीच चुनाव आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के दौरान सूची में शामिल होने से छूट गए पात्र लोगों को दोबारा जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाने का फैसला किया है। यह अभियान उन 20 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चलाया जाएगा, जहां एसआईआर की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। इसमें पहली बार मतदान करने वाले युवाओं को भी सामान्य फार्म 6 के जरिए मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा।

आयोग ने 29 सितंबर को सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश भेजे थे। इसके बाद हुई वीडियो कॉन्फ्रेंस में भी अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि एसआईआर के दौरान छूटे

पात्र मतदाताओं और नए पात्र मतदाताओं को सूची में शामिल करने के लिए लगातार अभियान चलाया जाए। इसके तहत पहले और बाद की मतदाता सूचियों की तुलना कर ऐसे लोगों की पहचान की जाएगी, जिनका नाम दूसरी जगह दर्ज नहीं है, वे डुप्लीकेट मतदाता नहीं हैं और उनकी मृत्यु भी नहीं हुई है। ऐसे मामलों में घर जाकर जानकारी जुटाने और पात्र लोगों से फार्म 6 भरवाने को कहा गया है। राजनीतिक दलों और बूथ स्तर के एजेंटों की मदद लेने का भी निर्देश दिया गया है। एसआईआर के दौरान ऑनलाइन फार्म 6 में एक अतिरिक्त घोषणा जोड़ी गई थी, जिसमें आवेदक से पिछली एसआईआर में खुद या माता-पिता के मतदाता सूची में शामिल होने की जानकारी मांगी गई थी। अब स्पष्ट किया गया है कि यह अतिरिक्त घोषणा केवल एसआईआर चरण तक सीमित रहेगी। एसआईआर पूरा होने के बाद सामान्य वैधानिक फार्म 6 का इस्तेमाल होगा।

यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में ड्राफ्ट मतदाता रिकॉर्ड से 13 करोड़ से ज्यादा नाम हटाए जाने को लेकर प्रक्रिया पर सवाल उठे हैं। गोवा में 97 पात्र मतदाताओं के नाम अंतिम सूची में शामिल नहीं हो पाने का मामला भी सामने आया। बताया गया कि दस्तावेज जमा करने और पात्र पाए जाने के बावजूद तकनीकी व्यवस्था में नाम वापस जोड़ने का विकल्प उपलब्ध नहीं था। आयोग ने ईसीआईनेट व्यवस्था की समीक्षा के लिए स्वतंत्र तकनीकी विशेषज्ञों वाली समिति बनाने का भी फैसला किया है। वहीं महाराष्ट्र में अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि किसी पात्र मतदाता का नाम पर्याप्त जांच और मौका दिए बिना न हटाया जाए। बीएलओ को घर जाकर दस्तावेज जुटाने और जरूरत पड़ने पर सुनवाई से पहले अतिरिक्त अवसर देने को कहा गया है। महाराष्ट्र में 3, 4, 10 और 11 अक्टूबर को विशेष कैंप लगाए जाएंगे। वहां करीब 1.22 करोड़ रिकॉर्ड सत्यापन के लिए चिन्हित किए गए हैं।

पाकिस्तान-तालिबान तनाव: दो दिन में पेशावर में लहराएगा अफगान झंडा

काबुल। पाकिस्तान द्वारा अफगानिस्तान में किए गए हालिया हवाई हमलों ने दोनों देशों के बीच तनाव को चरम पर ला दिया है। इन हमलों के जवाब में, तालिबान ने बेहद सख्त प्रतिक्रिया दी है, जिसमें उसके वरिष्ठ मंत्री ने दो दिनों के भीतर पाकिस्तान के पेशावर शहर में अफगान झंडा फहराने का दावा कर एक नया विवाद खड़ा किया है। तालिबान के बॉर्डर और ट्राइबल अफेयर्स मंत्री नूरुल्लाह नूरी ने पाकिस्तान को सीधी चेतावनी देकर कहा कि वह अफगान लोगों के धैर्य की परीक्षा न ले।

रामगंगा का जलस्तर बढ़ा, गांवों में घुसा बाढ़ का पानी

वेब वार्ता, रामनिवास शर्मा

जलालाबाद। रामगंगा का जलस्तर लगातार बढ़ने से क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित गांवों में एक बार फिर हालात बिगड़ने लगे हैं। कई गांवों में बाढ़ का पानी घरों तक पहुंच गया है। ग्रामीणों को आवागमन के लिए नाव और स्टीमर का सहारा लेना पड़ रहा है। तहसील प्रशासन की ओर से बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों के लिए करीब तीन हजार भोजन के पैकेट वितरित कराए गए हैं।

शुक्रवार को बाढ़ प्रभावित मड़ैया गुजरान, कसारी, मड़ैया हवा, कुंडरी खंडहर, शाहपुर, रूपापुर और काजरबोझी आदि गांवों में भोजन के पैकेट वितरित किए

गए। इनमें मड़ैया गुजरान व कसारी में 750, मड़ैया हवा में 50, कुंडरी खंडहर में 330, शाहपुर में 200, रूपापुर में 200 और काजरबोझी में 360 पैकेट शामिल हैं। प्रशासन के अनुसार अन्य प्रभावित गांवों में भी राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है। शाहजहांपुर के प्रभारी मंत्री नरेंद्र कश्यप ने विधायक हरिप्रकाश वर्मा के साथ शुक्रवार को कसारी गांव पहुंचकर बाढ़ की स्थिति का निरीक्षण किया। उन्होंने ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याएं जानीं और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंत्री ने ग्रामीणों से बच्चों को बाढ़ के पानी से दूर रखने की अपील की। छोटी कसारी गांव में बाढ़ का पानी घरों में घुसने से ग्रामीणों को सामान सुरक्षित स्थानों पर रखना पड़ा। गांव निवासी रामनाथ ने बताया कि पिछली बार आई बाढ़ में पानी इतना नहीं बढ़ा था। इस बार बाढ़ से उनकी करीब 14 बीघा फसल पूरी तरह नष्ट हो गई है। वहीं शाहपुर, शेरपुर चुरघुटी, थाथरमई, उईला, केला की मड़ैया, काजरबोझी, हथिनापुर और बलदेवपुर समेत कई गांवों में लोग नाव के सहारे आवागमन कर रहे हैं।

सीजेपी के समर्थन में वसई लॉयर्स एसोसिएशन...मुफ्त कानूनी मदद का ऐलान

मुंबई। महाराष्ट्र के पालघर जिले की वसई लॉयर्स एसोसिएशन ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के समर्थन में सामने आने की घोषणा की है। एसोसिएशन के प्रवक्ता दिगंबर देसाई ने कहा कि यदि सीजेपी के सदस्यों के खिलाफ किसी तरह के मामले दर्ज होते हैं या उन्हें कथित दमन का सामना करना पड़ता है, तो संगठन की ओर से उन्हें मुफ्त कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

दिगंबर देसाई ने शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा जरूरी है। उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर उनकी संस्था न्यायिक मंच पर ऐसे लोगों की मदद करने के लिए तैयार है। एसोसिएशन का कहना है कि कथित दमन का सामना कर रहे लोगों के साथ कानूनी स्तर पर खड़ा होना उसका दायित्व है।

वसई लॉयर्स एसोसिएशन का यह बयान ऐसे

समय आया है, जब सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने मुंबई के शिवाजी पार्क में प्रदर्शन की घोषणा की है। पार्टी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रही है। सीजेपी की ओर से चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठाए गए हैं। पार्टी का आरोप है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ने लोकतांत्रिक सिद्धांतों के खिलाफ काम किया है। ये आरोप सीजेपी की ओर से लगाए गए हैं।

मुंबई पुलिस ने नहीं दी प्रदर्शन की अनुमति

मुंबई पुलिस ने सीजेपी को शिवाजी पार्क में प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी है। इसके बावजूद पार्टी की ओर से प्रदर्शन का कार्यक्रम घोषित किया गया है। इससे प्रदर्शन को लेकर पुलिस और संगठन के बीच टकराव की स्थिति बनने की आशंका जताई जा रही है। इससे पहले सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके को मुंबई के मरीन ड्राइव इलाके में प्लेकार्ड लेकर पहुंचने पर पुलिस ने कुछ समय के लिए हिरासत में लिया था। पार्टी की ओर से मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर आगे भी आंदोलन जारी रखने की बात कही गई है। वसई लॉयर्स एसोसिएशन के समर्थन के बाद अब प्रदर्शन से जुड़े कानूनी मामलों पर भी नजर रहेगी।

यूपी के 70 हजार शिक्षकों को दिवाली से पहले मिलेगा प्रमोशन का तोहफा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के परिषदीय प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूलों में पिछले दस वर्षों से पदोन्नति का इंतजार कर रहे शिक्षकों को जल्द ही दिवाली से पहले बड़ा तोहफा मिलने वाला है। योगी सरकार प्रदेश के करीब 70 हजार शिक्षकों को पदोन्नत करने जा रही है। बेसिक शिक्षा परिषद ने इस संबंध में सभी जिलों के बेसिक शिक्षा अधिकारियों (बीएसए) को शिक्षकों की वरिष्ठता सूची तैयार करने के निर्देश दिए हैं। राज्य में वर्ष 2016 के बाद से परिषदीय स्कूलों के शिक्षकों की पदोन्नति नहीं हुई थी, जिसके चलते लाखों शिक्षक लंबे समय से इसका इंतजार कर रहे थे। प्रदेश के कुल 3.30 लाख परिषदीय शिक्षकों में से अनुमानित 70 हजार शिक्षकों को इस पदोन्नति का लाभ मिलेगा।

राज्यसभा चुनाव: 10वीं सीट पर भाजपा और सपा के बीच कड़ा मुकाबला

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की दस राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव की घोषणा के साथ ही राज्य में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। 16 अक्टूबर को होने वाली वोटिंग से पहले यह मुकाबला विधानसभा चुनाव से ठीक पहले एक महत्वपूर्ण शक्ति परीक्षण के तौर पर देखा जा रहा है। असली लड़ाई दसवीं सीट को लेकर है, जिसके लिए न तो भाजपा और न ही सपा के पास अपने दम पर पर्याप्त विधायक हैं। इस अनिश्चितता के बीच, खबर है कि सपा अपने पहले घोषित दो उम्मीदवारों के अलावा तीसरे उम्मीदवार को मैदान में उतारने की योजना बना रही है, जिससे यह मुकाबला और भी दिलचस्प हो गया है। भाजपा भी क्रॉस वोटिंग की आशंका को लेकर अपने विधायकों पर कड़ी नजर रख रही है। यह चुनाव सिर्फ राज्यसभा की सीट जीतने तक सीमित नहीं है, बल्कि आगामी विधानसभा चुनाव के लिए एक मनोवैज्ञानिक लड़ाई भी है। यदि सपा दसवीं सीट जीतने में सफल रहती है, तो इसे भाजपा के लिए एक बड़ा झटका माना जाएगा और यह मतदाताओं के बीच गलत संदेश दे सकता है। उत्तर प्रदेश विधानसभा में बीते 11 महीनों में सात विधायकों के निधन के कारण, 403 सदस्यों वाली विधानसभा में अब 396 सदस्य ही शेष हैं। राज्यसभा चुनाव में हर उम्मीदवार को जीतने के लिए पहली पसंद के 37 वोटों की आवश्यकता होगी। समाजवादी पार्टी के पास वर्तमान में 101 विधायक हैं। इसके अलावा, उसे दो कांग्रेस विधायकों का समर्थन प्राप्त है, जिससे उसके कुल विधायकों की संख्या 103 हो जाती है।

पीएम मोदी ने फ्लाईदुबई के पायलट स्मित मच्छार से फोन पर की बात

बहादुरी को सराहा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को फ्लाईदुबई के भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छार से फोन पर बात की और उनकी बहादुरी की सराहना की। विमान में हुई गंभीर घटना के दौरान घायल होने के बावजूद कैप्टन मच्छार ने हिम्मत नहीं खोई और विमान को सुरक्षित उतारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रधानमंत्री ने बातचीत के दौरान उनसे घटना की पूरी जानकारी ली और उनके अनुभव के बारे में जाना।

बताया गया है कि प्रधानमंत्री मोदी ने कैप्टन मच्छार से यह भी पूछा कि बेहद मुश्किल परिस्थितियों में उन्होंने किस तरह खतरे का सामना किया और अपना हौसला बनाए रखा। प्रधानमंत्री ने उनके साहस की प्रशंसा करते हुए जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

उड़ान के दौरान हुआ था पायलट पर हमला

यह घटना 30 सितंबर को दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान एफजेड-1073 में हुई थी। विमान में 174 यात्री सवार थे। उड़ान के दौरान सह-पायलट ने कथित तौर पर कॉकपिट में कैप्टन स्मित मच्छार पर नुकीली वस्तु से हमला कर दिया। हमले में कैप्टन गंभीर रूप से घायल हो गए। हमले के बाद विमान की ऊंचाई में अचानक बड़ी गिरावट आई। गंभीर स्थिति के बावजूद कैप्टन मच्छार ने विमान पर नियंत्रण बनाए रखने की कोशिश की। इस दौरान कुछ यात्री कॉकपिट तक पहुंचे और हमलावर को काबू करने में मदद की।

यात्रियों ने हमलावर को काबू किया

एक यात्री के अनुसार, कुछ लोग कैप्टन की मदद के लिए कॉकपिट की ओर पहुंचे। यात्रियों ने कथित हमलावर को पकड़कर उसके हाथ-पैर बांध दिए। इसके बाद विमान को आपात स्थिति में सऊदी अरब के ताबुक में उतारा गया। घटना की जांच संयुक्त अरब अमीरात के अधिकारियों की ओर से की जा रही है। विमान में हुई इस घटना के पीछे की वजह और हमले के मकसद को लेकर जांच जारी है।

कैप्टन की हालत में हो रहा सुधार

हमले में घायल कैप्टन स्मित मच्छार का उपचार चल रहा है। भारतीय अधिकारियों के अनुसार उनकी हालत में सुधार हो रहा है। प्रधानमंत्री से बातचीत के दौरान कैप्टन ने घटना के दौरान अपने अनुभव साझा किए। प्रधानमंत्री मोदी ने उनकी हिम्मत और सूझबूझ की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कठिन समय में उन्होंने जिस तरह स्थिति का सामना किया, वह उल्लेखनीय है। उन्होंने कैप्टन मच्छार के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

सत्य, अहिंसा, सद्भाव और न्याय के सिद्धांतों पर अडिग रहना सच्ची श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर शुक्रवार को उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके सिद्धांतों पर अडिग रहने का संकल्प लिया। खड़गे और राहुल गांधी ने राजघाट पहुंचकर बापू की समाधि पर पुष्प अर्पित किए और उन्हें नमन किया। बता दें महात्मा गांधी का जन्म 2 अक्टूबर 1869 को गुजरात के पोरबंदर में हुआ था।

ज्ञानेश कुमार को भारत रत्न देने की मांग पर राजनीतिक विवाद

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित करने की मांग ने एक राजनीतिक विवाद को जन्म दे दिया है। नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर ज्ञानेश कुमार के लिए इस सम्मान की सिफारिश करने का अनुरोध किया है। इस मांग पर बहरामपुर से सांसद यूसुफ पठान ने तीव्र प्रतिक्रिया व्यक्त की है और अपने नाम से ऐसी किसी भी सिफारिश से इनकार किया है।

एनसीपीआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्योतिप्रकाश चटर्जी ने प्रधानमंत्री मोदी को 30 सितंबर को लिखे पत्र में 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण बनाए रखने का हवाला देते हुए यह मांग रखी है। पार्टी का दावा है कि चुनाव आयोग के नेतृत्व में हुई चुनाव प्रक्रिया ने लोकतांत्रिक व्यवस्था में लोगों का भरोसा मजबूत किया है। एनसीपीआई ने प्रधानमंत्री से ज्ञानेश कुमार के नाम की सिफारिश राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के पास भारत रत्न के लिए करने का आग्रह किया है। सांसद यूसुफ पठान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस मामले पर अपनी भड़ास निकाली।

जंतर-मंतर पर चुनाव आयुक्त के खिलाफ प्रदर्शन

सौरभ भारद्वाज समेत कई प्रदर्शनकारी हिरासत में

नई दिल्ली। नई दिल्ली के जंतर मंतर पर शुक्रवार को मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर बड़ा विरोध प्रदर्शन हुआ। ज्ञानेश गो बैक के नारे लगाकर सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने जंतर मंतर की ओर बढ़ने का प्रयास किया, जिसके बाद पुलिस ने बलपूर्वक कार्रवाई करते हुए 100 से अधिक लोगों को हिरासत में ले लिया। इसमें आम आदमी पार्टी (आप) के नेता सौरभ भारद्वाज भी शामिल थे।

इस प्रदर्शन का आह्वान छात्र संगठनों एआईएसए, एसएफआई और डीवॉयएफआई ने किया था, जो चुनाव आयोग के कामकाज, मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठा रहे थे। दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शन के लिए अनुमति नहीं दी थी, क्योंकि नई दिल्ली जिले में भारतीय

नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 (पहले धारा 144) लागू है, जिसके तहत बिना अनुमति के किसी भी जमावड़े पर पाबंदी है। स्थिति की संवेदनशीलता को देखकर जंतर मंतर के करीब 1.5 किलोमीटर के दायरे में सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक इंटरनेट सेवाएं निलंबित की गई। इसके अतिरिक्त, दिल्ली मेट्रो ने सुरक्षा कारणों से जनपथ, पटेल चौक, केंद्रीय सचिवालय सहित 11 मेट्रो स्टेशनों पर यात्रियों के प्रवेश और बाहर निकलने पर रोक लगा दी, हालांकि इंटरचेंज की सुविधा जारी रही। यह विरोध प्रदर्शन चुनाव आयोग द्वारा 20 राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओएस) के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग करने के बाद सामने आया है, जिसमें बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को मतदाता सूची की जांच करने और छूटे हुए नामों को जोड़ने का निर्देश दिया गया था।

...कर रहे हैं मांग

प्रदर्शनकारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान कथित तौर पर करीब 13 करोड़ मतदाताओं के नाम हटाए जाने को लेकर चिंता व्यक्त कर रहे हैं और प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग कर रहे हैं।

संपादकीय

बेटियों को गोल्ड राशि मिले

कुछ फैसले ऐसे भी होते हैं कि जहां अभिलाषा का समुद्र और गहरा हो जाता है। बेशक एशियन गेम्स ने इस बार हिमाचल के आईने में झांका तो कई मेडल के करीब यहां की प्रतिभा दिखाई दी। यही वजह रही कि हिमाचल सरकार ने अपने पैमाने से 5.33 करोड़ की नकद राशि छह खिलाड़ियों के नाम कर दी। यहां मेडल की निजी भूमिका में अंदाज बदला तो अब आबंटन के मानदंड पर एक बहस शुरू हुई है। मैराथन में सावन बरवाल को 2.50 करोड़, लंबी दौड़ में सीमा कुमारी को 1.50 करोड़ और कबड्डी की चार खिलाड़ियों को करीब 1.33 करोड़ का संयुक्त पुरस्कार मिला है। इस संदर्भ में कबड्डी खिलाड़ियों ने गोल्ड मेडल के पैमाने को इंसाफ से भरने की दुआ मांगी है। तर्क यह है कि एशियन गेम्स के गोल्ड मेडल को चार करोड़ की राशि रखी है, तो इसे रितु नेगी, पुष्पा राणा, ज्योति ठाकुर और भावना ठाकुर के बीच बराबर में बांट दिया जाए। दूसरी ओर भारतीय कबड्डी के जो खिलाड़ी हरियाणा से आती हैं, उन्हें वहां की सरकार तीन-तीन करोड़ की राशि दे रही है। हमें लगता है कि एशियन गेम्स में गोल्ड तक पहुंचने में हिमाचली बेटियों की भागीदारी इतना तो अधिकार रखती है कि उनका अपना प्रदेश सम्मानजनक भविष्य की कामना में न केवल उचित व वांछित राशि प्रदान करे, बल्कि सरकारी नौकरी का तमगा भी पेश करे। इसमें दो राय नहीं कि हिमाचल पिछले कुछ सालों से खेलों के प्रति उदारता दिखाते हुए खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि में निरंतर बढ़ोतरी कर रहा है। खेल वातावरण में सुधार की गुंजाइश से अधोसंरचना निर्माण तथा प्रशिक्षण में भी चमक लाई जा रही है। सर्वप्रथम धूमल सरकार ने प्रशिक्षण में प्रतिबद्धता तथा अधोसंरचना में निखार लाने का प्रयास किया।

प्रो. प्रेम कुमार धूमल ने न केवल 45 के करीब विभिन्न खेलों के लिए कोच नियुक्त किए, बल्कि कारपोरेट जगत की मदद से हमीरपुर व धर्मशाला में सिंथेटिक ट्रैक्स का निर्माण करवाया। यह दीगर है कि हालिया वर्षों में भारतीय खेल प्राधिकरण के धर्मशाला केंद्र में कुछ खेलें मौन या गौण हो गई हैं। प्रदेश को अगर खेलों में और प्रतिभाएं लानी हैं, तो ग्रामीण व स्कूल गेम्स को बढ़ावा देना होगा। आश्चर्य यह कि हिमाचल शिक्षा बोर्ड से संबद्ध कई निजी व सरकारी स्कूलों में खेलों की माकूल व्यवस्था ही नहीं है। इसी तरह राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों में शिक्षा का वातावरण मुकम्मल करते-करते खेलें पिछड़ गई। पंजाब के गुरुनानक विश्वविद्यालय का उदाहरण हमारे समक्ष है, जहां हिमाचल के कई प्रतिभावान खिलाड़ी पढ़ाई के बीच अपना जज्बा कायम रखते हैं। गुरुनानक देव विश्वविद्यालय अपने छात्रों के लिए हिमाचल में समर कैंप तथा वाटर स्पोर्ट्स के लिए अभ्यास कराता रहा है। ऐसे में हिमाचल प्रदेश तथा मंडी विश्वविद्यालय को भी समर कैंप शुरू करने चाहिएं। हिमाचल को खेलों में मुकम्मल जगह बनानी है, तो मणिपुर से सीख लेनी चाहिए। आश्चर्य यह नहीं कि हमारे राजनीतिक नेतृत्व ने कुछ नहीं किया, बल्कि यह जरूर है कि सत्ता बदलते ही परियोजनाएं भी बदल जाती हैं। बतौर खेल मंत्री राकेश पठानिया ने नूरपुर स्पोर्ट्स परिसर को एक महत्त्वाकांक्षी आकार देने की ठानी, लेकिन बदलती राजनीति ने इसे उपेक्षित कर दिया। हिमाचल में खेलों के ठोस आधार के लिए यहां एक बार राष्ट्रीय खेलों का आयोजन होना चाहिए ताकि एक ही साथ कई स्थानों पर खेल ढांचा विकसित हो जाए।

बहरहाल देश के लिए कबड्डी में गोल्ड लेकर आईं चार हिमाचली बेटियों द्वारा की गई न्यायोचित पुरस्कार राशि की मांग पर सौहार्दपूर्ण विचार करते हुए सुक्खू सरकार को पूर्व घोषित राशि में बढ़ोतरी कर देनी चाहिए। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि इस बार भारतीय महिला कबड्डी का नेतृत्व हिमाचली बेटी पुष्पा राणा ही कर रही थी।

भूख से जूझते करोड़ों लोग दूसरी ओर करोड़ों टन भोजन की बर्बादी

भारत भोजन की बबार्दी के मामले में दुनिया में दूसरे स्थान पर है,एक तरफ जहां करोड़ों टन खाना फेंका जाता है, वहीं देश में लाखों लोग कुपोषण और भुखमरी का शिकार हैं। भारत में हर साल लगभग 7.8 करोड़ टन खाना बर्बाद होता है। चीन पहले स्थान पर 10.86 करोड़ टन खाना बर्बाद करता है और भारत दूसरे स्थान पर है। देश में सालाना लगभग 92,651 करोड़ से 1.55 लाख करोड़ मूल्य का खाना बर्बाद होता है।भारत के लिए इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि एक ओर पिछले कजहां करोडों लोगों को भरपेट भोजन उपलब्ध नहीं है पौष्टिक भोजन की तो बात ही छोड़ दीजिए ऐसी स्थिति में दूसरी ओर बड़ी मात्रा में खाना कचरे में चला जाता है। खेत में मेहनत से उगा अन्न जब गोदाम में खराब होता है या विवाह समारोह की भरी प्लेट से फेंक दिया जाता है, तो नुकसान केवल भोजन का नहीं होता। उसके साथ बीज किसान की मेहनत, खाद पानी, जमीन,संसाधन बिजली, श्रम और उन पर हुआ खर्च भी बेकार हो जाता है। और किसी जरूरतमंद तक भोजन पहुंचने की संभावना भी व्यर्थ हो जाती है। एक रिपोर्ट के अनुसार संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के फूड वेस्ट इंडेक्स 2024 के आधार पर भारत के घरों में सालाना लगभग 7.82 करोड़ टन भोजन बर्बाद होने का अनुमान है।प्रति व्यक्ति यह मात्रा करीब 55 किलोग्राम है।यह बबार्दी मुख्य तौर पर घरों, होटलों और खुदरा दुकानों में होती है।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के पड़ोसी मुल्कों में खाने की सबसे ज्यादा बबार्दी चीन में होती है। चीन में हर व्यक्ति सालभर में औसतन 76 किलो खाना बर्बाद कर्ता है इसी कड़ी में पाकिस्तान बांग्लादेश अफ़गानिस्तान नेपाल श्रीलंका भूटान में भी बड़ी मात्रा में खाना बर्बाद किया जाता है। पाकिस्तान में वैसे तो हर व्यक्ति सालाना औसतन 130 किलो खाना बर्बाद करता है, लेकिन वहां सालभर में 3।07 करोड़ टन खाना बर्बाद होता है। इसी तरह बांग्लादेश में 1.41 करोड़ टन, अफगानिस्तान में 52.29 लाख टन, नेपाल में 28.31 लाख टन, श्रीलंका में 16.56 लाख टन और भूटान में 15 हजार टन से ज्यादा खाना हर साल बर्बाद हो जाता है। भारत में जितनी मात्रा में खाना बर्बाद होता है, उससे देश के करोड़ों भूखे लोगों का पेट भरा जा सकता है।

संयुक्त राष्ट्र की ताजा रिपोर्ट में सामने आया है कि दुनियाभर में हर साल एक अरब टन से ज्यादा खाना बर्बाद हो जाता है। खाने की ये बबार्दी तब है, जब दुनियाभर में 78.3 करोड़ से ज्यादा लोग भूखे पेट सो जाते हैं। इतना ही नहीं दुनिया की एक तिहाई आबादी पर खाने का संकट मंडरा रहा है।

आपको बता दें कि भोजन की बबार्दी केवल थाली तक सीमित नहीं है, बल्कि खेत से बाजार और गोदामों तक पहुंचने के दौरान भी बड़े पैमाने पर नुकसान होता है। देखा जाए तो भूख और बबार्दी का यह संतुलन केवल एक प्रशासनिक विफलता नहीं है, बल्कि एक गंभीर नैतिक, सामाजिक और पर्यावरणीय संकट भी है। इस मामले में राजस्थान की स्थिति भी चिंताजनक है, जहां रोजाना करीब 9,490 मीट्रिक टन भोजन बर्बाद होता है। इसका बढ़ा हिस्सा शादी-पार्टियों और बड़े आयोजनों से आता है। भरी हुई प्लेटें आधी छोड़ देना हमारे यहां शान का प्रतीक बन गया है, जबकि यही अन्न किसी की पूरी रात की भूख मिटा सकता था। भोजन का नुकसान थाली में आने से बहुत पहले शुरू हो जाता है। कोल्ड स्टोरेज और रेफ़्रिजरेटेड परिवहन की कमी से खेतों और मंडियों में बड़ी मात्रा में फल-सब्जियां सड़ जाती हैं। छोटे किसान पूरा नुकसान उठाने से बचने के लिए मजबूरी में औने-पौने दाम पर फसल बेच देते हैं। बाढ़ और बेमौसम बारिश जैसी चरम मौसमी घटनाएं हालात और बिगाड़ती हैं। आगे सुपरमार्केट कॉस्मेटिक फिल्टरिंग के नाम पर सिर्फ दिखावटी खामियों के कारण बिल्कुल ठीक उपज लौटा देते हैं। शहरों में घरों और भव्य समारोहों का बचा भोजन अंततः लैंडफिल पहुंचता है। सरकारी गोदाम भी इस लापरवाही से अछूते नहीं हैं। मध्य प्रदेश में सीएजी और संबंधित विभागों की रिपोर्ट के अनुसार, 2021 से 2026 के बीच सरकारी और निजी गोदामों में करीब एक लाख मीट्रिक टन खाद्यान नमी, बारिश, चूहों और समय पर उठाव न होने से खराब हो गया। इसकी कीमत करोड़ रुपये आंकी गई है। रायसेन, सीहोर, विदिशा और आसपास के गोदामों में करीब 70 हजार मीट्रिक टन गेहूं सड़ा। बारिश-नमी से करीब 21 हजार मीट्रिक टन धान और कीड़ों से लगभग 8,500 मीट्रिक टन दलहन भी बर्बाद हुआ। इस अनाज की खरीद, बुलाई और भंडारण पर सरकार 100 करोड़ रुपये से अधिक खर्च कर चुकी थी। यह अनाज सुरक्षित रहता तो गरीब कल्याण योजना के तहत करीब दो करोड़ लोगों को एक महीने का राशन मिल सकता था। यह जनता के पैसे और गरीब के हक, दोनों की बबार्दी है। यह समस्या सिर्फ नैतिक या आर्थिक नहीं, पर्यावरणीय भी है। लैंडफिल में सड़ता भोजन शक्तिशाली ग्रीनहाउस गैस मीथेन छोड़ता है। बर्बाद भोजन धरती को गर्म करता है और गर्म होती धरती अन्न उगाना कठिन बनाती है। इस तरह हम अपनी जनता के बजाय अपने कचरे के ढेरों को खिला रहे हैं। नीतिगत खामियां भी कम नहीं। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम और प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना चावल-गेहूं के वितरण में सफल रही हैं। लेकिन कुपोषण से लड़ने के लिए जरूरी फल, सब्जियां और दुग्ध उत्पाद, जो जल्दी खराब होते हैं, इस तंत्र में लगभग उपेक्षित हैं। पेट भरना और पोषण देना अलग बातें हैं, और नीति को दोनों को साधना होगा। अंधेरे के बीच उम्मीद भी है। रिफूड इंडिया और अन्नक्षेत्र ट्रस्ट जैसी संस्थाएं जयपुर-जोधपुर में समारोहों का बचा भोजन जरूरतमंदों तक पहुंचाती है। कोटा, अजमेर और उदयपुर में युवाओं की टोलियां रोटी बैंक के जरिए घरों और आयोजनों से खाना जुटाकर बांटती हैं। विवाह स्थलों पर लगे बोर्ड उतना ही ले थाली में जो व्यर्थ न जाए नाली में अन्न की बबार्दी रोकने का संदेश देते हैं। ये प्रयास सराहनीय हैं।

हाल ही में एक अखबार की रिपोर्ट के अनुसार भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने अधिशेष भोजन के वितरण के नियम बनाए हैं, पर वे खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत मुकदमों के डर से पूरी सुरक्षा नहीं देते। इसी डर से कई रेस्तरां और सुपरमार्केट दान से कतराते हैं। राष्ट्रव्यापी नेक कामगार कानून इस बाधा को दूर कर सकता है। दूसरा, आपूर्ति श्रृंखला में बड़ा निवेश जरूरी है। खेत स्तर पर पैकेजिंग केंद्र, प्रशीतित परिवहन और आधुनिक भंडारण की राष्ट्रीय पहल से बबार्दी घटेगी, मीथेन उत्सर्जन पर लगाम लगेगी और किसानों की आय बढ़ेगी। तीसरा, गोदामों में जवाबदेही तय हो। अनाज सड़ने पर जिम्मेदार अधिकारियों और एजेंसियों पर कार्रवाई होनी चाहिए, और समय पर उठाव व वैज्ञानिक भंडारण सुनिश्चित किया जाए। चौथा, समाज को अपनी आदतें बदलनी होंगी। शादियों और समारोहों में बेहतर योजना, सीमित मात्रा में परोसना और बचे भोजन को समय रहते जरूरतमंदों तक पहुंचाना हमारी जिम्मेदारी है। अन को हमारी संस्कृति में देवता माना गया है, फिर भी हम उसका अपमान कर रहे हैं। भोजन की बांदी रोकना दान नहीं, कर्तव्य है। यह एक साथ भूख, अर्थव्यवस्था और पर्यावरण, तीनों का समाधान है। सरकार, समाज और हर नागरिक के सामूहिक प्रयास से ही हम वह दिन ला सकते हैं जब कोई थाली खाली न हो और कोई अन कचरे में न जाए। भोजन बचाने का अर्थ इसलिए केवल खर्च कम करना नहीं, संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करना भी है। समाधान के लिए सरकार, कारोबार और नागरिकों को अपने-अपने हिस्से का काम करना होगा। सरकार सुरक्षित भंडारण, बुलाई और निगरानी सुधारे। बाजार और रेस्तरां अपनी खरीद तथा बिक्री का बेहतर अनुमान लगाएं और सुरक्षित अतिरिक्त भोजन के वितरण से जुड़ें। घरों में साप्ताहिक जरूरत के अनुसार खरीद, सही भंडारण और बचे भोजन का समय पर उपयोग किया जाए। समारोहों में दिखावे की जगह सुविचारित व्यवस्था को महत्व मिले। भूख का समाधान केवल बचा हुआ भोजन बांट देने से नहीं होगा; लोगों की आय, पोषण और भोजन तक नियमित पहुंच भी सुनिश्चित करनी होगी। फिर भी बबार्दी रोकना ऐसा कदम है जिसे आज से शुरू किया जा सकता है। जिस देश में अन्न को सम्मान दिया जाता है, वहां उसे उगाने से लेकर परोसने तक बचाने की जिम्मेदारी भी साझा होनी चाहिए।

एक अनुमान के मुताबिक भारत में रोज तकरीबन 19-20 करोड़ लोग भूखे पेट सोने के लिए मजबूर हैं। यही नहीं, देश में जितना खाना सालाना बर्बाद हो रहा, उससे करीब 37.7 करोड़ लोगों का पेट भर सकता है। एक आम इंसान को पेट भरने के लिए जितने खाने की जरूरत होती है, उसका करीब 5वां हिस्सा अन्न बर्बाद कर दिया जा रहा है। यानी डस्टबिन में फेंक दिया जाता है। इसलिए अगली बार जब भी किसी पार्टी-समारोह या होटल-रेस्टोरेंट में जाएं तो अपनी प्लेट में जरूरत के मुताबिक खाना परोसिए ऐसा करके आप किसी भूखे की थाली में निवाला पहुंचाने में सहयोग कर सकते हैं।

लेखक - मनोज कुमार अग्रवाल
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 40 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता से जुड़े हैं)
(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

शेयर बाजार में निवेशकों के 8 सप्ताह में डूबे 45 लाख करोड़

भारतीय शेयर बाजार इन दिनों अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है। शेयर बाजार के निवेशकों को 8 सप्ताह के अंदर लगभग 45 लाख करोड रुपए का नुकसान उठाना पड़ा है। यह कोई छोटा-मोटा नुकसान नहीं है। दिसंबर 2025 में मुंबई स्टॉक एक्सचेंज का कारोबार 86159 के सूचकांक पर हो रहा था। 1 अक्टूबर 2026 को यह गिरकर 71328 पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह से नेशनल स्टॉक एक्सचेंज जनवरी 2026 के प्रथम सप्ताह में 26373 पर कारोबार कर रहा था। जो अब घटकर 22337 पर आ गया है। शेयर बाजार में लगातार उथल-पुथल मची हुई है। पिछले 8 सप्ताह में जिस तरह से शेयर बाजार में निकासी का दौर शुरू हो गया है। विदेशी निवेशक शेयर बाजार छोड़कर भाग रहे हैं। रिजर्व बैंक और सेबी की जो नई नीतियां बनी है, उसमें कोई पारदर्शिता नहीं है। भारतीय शेयर बाजार को सट्टे बाजार की तरह संचालित किए जाने से निवेशको का भरोसा अब शेयर बाजार में नहीं रहा। रही-सही कसर रिजर्व बैंक ने पूरी कर दी है। जब उसने प्रवासी भारतीयों से ऊंची ब्याज दर पर डॉलर में निवेश करने और डॉलर में ही ब्याज देने का प्रावधान किया। उसके बाद से स्थिति दिन प्रतिदिन खराब होती जा रही है। आर्थिक विशेषज्ञ यह कहने लगे हैं, 1992 जैसे हालत 2026 में देखने को मिल रहे हैं। 1992 में जब हर्षद मेहता घोटाला सामने आया था। हर्षद मेहता के रंक से राजा और राजा से रंक बनने की कहानी को आसानी से समझा जा सकता है। 1992 में शेयर बाजार में मात्र 4025 रुपए करोड रुपए का घोटाला हुआ था। जिसने शेयर बाजार और भारतीय अर्थव्यवस्था की नीव को हिला कर रख दिया था। उस समय भी भारतीय वित्तीय संस्थानों और बैंकों को भारी नुकसान हुआ था। यूनिट ट्रस्ट ऑफ इंडिया जैसी कंपनी पूरी तरह से बैठ गई थी। चारों तरफ अफरा तफरी का माहौल बन गया था। उस समय हर्षद मेहता ने एक करोड रुपए की रिश्वत तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिंहराव को देने की पेशकश की थी। इस पर बड़ा बवाल मचा था। 1992 के शेयर घोटाले के बाद भारत की अर्थव्यवस्था को संभलने में कई वर्ष लगे। 2014 के बाद से जिस तरह से सेबी और रिजर्व बैंक समय-समय पर जो नियम कानून बना रहे हैं। केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा आर्थिक मामलों में जो निर्णय लिए जा रहे हैं। उसके बारे में अब कहा जा रहा है, शेयर बाजार और भारतीय कंपनियों के माध्यम से लाखों करोड़ों रुपए के घोटाले पिछले 12 वर्षों में हुए हैं। शेयर बाजार से सारा पैसा मुनाफाखोरी और घोटालेबाजी के कारण निकल चुका है। यह पैसा भारतीय शेयर बाजार से निकलकर विदेशों में निवेश हो गया है। भारत के बैंकों और वित्तीय संस्थाओं ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से कंपनियों में भारी निवेश किया है। शेयर बाजार के माध्यम से भारी आर्थिक गड़बडियां की गई हैं। पिछले दो वर्षों में जिस तरह के हालात शेयर बाजार के बने हुए हैं। उसने शेयर बाजार की आंतरिक स्थिति को और भी खराब कर दिया है। विशेष रूप से ईरान और अमेरिका युद्ध के बाद जिस तरह से कच्चे तेल के दाम बढ़े हैं। डालर के मुकाबले रुपया की कीमत तेजी के साथ कम हुई है। राजकोषीय घाटा बढ़ता ही जा रहा है। आयात और निर्यात के बीच का अंतर भारत की अर्थव्यवस्था को बुरी तरह से प्रभावित कर रहा है। पिछले दो सप्ताह में शेयर बाजार से लगभग 45 लाख करोड़ रूपया निवेशकों का नुकसान के रूप में सामने आया है। ऐसी स्थिति में आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है, भारत की अर्थव्यवस्था स्वतंत्रता के बाद से सबसे खराब दौर में पहुंच गई है। यदि मुंबई स्टॉक एक्सचेंज में 70000 सूचकांक से कम में कारोबार करेगा, ऐसी स्थिति में बाजार को संभाल पाना बहुत मुश्किल होगा। भारत के कई बैंक भारतीय जीवन बीमा और अन्य वित्तीय संस्थाएं भारी संकट के दौर में आ सकती हैं। आर्थिक विशेषज्ञ यहां तक आशंका व्यक्त करने लगे हैं, 2008 में जिस तरह से लेहमन ब्रदर्स के कारण अमेरिका में आर्थिक मंदी आई थी। सैकड़ो बैंक दिवालिया हो गए थे, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिस तरह की अफरा तफरी मची थी। इस तरह के हालात भारत में भी दिखने लगे हैं। पिछले एक दशक में भारत के कारोबारियों ने बैंकों और राजनेताओं से मिलकर जिस तरह से लाखों करोड़ रूपयों के घोटाले शेयर बाजा और बैंकों के जरिए किए हैं। अब वह घोटाले एक-एक करके खुलने लगे हैं। जिसके कारण भारतीय शेयर बाजार को लेकर अब दुनिया भर के निवेशक यहां से अपनी रकम निकाल कर भाग रहे हैं। देसी निवेशकों को पिछले 2 साल से शेयर बाजार से रिटर्न नहीं मिल रहा है, उल्टा नुकसान होने लगा है। ऐसी स्थिति में भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर अब यह कहा जाने लगा है, लोग नहीं समझ पा रहे हैं, कि उन्हें कहां निवेश करना चाहिए। बैंक भी सुरक्षित नहीं है। सोने, चांदी की कीमतों में भी अस्थिरता मची हुई है। आर्थिक मंदी की संभावनाओं को देखते हुए भारतीय निवेशक को यह समझ नहीं आ रहा है, वह अपना निवेश करें, तो कहां करें? सरकार ने तरह-तरह के नियम कानून बनाकर लोगों को जो निवेश के संबंध में आर्थिक आजादी थी, उसे भी कई तरीके से बाधित कर दिया है।

सरकार ने पिछले एक दशक में टैक्स और शुल्क बड़ी मात्रा में लगाये है। लोगों को कर्ज लेकर खर्च चलाना पड़ रहा है। एनपीए बढ़ता ही जा रहा है। बैंकों की बेलेंशशीट को दिखावटी माना जा रहा है। ऐसी स्थिति में भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर भविष्य क्या होगा, कुछ कहा नहीं जा सकता है। इस तरह की स्थिति इसके पहले कभी नहीं बनी थी, जो अब बन गई है। राजनीति भी अस्थिर दौर से गुजर रही है। हर जगह घबराहट का माहौल बना हुआ है। आर्थिक विशेषज्ञ यह मानकर चल रहे है, भारतीय अर्थ व्यवस्था पिछले 75 वर्षों में सबसे खराब स्थिति में पहुंच गई है।

लेखक- सनत जैन

मध्यवर्ग पर भारी सरकार की आर्थिक नीतियां

यूपीआई पर चार्ज लगाने का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुँच गया है और कोर्ट ने सरकार से उक्त चार्ज लगाने की वजह पूछी है। कोर्ट का फैसला जो भी हो, मोदी जी के 12 साल के शासन में राजस्व बढ़ाने की ऐसी कई अजीबोगरीब कोशिशें की गई हैं जिससे मध्यवर्ग का आम आदमी ही परेशान हुआ है। इसी सरकार ने देश में वर्ष 2016 में यूपीआई की शुरूआत की और इसका जोरदार प्रचार किया गया कि इस सुविधा से बैंकिंग सिस्टम पर दबाव कम होगा।

शुरू में जनता कुछ आशंकित थी पर धीरे धीरे इसकी सुविधा से अभ्यस्त हो गई और अब कैशलेस लेनदेन में भारत दुनिया में सबसे ऊपर है। सारी दुनिया के लगभग आधे कैशलेस लेनदेन भारत में होते हैं। अब अचानक सरकार इस सुविधा पर टैक्स लगाकर एक अनैतिक परम्परा की शुरूआत कर रही है।

अक्टूबर से बैंकों द्वारा पहले की तुलना में मुफ्त एटीएम निकासी की संख्या भी कम कर दी गई है। जब एटीएम शुरू हुए थे तब यह कहा गया था कि एटीएम उपयोग को प्रोत्साहन देने का कारण यह है कि इससे बैंकिंग सिस्टम पर दबाव कम होता है लेकिन अब धीरे धीरे इसे भी पैसा उगाही का जरिया बनाया जा रहा है। रिटायर होने वाले नागरिक आम तौर पर फिक्स डिपॉजिट में निवेश करते हैं ताकि उनका पैसा सुरक्षित रहे और ब्याज से आय से खर्च भी चलता रहे। पहले ओल्ड रेजीम में आम लोगों

को 10000 रु तक तथा सीनियर सिटीजन को 50000 रु तक का ब्याज कर मुक्त किया गया था लेकिन नई रेजीम में किसी भी तरह के ब्याज पर टैक्स छूट समाप्त कर दी गई है। यह व्यवस्था सीनियर सिटीजन के लिये बहुत कष्टदायक है क्योंकि अधिकांश अपनी जमा पूंजी पर मिलने वाले ब्याज पर ही गुजारा करते हैं। देश की एकमात्र टैक्स मुक्त बचत योजना पीपीएफ का ब्याज भी वर्ष 2020 से मात्र 7.1 प्रतिशत दिया जा रहा है।

इसी तरह पहले काफी समय से शेयर बेचने पर होने वाले लम्बी अवधि यानी एक साल से ज्यादा अवधि में बेचने पर कैपिटल गेन पर पूरी टैक्स छूट थी। लेकिन 1 अप्रैल 2018 से इसे 10 प्रतिशत और बाद में 2024 से बढ़ा कर 12.5 प्रतिशत कर दिया गया। दूसरे कार्यकाल में मोदी सरकार ने शेयर पर मिलने वाले लाभांश को भी नहीं छोड़ा और 2020 से उस पर भी टैक्स लगा दिया गया जबकि पहले लाभांश पर कम्पनी टैक्स देती थी और इन्वेस्टर को प्राप्त होने वाला पूर्णतः कर मुक्त था। यह समझ से परे है कि एक तरफ सरकार निवेश को बढ़ावा देने की बात करती है लेकिन दूसरी तरफ निवेश से होने वाली हर तरह की आय पर टैक्स लगा देती है। मध्यवर्ग द्वारा शेयर बाजार में निवेश लगातार बढ़ता जा रहा है लेकिन सरकार की व्यक्तिगत निवेश विरोधी नीतियों से शेयर बाजार का सेंटीमेंट तो खराब होता ही है, साथ ही आम नागरिकों के आय के साधन इतने सीमित हो जाते हैं कि वे बढ़ती महंगाई और मुद्रास्फीति का मुकाबला नहीं कर पाते।

देश का उच्चवर्ग तो आर्थिक नीतियों से अप्रभावित रहता है क्योंकि व्यापार या उद्योग में नफा नुकसान का उनके व्यक्तिगत जीवन पर कोई असर नहीं पड़ता। निम्न वर्ग भी लाड़ली बहना, फ्री एलपीजी, फ्री राशन और तरह तरह के लोक लुभावन कार्यक्रमों से लाभान्वित है। लेकिन मध्यवर्ग की मुसीबतें बढ़ती जा रही हैं क्योंकि वह प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष टैक्स दोनों की मार झेलने पर मजबूर है। मोदीजी को सत्ता के सर्वोच्च शिखर पर बिठाने वाले मध्यवर्ग के वोटर का धीरज और सहनशक्ति लगातार कम हो रहे हैं। अगर समय रहते मोदी सरकार ने मध्यवर्ग का टैक्स बोझ कम नहीं किया तो 2029 में उन्हें वाकई झोला लेकर हिमालय जाना पड़ेगा।

लेखक-डॉ योगेन्द्र श्रीवास्तव

आलेख

रुपए को भारतीय नागरिक ही दिला सकते हैं मजबूती

अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत लगातार नीचे गिर रही है। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि भारत में विभिन्न उत्पादों के आयात बहुत अधिक मात्रा में हो रहे हैं, जबकि तुलनात्मक रूप से भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात कम मात्रा में हो रहे हैं और इससे भारत का व्यापार घाटा लगातार बढ़ता जा रहा है। बाजार में किसी भी वस्तु की कीमत उसकी मांग एवं आपूर्ति से तय होती है, भारत में विभिन्न वस्तुओं के आयात अधिक होने के चलते एवं इन आयातित वस्तुओं का भुगतान करने के लिए भारत को अमेरिकी डॉलर की आवश्यकता अधिक है और तुलनात्मक रूप से निर्यात कम होने के चलते भारत को अमेरिकी डॉलर की आपूर्ति कम मात्रा में हो रही है। अतः अमेरिकी डॉलर की मांग अधिक होने एवं आपूर्ति कम होने से अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत लगातार नीचे गिर रही है। पिछले 90 दिनों के दौरान एक अमेरिकी डॉलर की कीमत अधिकतम 96.7908 रुपए और न्यूनतम कीमत 94.3986 तक रही है। आज यह पुनः 96 रुपए प्रति अमेरिकी डॉलर के स्तर से ऊपर पहुंच गई है। इस स्थिति को सुधारने में भारतीय नागरिकों को अपना महत्वपूर्ण योगदान देने की अधिक आवश्यकता है। दरअसल, भारतीय नागरिकों की आय में वृद्धि दर्ज होने के चलते वे समाज में अपने रुतबे को बढ़ता हुआ दिखाने के लिए आयातित वस्तुओं का उपयोग करने लगते हैं, जबकि देश में ही निर्मित यह उत्पाद पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। भारतीय नागरिकों द्वारा आयातित उत्पादों के अधिक उपयोग के कारण देश में वस्तुओं का आयात बढ़ता है और यह अमेरिकी डॉलर की मांग में वृद्धि करता है।

हाल ही के समय में भारतीय शेयर बाजार से भी विदेशी संस्थागत निवेशक भारी मात्रा में अपने निवेश को वापिस निकाल रहे हैं, क्योंकि अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत कम हो रही है और इससे विदेशी निवेशकों को नुकसान हो रहा है। केलेंडर वर्ष 2026 में अभी तक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से 2.8 लाख करोड़ रुपए की राशि निकाल ली है। सितम्बर 2024 तक के 24 माह में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में 38,600 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया था जबकि सितम्बर 2026 तक के 24 माह में 56,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर की निकासी की गई हैं। हालांकि, इस बीच भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार मजबूत बनी हुई है और भारत के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हो रही है। इस बीच अमेरिका में बांड यील्ड में भी तेजी से वृद्धि हुई है और यह यील्ड 30 वर्ष की अवधि के बांड पर 5.595 प्रतिशत के स्तर तक पहुंच गई है जो पिछले 20 वर्षों से अधिक समय (वर्ष 2002 के बाद) में सबसे अधिक है। दरअसल, भारत में ब्याज दरें अमेरिका से अधिक होने के चलते विदेशी संस्थागत निवेशक भारत के शेयर बाजार में अपना निवेश बढ़ाते जा रहे थे। परंतु, हाल ही के वर्षों में अमेरिका में ब्याज दरों में वृद्धि दृष्टिगोचर है, जिसके चलते इन विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा अब भारतीय शेयर बाजार से निवेश निकाल कर अमेरिकी शेयर बाजार में निवेश किया जा रहा है। वैसे भी, भारत की आर्थिक प्रगति को विश्व के कई देश सहन नहीं कर पा रहे हैं एवं भारत को वे अपना प्रतिस्पर्धी मान रहे हैं। अतः भारत को इन परिस्थितियों से अपने नागरिकों के बल पर स्वयं ही निपटना होगा, किसी भी अन्य देश से सहायता की उम्मीद करना उचित नहीं होगा। आज भारत को प्रत्येक क्षेत्र में आत्म निर्भर बनाने की सबसे अधिक आवश्यकता है। भारत में केवल आर्थिक विकास की दर ही आकर्षक नहीं रही है बल्कि भारत के लिए विदेश व्यापार के मोर्चे पर भी अगस्त 2026 माह में मजबूत प्रदर्शन देखने को मिला है। अगस्त 2026 माह में भारत से कुल निर्यात (उत्पादों एवं सेवाओं सहित) 25.41 प्रतिशत बढ़कर 8,268 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा है, जो बीते वर्ष की समान अवधि में 6,593 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा था। वहीं, अगस्त 2026 माह में आयात 9,209 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा है, जो बीते वर्ष अगस्त 2025 में 7,755 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा था। इस तरह से निर्यात में तेज बढ़ोतरी के चलते देश का व्यापार घाटा घटकर 941 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रह गया है। बीते वर्ष अगस्त 2025 माह में व्यापार घाटा 1,162 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा था। इसी प्रकार अगस्त 2026 माह में विभिन्न उत्पादों (वस्तुओं) का निर्यात 26.12 प्रतिशत बढ़कर 4,381 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गया है, जो अगस्त 2025 माह में 3,473 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा था। अगस्त 2026 माह में पिछले 10 वर्षों के दौरान सबसे अधिक वस्तुओं का निर्यात हुआ है। इस अवधि में सेवाओं के निर्यात में भी अच्छी वृद्धि दर्ज हुई है।

इसी प्रकार, अगस्त 2026 माह में ही भारत में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में भी 8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। विनिर्माण क्षेत्र में तो और अधिक 9 प्रतिशत एवं बिजली एवं गैस आपूर्ति क्षेत्र में 12.3 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज हुई हैं। केंद्र सरकार के पूंजीगत खर्चों में वृद्धि दर्ज हुई है एवं अब निजी क्षेत्र द्वारा भी पूंजीगत खर्चों में वृद्धि की जा रही है। विनिर्माण क्षेत्र की इकाईयों की उत्पादन क्षमता का उपयोग 75 प्रतिशत से ऊपर पहुंच गया है, इसके बाद सामान्यतः विनिर्माण इकाईयां अपनी उत्पादन क्षमता का विस्तार करने पर विचार प्रारम्भ करती है।

भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर आकर्षक है, औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि दर उल्लेखनीय है, विभिन्न वस्तुओं एवं सेवाओं के निर्यात भी तेज गति से बढ़ रहे हैं, फिर भी भारतीय शेयर बाजार से विदेशी संस्थागत निवेशक अपना निवेश क्यों निकाल रहे हैं एवं भारतीय रुपए की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगातार क्यों गिर रही है। इस विषय पर गम्भीरता से विचार करने की आज आवश्यकता है। दरअसल अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत द्वारा आयातित वस्तुओं के दाम तेजी से बढ़ रहे हैं और भारत का व्यापार घाटा लगातार बढ़ रहा है। जिससे भारत को अमेरिकी डॉलर की अधिक आवश्यकता महसूस हो रही है एवं इससे अमेरिकी डॉलर की मांग में वृद्धि दिखाई दे रही है जिससे अमेरिकी डॉलर भारतीय रुपए की तुलना में मजबूत हो रहा है एवं रुपया कमजोर हो रहा है। इस ट्रेंड को बदलने के लिए भारत को विभिन्न वस्तुओं के उत्पादन में आत्म निर्भरता प्राप्त करने की आज सबसे अधिक आवश्यकता है, ताकि विभिन्न उत्पादों के आयात को कम किया जा सके और भारत अपने व्यापार घाटे को व्यापार आधिक्य में बदलने में सफल हो सके। इसलिए आज भारतीय नागरिकों को गम्भीरता से चिंतन/मनन/विचार करने की महती आवश्यकता है एवं किस प्रकार केवल देश में ही निर्मित उत्पादों का उपयोग किया जाय और आयातित वस्तुओं के उपभोग को बंद कर दिया जाय। विभिन्न सामाजिक संस्थानों को भी इस दृष्टि से आम नागरिकों को जागरूक करने का काम प्रारम्भ करना होगा। इस संदर्भ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं स्वदेशी जागरण मंच द्वारा लगातार यह प्रयास किए जा रहे हैं कि भारत में केवल स्वदेशी उत्पादों का ही उपयोग होना चाहिए। इस अभियान के अंतर्गत नागरिकों को यह भी जानकारी दी जाती है कि कौन सा उत्पाद विशेष आयातित है एवं कौन सा उत्पाद विशेष देश में ही निर्मित है। अब समय आ गया है कि धार्मिक, सांस्कृतिक, सामाजिक संस्थानों एवं एनजीओ को मिलकर इस अभियान को समाज एवं नागरिकों के बीच ले जाना होगा। ताकि, भारत में विभिन्न उत्पादों के आयात को कम किया जा सके एवं भारतीय रुपए पर आ रहे दबाव को कम किया जा सके।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें भी लगातार बढ़ रही हैं और यह लगातार 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर को भी पार कर गई हैं। भारत तो कच्चे तेल की अपनी कुल खपत का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा आयात करता है। कच्चे तेल के आयात का भुगतान भी अमेरिकी डॉलर में ही करना होता है, इससे भारतीय रुपए पर दबाव बढ़ रहा है। महंगे कच्चे तेल के आयात से भारत में मंहगाई का भी आयात हो रहा है। भारत में भी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर मुद्रा स्फीति की दर 4.8 प्रतिशत तक पहुंच गई है और थोक मूल्य सूचकांक के आधार पर तो यह 10 प्रतिशत के आसपास पहुंच गई है। दूसरे, अमेरिका एवं अन्य कई देशों में बांड यील्ड अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं। अतः बहुत सम्भव है कि भारत में मुद्रा स्फीति की दर को नियंत्रण में लाने के उद्देश्य से भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा माह अक्टोबर 2024 के दौरान रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की वृद्धि की घोषणा की जाय। रेपो दर में वृद्धि से भारत में ऋण पर अदा की जाने वाली ब्याज की राशि में वृद्धि होगी और इससे अंततः विभिन्न वस्तुओं की उत्पादन लागत में वृद्धि होगी और बाजार में उत्पादों की कीमतें भी बढ़ना प्रारम्भ होंगी।

कुल मिलाकर आज, उक्त वर्णित परिस्थितियों के बीच भारतीय नागरिकों, भारतीय समाज एवं विभिन्न प्रकार की धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक संस्थानों तथा विभिन्न क्षेत्रों एवं समाज के बीच में कार्य कर रहे एनजीओ को मिलकर एक अभियान ही चलाना होगा कि केवल भारत में निर्मित वस्तुओं का उपयोग किया जाय तथा आयातित वस्तुओं के प्रयोग को एकदम बंद कर दिया जाय। साथ ही, पेट्रोल एवं डीजल की खपत को भी नियंत्रित करने की आवश्यकता है, इससे कच्चे तेल के आयात को कम किया जा सकेगा। भारतीय नागरिकों द्वारा अपने दो पहिया एवं चार पहिया वाहनों के स्थान पर पब्लिक ट्रान्सपोर्ट के उपयोग को बढ़ावा दिया जा सकता है।

(प्रहलाद सबनानी-सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)

आप नेता आतिशी, भारद्वाज, संजय सिंह और छात्रों सहित 700 लोग हिरासत में लिए गए

नई दिल्ली, 02 अक्टूबर (वेब वार्ता)। दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को जंतर-मंतर पर मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं सौरभ भारद्वाज, संजीव झा, आतिशी और संजय सिंह के साथ-साथ कुछ छात्र संगठनों के कार्यकताओं सहित 700 से अधिक प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया।

राजनीतिक दल और ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा), स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई), भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) तथा अन्य छात्र संगठनों के सदस्य मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित अनियमितताओं और बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम हटाए जाने को लेकर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि स्थल पर किसी भी अनधिकृत जमावड़े को रोकने के लिए निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है और अतिरिक्त सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया गया है।

पुलिस ने कहा कि उसने आप नेता और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह को नॉर्थ एवेन्यू में रोक दिया, जिससे वह प्रदर्शन स्थल की ओर नहीं बढ़ सके। भारद्वाज ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन के बावजूद उन्हें और झा को हिरासत में लिया गया। उन्होंने पार्टी कार्यकताओं और समर्थकों से आंदोलन जारी रखने और जंतर-मंतर पहुंचने का आग्रह किया। पुलिस के एक सूत्र ने बताया कि एसएफआई के करीब 700 कार्यकताओं ने जंतर-मंतर पहुंचने की कोशिश की और उन्हें अशोका रोड गोलचक्कर पर रोक दिया गया, जिनमें से कई लोगों को हिरासत में ले लिया गया। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने बताया कि आप नेताओं, आइसा, एसएफआई और अन्य छात्र संगठनों सहित लगभग 700

प्रदर्शनकारियों को जंतर-मंतर और उसके आसपास से हिरासत में लिया गया।

पहले एक अन्य अधिकारी ने बताया था कि करीब 150 लोगों को हिरासत में लिया गया। प्रदर्शन स्थल और आसपास के इलाकों में इंटरनेट सेवाएं भी निलंबित कर दी गई हैं। पुलिस ने जंतर-मंतर और उसके आसपास सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं, अतिरिक्त कर्मियों को तैनात किया गया है और प्रदर्शनकारियों को स्थल तक पहुंचने से रोकने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर बैरिकेड लगाए गए हैं। दिल्ली पुलिस के जवान भी बार-बार सार्वजनिक घोषणा कर रहे थे और लोगों से जंतर-मंतर पर इकट्ठा न होने के लिए कह रहे थे क्योंकि विरोध स्थल पर किसी भी सभा की अनुमति नहीं दी गई थी। एसएफआई की महासचिव आइशी घोष ने कहा कि डीवाईएफआई और एसएफआई के कई कार्यकताओं को हिरासत में लिया गया है। घोष ने कहा, दिल्ली पुलिस राजधानी में अपराधों को रोकने में सक्षम नहीं है, लेकिन जब ज्ञानेश कुमार जैसे किसी व्यक्ति की सुरक्षा की बात आती है, तो वे सड़कों पर उतर आते हैं।

उन्होंने कहा, ह्यह्ययह लोकतंत्र नहीं है। अगर पुलिस को लगता है कि वे हमें हिरासत में लेकर आंदोलन को रोक सकते हैं, तो हम उन्हें बताना चाहते हैं कि यह तो सिर्फ शुरूआत है। आइसा कार्यकताओं ने आरोप लगाया कि पुलिस ने हिरासत के दौरान महिलाओं सहित प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बल प्रयोग किया।

जंतर-मंतर के पास हिरासत में लिए जाने के दौरान संगठन के एक सदस्य ने कहा, 'चाहे आप कितनी भी लाठियां बरसाओ या हममें से कितने लोगों को जेल में डाल दो, ज्ञानेश कुमार को इस्तीफा देना ही होगा।' एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ समेत कई कार्यकताओं को भी मौके से हिरासत में लिया गया। जाखड़ को संगठन के कार्यालय से जंतर-मंतर की ओर पैदल मार्च के दौरान हिरासत में लिया गया। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में, आरोप लगाया कि एनएसयूआई के कई कार्यकताओं को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने दावा किया कि मार्च के दौरान कार्यकताओं पर पुलिस कार्रवाई की गई थी।

जाखड़ ने कहा, 'लोगों के वोटों की आवाज को किसी भी ताकत से दबाया नहीं जा सकता।' उन्होंने कहा कि संगठन का 'लोकतंत्र के लिए शांतिपूर्ण संघर्ष' जारी रहेगा। प्रदर्शन स्थल से एनएसयूआई के भी कई कार्यकताओं को हिरासत में लिया गया। प्रदर्शनकारियों को फिरोजशाह रोड पर बैरिकेड लांघते हुए भी देखा गया। एक वीडियो संदेश में भारद्वाज ने कहा कि पुलिस ने उन्हें बताया कि प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी गई थी।

नाबालिग लड़की से 7 महीने तक रेप, वीडियो बनाकर पति को भेज दिया; आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, 02 अक्टूबर (वेब वार्ता)। देश की राजधानी दिल्ली में शर्मनाक घटना सामने आई है। यहां 25 साल का एक युवक नाबालिग लड़के के साथ 7 महीने तक रेप करता रहा और इस दौरान उसका वीडियो बना लिया। अब जब लड़की की शादी हो गई है और वो 18 साल की भी हो चुकी है, तब आरोपी युवक उसके अश्लील वीडियो के सहारे उसे निशाना बना रहा था। इस दौरान लड़की ने ब्लैकमेलिंग से तंग आकर पुलिस का सहारा लिया। केस दर्ज करने के बाद पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया औब मामले की जांच हो रही है।

मामला दिल्ली के साउथ एवेन्यू इलाके का है। पुलिस ने बताया कि नाबालिग पीड़िता और आरोपी युवक दोनों ही एक-दूसरे के पड़ोसी हैं और एक-दूसरे को कई साल से जानते हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपी युवक ने पिछले साल 7 महीने तक लगातार लड़की को निशाना बनाया और उसे अपनी हवस का शिकार बनाता रहा।

पुलिस से इस घटना की शिकायत करते हुए पीड़िता ने बताया कि जब वो घर पर अकेली थी, तभी आरोपी युवक ने उसका यौन शोषण किया। उसने पुलिस को बताया कि आरोपी ने उसका अश्लील वीडियो भी बना लिया और बाद में उसी वीडियो के सहारे ब्लैकमेल करता रहा।

एलजी टीएस संधू ने रोहिणी में डीडीए स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का किया उद्घाटन

नई दिल्ली (वेब वार्ता)

दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) टीएस संधू ने गुरुवार को रोहिणी में दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के एक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन किया। उन्होंने सिविल सेवा परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों के बीच लोकप्रिय स्थानीय आरंभ लाइब्रेरी का भी दौरा किया और युवाओं को अनुशासन और दृढ़ संकल्प का मंत्र दिया।

रोहिणी के सेक्टर-33 में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के उद्घाटन समारोह के दौरान संधू ने घोषणा की कि युवा खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने और हॉकी जैसे टीम खेलों में उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए एलजी कप फॉर हॉकी का आयोजन 9 से 18 अक्टूबर तक किया जाएगा। यह स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स करीब 8.11 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला है और इसका बिल्ट-अप एरिया लगभग 10,974 वर्ग मीटर है। इसे रोहिणी, बाहरी दिल्ली और उत्तर-पश्चिम दिल्ली के आसपास के इलाकों के निवासियों को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विकसित किया गया है।

लाइब्रेरी में छात्रों से बातचीत करते हुए एलजी संधू ने कहा कि इस लाइब्रेरी की छात्रों के बीच काफी मांग है। इसे देखते हुए रोहिणी की लाइब्रेरी का विस्तार किया जाएगा। इसके लिए ऊपरी मंजिल का इस्तेमाल करते हुए 40 से अधिक अतिरिक्त सीटें बनाई जाएंगी। लाइब्रेरी के दौरे के बाद उपराज्यपाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, दिल्ली सरकार के मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह के साथ रोहिणी के सेक्टर-11 स्थित डीडीए की आरंभ लाइब्रेरी का दौरा किया और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के साथ समय बिताया। उनके साथ बैठकर उनकी तैयारी, चुनौतियों और दबाव के बारे में जाना और अपने छात्र जीवन के अनुभव भी उनके साथ साझा किए।

आर्य समाज मंदिर में कैप्टन स्मित मच्छार के जल्द स्वस्थ होने के लिए लिए विशेष हवन यज्ञ

नई दिल्ली, 02 अक्टूबर (वेब वार्ता)। विमान में 33 हजार फीट की ऊंचाई पर यात्रियों की जान बचाने वाले बहादुर पायलट कैप्टन स्मित मच्छार के जल्द स्वस्थ होने के लिए देश भर में प्रार्थनाएं हो रही हैं। दिल्ली के ईस्ट ऑफ कैलाश स्थित आर्य समाज मंदिर में कैप्टन स्मित मच्छार की बहादुरी के लिए हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया और उनके जल्द स्वस्थ होने और लंबी उम्र के लिए प्रार्थना की गई।

इस मौके पर विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के प्रवक्ता विनोद बंसल ने विशेष हवन यज्ञ किया। मंदिर में हुए विशेष यज्ञ में विश्व हिंदू परिषद, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस), आर्य समाज और अन्य सामाजिक व धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। वहीं, उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में दशाश्वमेध घाट पर फ्लाईदुबई के पायलट कैप्टन स्मित मच्छार के जल्द स्वस्थ होने और लंबी उम्र के लिए विशेष गंगा और भगवान शिव की आरती की गई। इसमें स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और कैप्टन के बहादुरी को सराहा।

बता दें कि कैप्टन स्मित मच्छार फ्लाईदुबई के भारतीय पायलट हैं, जिन्होंने 30 सितंबर को हवा में हुए एक खतरनाक हमले के दौरान 174 यात्रियों की जान बचाई थी। उड़ान के दौरान उनके सह-पायलट ने अचानक कॉकपिट में उन पर चाकू से हमला कर दिया और विमान को क्रैश करने की कोशिश की। इस हमले के कारण विमान 30 सेकंड से भी कम समय में लगभग 14 हजार फीट नीचे आ गया।

गंभीर रूप से घायल होने और बहुत ज्यादा खून बहने के बावजूद कैप्टन मच्छार ने हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने हमले का जवाब दिया और क्रू की मदद से कॉकपिट को सुरक्षित किया। इसके बाद फ्लाइट की सऊदी अरब के तबुक में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई, जिससे सभी यात्री सुरक्षित बच गए। कैप्टन स्मित मच्छार के पास कमर्शियल फ्लाइंग का 13 साल से ज्यादा का अनुभव है और वे 9,750 घंटे से ज्यादा उड़ान भर चुके हैं। देशभर के लोग अब उनके जल्द ठीक होने की कामना कर रहे हैं।

रिट क्षेत्राधिकार का इस्तेमाल निजी विवादों को उठाने के लिए नहीं किया जा सकता: दिल्ली उच्च न्यायालय

नई दिल्ली, 02 अक्टूबर (वेब वार्ता)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि रिट याचिका के विकल्प का इस्तेमाल निजी झगड़ों या व्यक्तिगत विवादों को उठाने के लिए नहीं किया जा सकता।

उच्च न्यायालय ने एक व्यक्ति को एक निजी कंपनी के खिलाफ व्यक्तिगत विवाद को लेकर रिट याचिका दाखिल करने पर फटकार लगाई। अदालत ने कहा कि केवल इसलिए रिट याचिका के विकल्प का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता कि किसी व्यक्ति के दिए गए आवेदन पर उसकी इच्छा के अनुसार कार्रवाई नहीं हुई।

न्यायमूर्ति अमित महाजन ने व्यक्ति की याचिका खारिज कर दी, जिसमें निजी कंपनी के खिलाफ कार्रवाई का अनुरोध किया गया था। व्यक्ति का दावा था कि वह कंपनी आईआरसीटीसी की प्रणाली को हैक करने समेत कई राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में शामिल थी।

अदालत ने याचिका में कोई दम नहीं पाया और याचिकाकर्ता को कानून के अनुसार कंपनी के खिलाफ उचित कदम उठाने की स्वतंत्रता दी। न्यायमूर्ति महाजन ने 29 सितंबर को पारित आदेश में कहा, यह ध्यान देना जरूरी है कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत उच्च न्यायालय का क्षेत्राधिकार असाधारण प्रकृति का है। इसका उद्देश्य निजी विवादों को उठाने या किसी विरोधी के खिलाफ किसी अन्य उद्देश्य को हासिल करने के लिए मंच उपलब्ध कराना नहीं है।

एनडीएमसी ने कर्मचारियों से नागरिक देवो भव: की भावना के अनुरूप काम करने की अपील की

नई दिल्ली (वेब वार्ता)

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने अपने कर्मचारियों के लिए नागरिकों को प्राथमिकता देने, सार्वजनिक सेवाओं में जानबूझकर देरी से बचने और भ्रष्टाचार से दूर रहने सहित 10 सूत्रीय संकल्प तैयार किए हैं। इन संकल्पों को एनडीएमसी के कार्यालयों में प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाएगा।

इस संकल्प में मैं नागरिक की सेवा करता हूं, जब कोई देख भी नहीं रहा हो, तब भी मैं ईमानदार रहूंगा, मैं जानबूझकर काम में देरी नहीं करूंगा और यह मेरा काम नहीं है कहने के बजाय जिम्मेदारी स्वीकार करूंगा जैसे संकल्प शामिल हैं। एनडीएमसी के अध्यक्ष मनोज कुमार द्विवेदी ने 30 सितंबर को जारी एक परिपत्र में कर्मचारियों से नागरिक देवो भव की भावना के अनुरूप काम करने और 18 सूत्रीय आचार संहिता का पालन करने को कहा।

डीडीए की आंतरिक सुरक्षा ऑडिट में खुलासा, केवल दो प्रतिशत पार्कों में ही सीसीटीवी कैमरे

नई दिल्ली, 02 अक्टूबर (वेब वार्ता)। पिछले महीने पुलिसकर्मी बनकर आए तीन पुरुषों द्वारा 17 वर्षीय लड़की से सामूहिक बलात्कार की घटना के बाद डीडीए ने अपने पार्कों का आंतरिक सुरक्षा ऑडिट कराया। इसके अनुसार, कुल 736 में से केवल 16 यानी करीब दो प्रतिशत पार्कों में ही सीसीटीवी कैमरे लगे हैं।

दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) तरनजीत सिंह संधू ने पिछले हफ्ते डीडीए के सभी पार्कों का व्यापक सुरक्षा ऑडिट कराने का आदेश दिया था। डीडीए ने

...इसे लागू करने की प्रक्रिया जारी है

डीडीए ने बताया कि प्रवेश से जुड़ी कमियों को दूर करने के लिए 163 पार्कों को चिह्नित किया गया है, जहां फाटकों में ताला लगाने की व्यवस्था की जाएगी जो पहले नहीं थी। अधिकारियों के अनुसार, डीडीए की योजना सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने की है, जिसके तहत 602 पार्कों में सुरक्षा गार्डों की बायोमेट्रिक उपस्थिति शुरू कर दी गई है और बाकी बचे पार्कों में इसे लागू करने की प्रक्रिया जारी है।

प्राथमिकता के आधार पर सुधार कार्य करने के लिए अपने सभी पार्कों को तीन अलग-अलग श्रेणियों में विभाजित किया है जिसमें उच्च जोखिम (190), मध्यम जोखिम (258) और कम जोखिम (288) वाले पार्क शामिल हैं।

अधिकारियों ने बताया कि उच्च जोखिम वाले पार्कों में तत्काल उपाय किए जा रहे हैं। इनमें बाइक से गश्त शुरू कर दी गई है जबकि 134 पार्कों में डीडीए सशस्त्र सुरक्षा गार्ड तैनात करेगा। डीडीए ने एक बयान में कहा, अतिरिक्त रोशनी की व्यवस्था के लिए 520 पार्कों की पहचान की गई है जिनमें से 231 पार्कों में तत्काल काम कराया जा रहा है। पिछले सप्ताह किए गए ऑडिट के अनुसार, 106 पार्कों में तत्काल आधार पर काम पूरा कर लिया गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि सुरक्षा ऑडिट के आधार पर वर्तमान में 16 पार्कों में सीसीटीवी कैमरे उपलब्ध हैं और कैमरा लगाने के लिए 323 अतिरिक्त पार्कों की पहचान की गई है। डीडीए की देखरेख वाले आस्था कुंज पार्क में दुष्कर्म की घटना के बाद इन पार्कों के उचित प्रबंधन पर सवाल उठाए गए हैं।

स्थानीय पुलिस और बीट अधिकारियों के संपर्क विवरण क्षेत्रीय कर्मचारियों के साथ साझा किए गए हैं और कर्मचारियों के संपर्क विवरण भी पुलिस को दिए गए हैं। साथ ही, घटनाओं की सूचना देने और पुलिस के साथ समन्वय को लेकर कर्मचारियों को जागरूक किया जा रहा है। डीडीए ने कहा कि सभी पार्कों में संपर्क विवरण उपलब्ध कराने का काम पूरा हो चुका है।

दिल्ली की अदालत ने 2018 के गोलीबारी और लूट मामले में दो लोगों को बरी किया

नई दिल्ली, 02 अक्टूबर (वेब वार्ता)। दिल्ली की एक अदालत ने 2018 में एक मेट्रो स्टेशन पर एक व्यक्ति से लूटपाट करने और गोली मारने के आरोपी दो लोगों को बरी कर दिया है।

अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष उनकी हमलावरों के रूप में पहचान स्थापित करने में विफल रहा और बरामद पिस्तौल को गोलीबारी से वैज्ञानिक तरीके से जोड़ नहीं सका। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ट्विंकल वाधवा ने दीपक उर्फ गोलू और शानू उर्फ फुरकान के खिलाफ मामले की सुनवाई की। दोनों पर करावल नगर थाने में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और शस्त्र अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था।

अदालत ने गत 28 सितंबर के आदेश में कहा कि चश्मदीद गवाह ने आरोपियों की पहचान नहीं की और अभियोजन पक्ष आरोपियों के खिलाफ अपना मामला उचित संदेह से परे साबित नहीं कर पाया है। अदालत ने कहा कि शिकायतकर्ता आस मोहम्मद ही घटना का एकमात्र चश्मदीद गवाह था और अभियोजन पक्ष के मामले की पुष्टि के लिए न तो कोई सीसीटीवी फुटेज थी और न ही कोई अन्य चश्मदीद गवाह था।

अभियोजन पक्ष के अनुसार 27 अप्रैल 2018 को आस मोहम्मद जवाहर नगर मेट्रो स्टेशन गया था, जहां तीन लड़कों ने उसका मोबाइल फोन छीनने की कथित तौर पर कोशिश की। उसके विरोध करने पर उनमें से एक ने देसी पिस्तौल से उस पर कथित तौर पर गोली चला दी, जिससे उसका दाहिने हाथ घायल हो गया। अभियोजन पक्ष ने दावा किया कि पुलिस ने अगले दिन दीपक और शानू को पकड़ लिया और शिकायतकर्ता ने उनकी पहचान की। इसके बाद पुलिस ने शानू की निशानदेही पर एक देसी पिस्तौल बरामद की।

हालांकि, अदालत के समक्ष पेश होने पर शिकायतकर्ता ने इस बात से इनकार किया कि दोनों आरोपी हमलावर थे। उसने पहले उनकी पहचान किए जाने की बात से भी इनकार किया। अदालत ने कहा, ह्यह्यक्योंकि आरोपियों को अपराध से जोड़ने वाला एकमात्र गवाह अभियोजन पक्ष के मामले के समर्थन में नहीं आया, इसलिए आरोपियों की हमलावरों के रूप में पहचान साबित नहीं हो सकी। अदालत ने कहा कि चश्मदीद गवाह के अपने बयान से मुकर जाने, हथियार की संदिग्ध बरामदगी और फोरेंसिक साक्ष्य से कोई संबंध स्थापित नहीं होने के कारण अभियोजन पक्ष आरोपियों के खिलाफ अपना मामला उचित संदेह से परे साबित करने में विफल रहा।

नई दिल्ली में धारा 163 लागू, सार्वजनिक सभाओं, प्रदर्शनों और रैलियों पर सख्त प्रतिबंध

नई दिल्ली, 02 अक्टूबर (वेब वार्ता)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर शुक्रवार को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन का ऐलान किया है। आम आदमी पार्टी, लेफ्ट पार्टियों और यूथ कांग्रेस समेत कई संगठनों ने इस विरोध प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की है। इसके बाद दिल्ली पुलिस पूरी तरह से अलर्ट मोड पर है और एहतियात के तौर पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता धारा 163 लागू कर दी है।

जानकारी के मुताबिक, विरोध-प्रदर्शन को देखते हुए नई दिल्ली के वीवीआईपी इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। दिल्ली पुलिस के साथ-साथ अर्धसैनिक बलों के हजारों जवानों को तैनात किया गया है। इसके साथ ही यूपी और हरियाणा बॉर्डर पर भी चौकसी बढ़ा दी गई है ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोका जा सके। दिल्ली पुलिस ने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर जानकारी दी कि प्रशासन ने एहतियात के तौर पर नई दिल्ली जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 163 लागू कर दी है। दिल्ली पुलिस की ओर से जारी नोटिस में साफ कहा गया है कि जन-सुरक्षा, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और ट्रैफिक की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए यह निषेधाज्ञा लागू की गई है।

संक्षिप्त वार्ता

थाने के पास से फॉर्च्यूनर चोरी, 4 दिन बाद भी खाली हाथ पुलिस

नई दिल्ली, 02 अक्टूबर (वेब वार्ता)। पश्चिमी दिल्ली में राजौरी गार्डन थाने से कुछ सौ मीटर की दूरी पर चार दिन पहले चोरी हुई हाईटेक सुरक्षा उपकरण से लैस फॉर्च्यूनर का अभी तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। काली क्रेटा कार से पहुंचे चोर चंद मिनट में फॉर्च्यूनर चोरी कर फरार हो गए थे। पूरी वारदात आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई थी और इसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुआ था। पर घटना के चार दिन बाद भी पुलिस न तो चोरी की गई फार्च्यूनर बरामद हुई है और न चोरों के बारे में कोई सुराग जुटा पाई है।

बताया कि जिस स्थान पर वारदात हुई, वहां से राजौरी गार्डन थाना करीब 300 मीटर और पश्चिमी जिला स्पेशल स्टाफ का कार्यालय करीब 600 मीटर की दूरी पर है। इसके बावजूद चोरों ने बेखौफ होकर वारदात को अंजाम दिया।

1 करोड़ की रंगदारी मांगने वाले इंडिया-दुबई नेटवर्क का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली, 02 अक्टूबर (वेब वार्ता)। दिल्ली में उत्तरी जिला पुलिस की एसटीएफ ने गोल्डी बराड़ गैंग के नाम पर एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने वाले इंडिया-दुबई नेटवर्क का पदार्फाश करते हुए तीन मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने दिल्ली के दो कारोबारियों को एक ही यूएई नंबर से धमकी देकर 1-1 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी थी। पुलिस के अनुसार, वारदात को अंजाम देने के लिए शूटर भी किराये पर लिए गए थे। समय रहते कार्रवाई कर पुलिस ने फायरिंग की साजिश को नाकाम कर दिया। मामला 16 सितंबर की रात का है। रूप नगर निवासी कारोबारी प्रवीण जैन को रात करीब 8:15 बजे तीन मिस्ड कॉल आईं।

दिल्ली पुलिस कॉन्स्टेबल ने किया सुसाइड

नई दिल्ली, 02 अक्टूबर (वेब वार्ता)। गाजियाबाद के मोदीनगर स्थित भोजपुर थाना अंतर्गत आने वाले ईसापुर गांव में गुरुवार रात दिल्ली पुलिस के कॉन्स्टेबल ने अपने कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। वह दो दिन की छुट्टी लेकर घर आए हुए थे। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। ईसापुर गांव के रहने वाले 28 वर्षीय मोहित शर्मा दिल्ली पुलिस में तैनात थे।

दिल्ली पुलिस ने 48 घंटे में 256 नार्को क्रिमिनल्स को दबोचा

नई दिल्ली, 02 अक्टूबर (वेब वार्ता)। दिल्ली पुलिस ने नशीली दवाओं की तस्करी के नेटवर्क को ध्वस्त करने के उद्देश्य से 'ऑपरेशन कवच-15' के तहत शहर भर में बड़े पैमाने पर कार्रवाई की है। 24 सितंबर शाम 6 बजे से 26 सितंबर शाम 6 बजे तक 48 घंटे तक चलाए गए अभियान और उसके बाद 1 अक्टूबर तक के फॉलो-अप में सभी जिलों, क्राइम ब्रांच, एंटी-नार्कोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) और स्पेशल सेल की टीमें एक साथ सक्रिय रहीं। इस अभियान में कुल 1708 स्थानों पर छापे और चेकिंग अभियान चलाए गए। नतीजतन, 214 एनडीपीएस मामलों में 256 नार्को अपराधियों (जिनमें एक बाल अपराधी शामिल) को गिरफ्तार किया गया। साथ ही, 15 उद्घोषित अपराधी (पीओ) और सात वांटेड आरोपियों को भी पकड़ा गया। 140 हिस्ट्रीशीटरों की जांच की गई।

खुले में कूड़ा फेंकने पर लगे 10000 रुपये जुर्माना

नई दिल्ली, 02 अक्टूबर (वेब वार्ता)। दिल्ली में निगम सदन में शुक्रवार को ठोस कचरा प्रबंधन उप नियम-2026 को लेकर विशेष बैठक हुई। बैठक में मुख्य अभियंता अजय अग्रवाल ने उप नियमों के विभिन्न प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने ऐसे स्थानों पर बंद कैबिनेट या कूड़ा संग्रहण की व्यवस्था करने और खुले में कचरा डालने वालों पर जुमार्ना बढ़ाने का सुझाव दिया।

उन्होंने कहा कि 200 रुपये के बजाय 10 हजार रुपये तक जुमार्ना किया जाना चाहिए और फोटो के आधार पर भी कार्रवाई की जा सकती है।

संक्षिप्त वार्ता

बिधनू में स्कूल बस और डंपर की भीषण भिड़ंत

वेब वार्ता, कानपुर

घाटमपुर के हरबसपुर गांव के पास कानपुर-सागर हाईवे पर एक स्कूल बस और डम्फर में जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि उसमें सवार शिक्षिका ऐश्वर्या श्रीवास्तव की मौत हो गई। जबकि छात्र रौनक की आंख के पास चोटें आ गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक कानपुर के तरफ से बस आ रही थी, वही घाटमपुर की तरफ से डंफर आ रहा था। जैसे ही दोनों वाहन हरबसपुर गांव के पास कानपुर-सागर हाईवे पहुंचा तभी डंफर के सामने गाय आ गई। गाय को बचाने के लिए डंफर के चालक ने गाड़ी को जैसे ही काटा वैसे ही बस आ गई और दोनों में साइड भिड़ंत हो गई जिससे बस में बैठी विज्ञान की शिक्षिका ऐश्वर्या श्रीवास्तव गंभीर रूप से घायल हो गई और उनकी मौत हो गई। जबकि बस ने बैठे स्कूल बच्चे भी घायल हो गए। स्कूल बस से छात्र व शिक्षिकाये गांधी जयंती कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। ग्रामीणों ने डंपर चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले किया। बिधनू पुलिस ने डंपर कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। गम्भीर छात्रों को जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

प्राची सिंह ने गृह विज्ञान में पीएचडी की उपाधि प्राप्त कर जिले का नाम किया रोशन

वेब वार्ता, कमर खान

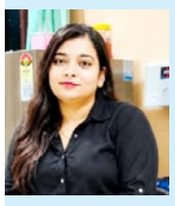

गैसड़ी / बलरामपुर। बिलोहा निवासी प्राची सिंह, पुत्री श्री विजय कुमार सिंह एवं श्रीमती रमा सिंह तथा पौत्री श्री राज बहादुर सिंह, ने नीलम यूनिवर्सिटी, कैथल, हरियाणा से गृह विज्ञान विषय में पीएचडी की उपाधि प्राप्त कर अपने परिवार एवं जिले का नाम गौरवान्वित किया है। प्राची सिंह का प्रारंभिक शिक्षा स्टार वर्डस पब्लिक स्कूल तुलसीपुर में हुआ है। इसके पश्चात उन्होंने स्नातक व परास्नातक शिक्षा के पश्चात गृह विज्ञान में पोषण शिक्षाः भारतीय पारंपरिक आहार का पुनरावलोकनह्व विषय पर शोध कार्य पूर्ण किया। अपने शोध के माध्यम से उन्होंने भारतीय पारंपरिक आहार के पोषण संबंधी महत्व तथा पोषण शिक्षा के क्षेत्र में उसकी उपयोगिता का अध्ययन किया। प्राची सिंह ने कहा कि भारतीय भोजन को अक्सर हम केवल अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़कर देखते हैं, जबकि इसके पीछे महत्वपूर्ण पोषण संबंधी आधार भी मौजूद है। भारतीय पारंपरिक भोजन में अनाज, दालें, फलियां, सब्जियां, फल, दूध एवं दुग्ध उत्पाद, मोटे अनाज, मसाले तथा विभिन्न स्थानीय खाद्य पदार्थों का समावेश होता है, जो शरीर की विभिन्न पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने में योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय पारंपरिक भोजन की एक विशेषता यह भी है कि इसमें अनेक स्थानीय, मौसमी और अपेक्षाकृत कम लागत वाले खाद्य पदार्थों को शामिल किया जा सकता है। इसलिए संतुलित एवं विविधतापूर्ण भारतीय भोजन न केवल हमें अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ता है, बल्कि उचित पोषण प्राप्त करने का सुलभ माध्यम भी बन सकता है।

गॉधी जी व शास्त्री जी के जीवन आदर्शों को आत्मसात करना ही सच्ची श्रद्धांजलि- जिलाधिकारी

वेब वार्ता, बहराइच। जनपद में गांधी जयन्ती के अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कलेक्ट्रेट में ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर सिटी माण्टेसरी स्कूल की छात्राओं द्वारा राष्ट्रगान प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात कलेक्ट्रेट परिसर में सेनानी परिसर पहुंचकर अपर जिलाधिकारी अरूण कुमार, मुख्य राजस्व अधिकारी सौरभ दुबे, सिटी मजिस्ट्रेट राजेश प्रसाद व अन्य अधिकारियों, के साथ त्रिमूर्ति पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किये। इसके उपरांत कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में डीएम ने अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ गॉधी जी व शास्त्री जी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किये।

गॉधी जयन्ती के अवसर पर कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने राष्ट्रपिता महात्मा गॉधी तथा पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री की जयन्ती की शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुए कहा कि गॉधी जी व शास्त्री जी के सत्य और अहिंसा पर आधारित विचार हमेशा प्रासंगिक रहेंगे। सादा जीवन, उच्च विचार, मितव्ययिता, नैतिकता, भाई-चारा तथा सर्वधर्म संभाव जैसे आदर्श जीवन मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा हमें महात्मा गॉधी जी से मिलती है।

डीएम श्री पाण्डेय ने सभी का आहवान किया कि किसी दूसरे की आलोचना किये बिना हम जहॉ पर भी हैं, अपने कर्तव्यों का निर्वहन भली प्रकार से करें यही देश के शहीदों को सच्ची श्रृद्वांजलि होगी। डीएम ने कहा कि हमें गॉधी व शास्त्री के आदर्शों का संकल्प लेकर पूरी जिम्मेदारी के साथ देश की उन्नति के लिए कार्य करना होगा। डीएम ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों का आहवान किया कि केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विकासपरक एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमन्द लोगों तक पहुंचाएं तथा आमजन की समस्याओं का समयबद्धता के साथ गुणवत्तापरक निस्तारण भी किया जाय।

कार्यक्रम के दौरान शायर अल्लन बहराईची, नजर बहराइची व कवि लक्ष्मीकान्त त्रिपाठी मृदुल द्वारा काव्यपाठ प्रस्तुत किया गया। जबकि डा. वेद मित्र शुक्ल ने बॉसुरी वादन कर गांधी जी के प्रिय भजन रघुपति राघव राजा राम, पतित पावन सीता राम को प्रस्तुत किया। डीएम द्वारा राष्ट्रगान प्रस्तुत करने वाली माण्टेसरी स्कूल की छात्राओं को मिठाई व वाटर बोतल देकर सम्मानित किया गया।

गॉधी जयन्ती के अवसर पर कलेक्ट्रेट सभागार में संग्राम सेनानी आश्रितगणों श्रीमती कबूतरी देवी, श्रीमती चन्द्रकान्ती, मो0 तारिक बेग, राजू मिश्रा, आशाराम उपाध्याय, रमेश कुमार मिश्र, अरविन्द तिवारी व अनिल कुमार त्रिपाठी को मल्यार्पण कर अंगवस्त्र भेंट किया गया। जबकि कवियों एवं शायरों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन कलेक्ट्रेट कर्मी संदीप मिश्र ने किया। इस अवसर पर कलेक्ट्रेट व कलेक्ट्रेट परिसर स्थित विभिन्न कार्यालयों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

जीवन-दर्शन पर प्रकाश डाला

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए अपर जिलाधिकारी अरूण कुमार, मुख्य राजस्व अधिकारी सौरभ दुबे, नगर मजिस्ट्रेट राजेश प्रसाद, डिप्टी कलेक्टर अमिता यादव, अतिरिक्त मजिस्ट्रेट, उप जिलाधिकारी न्यायिक श्रीमती नीतू रानी सहित अन्य वक्ताओं ने गांधी जी व शास्त्री जी के जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला। वक्तागण ने कहा कि हमें अपनी जिम्मेदारियों को पूरी ईमानदारी के साथ निभाने की प्रेरणा गांधी जी व शास्त्री जी के जीवन से मिलती है। वक्ताओं ने कहा कि 02 अक्टूबर ऐसी तिथि है जिस दिन देश ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण विश्व की दो महान विभूतियों महात्मा गांधी जी व लाल बहादुर शास्त्री जी का जन्मदिवस मनाया जाता है।

व्यक्ति नहीं एक विचारधारा का नाम है महात्मा गांधीः जिला जज

वेब वार्ता, मुरादाबाद। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं देश के द्वितीय प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के कार्यक्रम का आयोजन दि बार एसोसिएशन एण्ड लाइब्रेरी मुरादाबाद के सभागार में किया गया` कार्यक्रम की अध्यक्षता बार एसोसिएशन के अध्यक्ष आनंद मोहन गुप्ता एडवोकेट ने की एवं संचालन महासचिव कपिल कुमार गुप्ता ने किया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद न्यायाधीश सैय्यद माऊज बिन आसिम एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में जनपद न्यायाधीश (लारा कोर्ट) जैगमउद्दीन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ आमंत्रित अतिथियों द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और देश के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि के साथ हुआ` कार्यक्रम में बोलते हुए वक्ताओं ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जीवन पर प्रकाश डाला और उनके जीवन को आत्मसात करने पर जोर दिया। विशिष्ट अतिथि के रूप में बोलते हुए जनपद न्यायाधीश लारा कोर्ट जैगमउद्दीन ने कहा कि हम इन दोनों महापुरुषों को इसीलिए याद रखते हैं कि उनकी कथनी और करनी सदैव एक जैसी थी वह जो कहते थे वही करते थे और हमें उनकी इसी बात का अनुसरण करना चाहिए।

ईमानदारी के साथ किया

मुख्य अतिथि जनपद न्यायाधीश सैय्यद माऊज बिन आसिम ने कहा कि यह दिन अपने आप में विशिष्ट है और विशिष्ट उनके व्यक्तित्व की वजह से है क्योंकि 2 अक्टूबर के दिन तो अनेकों लोगों ने जन्म लिया होगा लेकिन हम उनमें से किसी की जयंती नहीं मना रहे हैं हम सिर्फ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती मना रहे हैं क्योंकि उन्होंने जो भी काम किया उसे पूरी कर्तव्यपरायणता और ईमानदारी के साथ किया।

...बहुत कुछ दिया

हम सभी का यह नैतिक कर्तव्य है कि हम जो भी काम करें उसे पूरी कर्तव्यपरायणता और ईमानदारी के साथ करें। बार के अध्यक्ष आनन्द मोहन गुप्ता ने कहा कि आज का दिन बहुत ही पुनीत और पावन है आज के दिन हमारे देश को दो ऐसे सपूतों की जयंती है जिन्होंने इस देश को अपनी सादगी और अपनी दृढ़ इच्छा शक्ति से बहुत कुछ दिया।

कुशीनगर में 102 एम्बुलेंस सेवा की तत्परता से हुआ सुरक्षित प्रसव

वेब वार्ता, कुशीनगर। कुशीनगर जनपद के कप्तानगंज ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पाकड़ी निवासी 26 वर्षीय शारदा देवी को प्रसव पीड़ा होने पर परिजनों द्वारा 102 एम्बुलेंस सेवा के लिए कॉल किया गया। सूचना मिलते ही 102 एम्बुलेंस तत्काल मौके पर पहुंची और मरीज को आवश्यक प्री-हॉस्पिटल केयर प्रदान करते हुए ढलउ बोदरवार, कप्तानगंज ब्लॉक ले जाने के लिए रवाना हुई।

मरीज पूर्ण अवधि की गर्भवती थीं। जांच के दौरान उनका Hb 8.5 g/छि तथा BP कम पाया गया। एम्बुलेंस द्वारा मरीज को अस्पताल ले जाया जा रहा था। रास्ते में EMT अश्वनी त्रिपाठी ने मरीज की स्थिति को लगातार मॉनिटर किया। कुछ समय बाद EMT ने देखा कि मरीज का प्रसव किसी भी समय हो सकता है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए EMT ने तत्काल आवश्यक तैयारी शुरू की और एम्बुलेंस को सुरक्षित स्थान पर खड़ा कराया, ताकि प्रसव बिना किसी जोखिम के कराया जा सके।

प्रसव के दौरान एक चुनौतीपूर्ण स्थिति सामने आई। नवजात शिशु की Umbilical Cord गले के आसपास लिपटी हुई थी। एटळ ने अपनी सूझबूझ और सावधानी का परिचय देते हुए Umbilical Cord को सुरक्षित रूप से हटाया और इसके बाद एम्बुलेंस में ही सुरक्षित प्रसव कराया गया।

सफल प्रसव के बाद नवजात सक्रिय अवस्था में पाया गया तथा उसका APGAR Score 9/10 रहा। मां और नवजात दोनों को आवश्यक प्री-हॉस्पिटल केयर प्रदान की गई और सुरक्षित रूप से PHC बोदरवार, कप्तानगंज ब्लॉक पहुंचाया गया।

इस पूरे केस में EMT अश्वनी त्रिपाठी ने अपनी तत्परता, सूझबूझ और जिम्मेदारी का परिचय दिया, वहीं पायलट अमित द्विवेदी ने एम्बुलेंस को सुरक्षित स्थान पर रोकने एवं मरीज को समय पर अस्पताल पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह केस 102 एम्बुलेंस सेवा की त्वरित प्रतिक्रिया और प्रभावी प्री-हॉस्पिटल केयर का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। 102 एम्बुलेंस सेवा ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में गर्भवती महिलाओं को समय पर अस्पताल पहुंचाने के साथ-साथ आपातकालीन परिस्थितियों में आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस मामले में समय पर एम्बुलेंस की उपलब्धता, एटळ की सतर्कता, सही समय पर लिया गया निर्णय और सुरक्षित प्री-हॉस्पिटल केयर मां एवं नवजात दोनों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हुआ।

...निरंतर मदद मिल रही है

वहीं 108 एम्बुलेंस सेवा भी गंभीर एवं आकस्मिक चिकित्सा परिस्थितियों में मरीजों को तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने और उन्हें उचित स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। 102 एवं 108 एम्बुलेंस सेवाओं की तत्परता और समर्पित टीम के प्रयासों से आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों को समय पर आवश्यक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में निरंतर मदद मिल रही है।

गांधी-शास्त्री जयंती पर हरदोई पुलिस ने लिया स्वच्छता और सत्यनिष्ठा का संकल्प

वेब वार्ता, लक्ष्मीकान्त पाठक

हरदोई। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर हरदोई पुलिस ने दोनों महान विभूतियों को श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने स्वच्छता, सत्यनिष्ठा तथा राष्ट्र की स्वतंत्रता और अखण्डता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

पुलिस लाइन स्थित क्वार्टर गार्द में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद उन्होंने उपस्थित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता, सत्यनिष्ठा तथा राष्ट्र की स्वतंत्रता एवं अखण्डता की शपथ दिलाई।

पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्रीय मूल्यों और कर्तव्य के प्रति सजग रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस सेवा में सत्यनिष्ठा, अनुशासन और जनसेवा की भावना का विशेष महत्व है।

इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी सुबोध गौतम ने पुलिस कार्यालय में महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। पुलिस कार्यालय में मौजूद अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी दोनों महापुरुषों के आदर्शों को स्मरण किया।

अपर पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता, सत्यनिष्ठा तथा राष्ट्र की स्वतंत्रता और अखण्डता बनाए रखने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम के माध्यम से पुलिस कर्मियों ने अपने दायित्वों का ईमानदारी, निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करने का संकल्प लिया।

गांधी जयंती के अवसर पर स्वच्छता और सत्यनिष्ठा का संदेश महात्मा गांधी के आदर्शों की याद दिलाता है, वहीं लाल बहादुर शास्त्री की सादगी, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा सार्वजनिक जीवन में नैतिक मूल्यों की प्रेरणा देती है। हरदोई पुलिस के दोनों कार्यक्रमों में इन्हीं मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता का संदेश प्रमुखता से सामने आया।

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने वितरित किए सहायक उपकरण, लाभार्थियों को दिए प्रशस्ति पत्र

वेब वार्ता, देवरिया। देवरिया जिले में सेवा संकल्प अभियान के तहत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर विकास भवन परिसर में दिव्यांगजनों के सहयोग एवं सशक्तीकरण के लिए सहायक उपकरण एवं प्रशस्ति पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि माननीय कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही ने दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के दौरान 11 दिव्यांगजनों को मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल, चार को ट्राईसाइकिल तथा छह दिव्यांगजनों को कान की मशीन प्रदान की गई।

मुरादाबाद मंडल में धूमधाम से मनाई गई गांधी व शास्त्री जयंती

वेब वार्ता/मुरादाबाद। उत्तर रेलवे के मुरादाबाद रेल मंडल मुख्यालय समेत विभिन्न स्टेशनों, कॉलोनियों और स्वास्थ्य केंद्रों पर शुक्रवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर 'स्वच्छता पखवाड़ा अभियान-2026' के तहत कई जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। मंडल रेल प्रबंधक श्रीमती विनीता श्रीवास्तव के नेतृत्व में मुरादाबाद रेलवे स्टेशन पर महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान डीआरएम ने रेलवे परिसरों को स्वच्छ बनाए रखने, 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण करने और स्वच्छता को दैनिक व्यवहार में शामिल करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में अधिकारियों व यात्रियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई, भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के कैडेटों के साथ प्रभात फेरी निकाली गई तथा रेलवे सुरक्षा बल द्वारा 'स्वच्छ रथ' रैली का आयोजन हुआ।

मुरादाबाद मंडल के नजीबाबाद, शाहजहांपुर, हरदोई, बरेली, चंदौसी, हापुड़, गजरौला, लक्सर, रुड़की, हरिद्वार और योग नगरी ऋषिकेश जैसे प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर भी अधिकारियों, कर्मचारियों व सफाई मित्रों की उपस्थिति में स्वच्छता शपथ, पौधारोपण और प्रभात फेरियों का आयोजन किया गया। देहरादून स्टेशन पर स्वामी नित्यानंद महाराज के तत्वावधान में तुलास इंस्टीट्यूट के विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर श्रमदान किया, वहीं बालामऊ व रोजा स्वास्थ्य केंद्रों तथा मुरादाबाद रेलवे अस्पताल में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राजवीर सिंह की अगुवाई में पौधे लगाए गए। इसके अतिरिक्त, उत्तर रेलवे भारत स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा सर्वधर्म प्रार्थना सभा आयोजित कर यात्रियों व आमजन को स्वच्छ भारत अभियान से जुड़ने और रोपे गए पौधों के संरक्षण व संवर्धन का संकल्प दिलाया गया।

ब्रेकर निर्माण को लेकर हुए विवाद में गंभीर रूप से घायल 50 वर्षीय रामेश्वर तिवारी की इलाज के दौरान हुई मौत

वेब वार्ता, देवरिया। देवरिया जिले के लार थाना क्षेत्र के भीकम छपरा गांव में सड़क पर ब्रेकर निर्माण को लेकर हुए विवाद में गंभीर रूप से घायल 50 वर्षीय रामेश्वर तिवारी की मेडिकल कॉलेज देवरिया में इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद, पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमों का गठन किया है। यह सूचना पुलिस ने दी।

बापू के विचारों पर चलकर ही देश पहुँचेगा उन्नति के शिखर परः एआरटीओ

वेब वार्ता, कानपुर। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (आरटीओ) कार्यालय, कानपुर में शुक्रवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 157वीं जयंती अत्यंत श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर कार्यालय प्रांगण में एक सादे एवं गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान एआरटीओ (प्रशासन) कहकशा खातून एवं पीटीओ दीपक सिंह ने महात्मा गांधी जी के चित्र पर श्रद्धापूर्वक माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इसके पश्चात कार्यालय में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बीच मिष्ठान वितरण कर बापू के आदर्शों को याद किया गया। उपस्थित कर्मचारियों व अधिकारियों को संबोधित करते हुए एआरटीओ (प्रशासन) कहकशा खातून ने कहा, ₹महात्मा गांधी जी न केवल हमारे राष्ट्रपिता हैं, बल्कि उन्होंने भारत की एकता, अखंडता और स्वाधीनता के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। बापू के सत्य, अहिंसा और कर्तव्यनिष्ठा के दिखाए मार्ग पर चलकर ही हम समाज और देश को उन्नति के नए शिखर पर ले जा सकते हैं। इस अवसर पर परिवहन विभाग के विभिन्न पटल के अधिकारी व समस्त कार्यालय स्टाफ मौजूद रहा। सभी कर्मचारियों ने बापू के बताए सत्य व अहिंसा के मार्ग पर चलने तथा अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का संकल्प लिया।

शाहाबाद में चांदी लूट कांड का खुलासाः मुठभेड़ में दो लुटेरों के पैर में लगी गोली' ड्राइवर ही निकला मास्टरमाइंड

वेब वार्ता, लक्ष्मीकान्त पाठक

हरदोई। शाहाबाद में चांदी व्यापारी से हुई लूट की वारदात का खुलासा करते हुए पुलिस ने मुठभेड़ के बाद चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इस दुस्साहसिक वारदात का मुख्य सूत्रधार व्यापारी का ही 'नमकहराम' चालक करन निकला, जिसने अपने साथियों को चांदी की खेप की पूरी जानकारी दी थी। चेकिंग के दौरान शाहाबाद बाईपास पर पुलिस टीम से घिरने पर बदमाशों ने जानलेवा फायरिंग कर दी, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई में दो शातिर लुटेरे सुशील और विमल पैर में गोली लगने से लहुलूहान होकर गिर पड़े। पुलिस ने घेराबंदी कर मास्टरमाइंड ड्राइवर करन और उसके साथी अमन को दबोच लिया, जबकि दो अन्य बदमाश अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से भागने में कामयाब रहे। पूछताछ में सामने आया कि 27 सितंबर को शाहजहांपुर से लखनऊ लौट रहे व्यापारी की लोकेशन चालक करन ही इंटरनेट कॉलिंग के जरिए लुटेरों को दे रहा था। शातिरों ने वारदात के लिए हाईवे का ऐसा हिस्सा चुना जहां सीसीटीवी कैमरे नहीं थे और व्यापारी को चालक पर शक न हो, इसलिए साथियों ने करन की भी पिटाई कर उसकी आंखों में मिर्च झोंक दी थी। व्यापारी ने रास्ते में ही 12.5 किलो चांदी अपने परिचित को सौंप दी थी, जिससे लुटेरों के हाथ सिर्फ 5 किलो का बैग लगा। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 2.25 किलो लूटी गई चांदी, घटना में प्रयुक्त बिना नंबर की स्विफ्ट डिजायर कार, दो .315 बोर के तमंचे, 4 जिंदा कारतूस और 2 खोखे बरामद किए हैं। पकड़े गए बदमाशों का पुराना आपराधिक इतिहास भी रहा है और फिलहाल घायल बदमाशों का इलाज कराने के साथ फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

मालिक की आंखों में मिर्च झोंककर 5 किलो चांदी उड़ाई

ईओ अमित सिंह की तैनाती पर उठे सवाल

मैरिज हाउसों पर शिकंजे की मांग, सीएम तक पहुंचा मामला

वेब वार्ता, कुशीनगर। कुशीनगर जिले के नगर पंचायत फाजिलनगर के अधिशासी अधिकारी अमित सिंह की तैनाती से लेकर क्षेत्र में संचालित मैरिज हाउसों तक का मामला अब शासन के दरवाजे पर पहुंच गया है। शिकायतकर्ता शेषनाथ जायसवाल ने मुख्यमंत्री को शपथ पत्र भेजकर ईओ की तैनाती की अवधि और मैरिज हाउसों के संचालन से जुड़े मामलों की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। शिकायत सामने आने के बाद नगर विकास विभाग में भी मामला चर्चा का विषय बन गया है।

शिकायत में उत्तर प्रदेश शासन की वार्षिक स्थानांतरण नीति का हवाला देते हुए सवाल उठाया गया है कि निर्धारित अवधि से अधिक समय तक एक ही जिले में तैनाती की स्थिति में स्थानांतरण नीति के प्रावधानों का अनुपालन हुआ या नहीं। शिकायतकर्ता का दावा है कि ईओ अमित सिंह मई 2023 से कुशीनगर जिले में तैनात हैं। ऐसे में उनकी वर्तमान तथा पूर्व तैनाती से जुड़े अभिलेखों की जांच कर यह स्पष्ट करने की मांग की गई है कि शासन की स्थानांतरण नीति लागू होती है या नहीं।

शिकायत का दूसरा पहलू फाजिलनगर क्षेत्र में संचालित कुछ मैरिज हाउस हैं। शपथ पत्र में आरोप लगाया गया है कि कुछ प्रतिष्ठान आवश्यक मानकों और अनापत्ति प्रमाण पत्रों के बिना संचालित हो रहे हैं। शिकायतकर्ता ने यह भी मांग की है कि ऐसे प्रतिष्ठानों के संचालन में नगर पंचायत और संबंधित विभागीय अधिकारियों की भूमिका की जांच की जाए।

बेशक! जांच के दौरान ईओ की तैनाती अवधि, स्थानांतरण नीति के अनुपालन, मैरिज हाउसों के स्वीकृत मानकों और संबंधित अनापत्ति प्रमाण पत्रों के अभिलेख अहम होंगे।

इस साल सामान्य से 13 फीसदी कम हुई बारिश, अल नीनो के कारण बनी स्थिति

जून से सितंबर के बीच एलपीए की 87.4 फीसदी बारिश हुई, विभाग ने जारी किए आंकड़े

नई दिल्ली। भारत में जून से सितंबर के बीच इस साल दीर्घावधि औसत (एलपीए) की 87.4 फीसदी बारिश हुई, जो 2001 के बाद मानसून के मौसम में चौथी सबसे कम है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने अपने मासिक पूवार्नुमान में कहा कि इस मानसून में बारिश की कमी का एक प्रमुख कारण उष्णकटिबंधीय प्रशांत क्षेत्र में जून में उभरी अल नीनो की स्थिति थी, जो उसके बाद से मजबूत होती गई। आईएमडी ने कहा कि फिलहाल अल नीनो की स्थिति मजबूत है और इसके मार्च 2027 तक बने रहने की संभावना है। देश में 759.4 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जबकि सामान्य बारिश 868.6 मिलीमीटर होती है। यह सामान्य से 13 फीसदी कम है। आईएमडी ने 29 मई को जारी मानसून के पूवार्नुमान में कहा था कि बारिश एलपीए की 90 फीसदी रह सकती है, जिसमें चार फीसदी की मॉडल त्रुटि थी। इससे पहले 13 अप्रैल को विभाग ने मानसून में एलपीए की 92 फीसदी बारिश होने का अनुमान जताया था। अल नीनो, अल नीनो-दक्षिणी दोलन नामक जलवायु घटना के तीन चरणों में से एक है।

रिपोर्ट के मुताबिक इसका पृथ्वी पर गर्म प्रभाव पड़ता है और इसे भारत में कम मानसूनी बारिश से जोड़ा जाता है। इसके विपरीत चरण ला-नीना का आमतौर पर ठंडा प्रभाव पड़ता है। ईएनएसओ की एक तटस्थ स्थिति भी होती है। मौसम विभाग के मुताबिक इस साल बारिश की कमी जून में सबसे ज्यादा 35.4 फीसदी रही। इसके बाद अगस्त में 16.3 फीसदी और सितंबर में 7.6 फीसदी की कमी दर्ज की गई। जुलाई ही एकमात्र ऐसा महीना रहा, जब सामान्य से ज्यादा बारिश हुई और इस दौरान एक फीसदी ज्यादा बारिश दर्ज की गई।

आईएमडी के महानिदेशक ने कहा कि यदि कम दबाव की प्रणालियों के कारण अतिरिक्त बारिश नहीं हुई होती तो देश में बारिश की कमी और ज्यादा हो सकती थी। उन्होंने कहा कि इस मौसम में 14 कम दबाव की प्रणालियां बनीं और कुल 77 दिन कम दबाव की प्रणालियां सक्रिय रहीं, जबकि सामान्य तौर पर यह अवधि 57 दिन होती है। मानसून की वापसी के बारे में उन्होंने कहा कि अब तक पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और पूरी दिल्ली से मानसून की वापसी हो चुकी है।

अंडों का निषेचन और बीज भी तैयार करता है यह छोटा पौधा

ब्राजीलिया। रिंकोस्पोरा टेन्युइस नाम का ब्राजील में पाया जाने वाला एक पौधा सेक्सुअल रिप्रोडक्शन के जरिए परागकण बनाता है, अंडों का निषेचन करता है और बीज भी तैयार करता है। इसके बावजूद इसकी अगली पीढ़ी में सामान्य तरीके से माता और पिता के डीएनए का मिश्रण नहीं होता। यह छोटा पौधा वैज्ञानिकों के लिए अध्ययन का विषय बन गया है। शोधकताओं के मुताबिक, इससे पैदा होने वाली संतान आनुवंशिक रूप से अपनी मां की लगभग हूबहू कॉपी यानी प्राकृतिक क्लोन होती है। मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट फॉर प्लांट ब्रीडिंग रिसर्च के नेतृत्व में हुए अध्ययन में पौधे की इस असामान्य प्रजनन प्रक्रिया का विस्तृत अध्ययन किया गया है। आमतौर पर सेक्सुअल रिप्रोडक्शन में मियोसिस नामक कोशिका विभाजन की प्रक्रिया होती है। इस दौरान क्रोमोसोम एक-दूसरे के साथ डीएनए के हिस्सों का आदान-प्रदान करते हैं। इसे जेनेटिक क्रॉसओवर कहा जाता है।

यही प्रक्रिया संतानों में आनुवंशिक विविधता पैदा करने का प्रमुख आधार है। लेकिन रिंकोस्पोरा टेन्युइस में वैज्ञानिकों को नर और मादा दोनों प्रजनन प्रक्रियाओं के दौरान क्रॉसओवर का कोई प्रमाण नहीं मिला। शोधकताओं की अंतरराष्ट्रीय टीम ने ब्राजील से इस पौधे के नौ नमूने एकत्र किए। इसके बाद उनकी विस्तृत जीनोम असेंबली तैयार की गई। अध्ययन में क्रोमोसोम इमेजिंग, सिंगल पोलन न्यूक्लिआई सीक्वेंसिंग और नियंत्रित क्रॉसिंग प्रयोगों का इस्तेमाल किया गया। वैज्ञानिकों ने 10 हजार से अधिक परागकणों के केंद्रकों की जांच की, लेकिन किसी भी क्रोमोसोम के बीच डीएनए के आदान-प्रदान का प्रमाण नहीं मिला। मादा प्रजनन प्रक्रिया में भी क्रोमोसोम के बीच ऐसा बदलाव नहीं पाया गया। इस पौधे के क्रोमोसोम भी असामान्य संरचना वाले हैं।

इसमें होलोसेंट्रिक क्रोमोसोम पाए जाते हैं, जिनमें सेंट्रोमियर की गतिविधि किसी एक स्थान तक सीमित न होकर पूरे क्रोमोसोम में फैली रहती है। शोधकताओं के अनुसार, इसकी अनोखी जीनोम संरचना प्रजनन की इस विशेष प्रक्रिया से जुड़ी हो सकती है। अध्ययन में यह भी पाया गया कि पौधे के करीब 87 प्रतिशत बीज परिपक्व होने से पहले ही नष्ट हो जाते हैं।

मेरी बेटियों ने जीवन में स्वीकार्यता और प्रेम के महत्व को समझाया, वह मेरी शिक्षक

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड अभिनेत्री डेमी मूर ने अपनी बेटियों रूमर, स्काउट और तालुलाह विलिस को अपनी जिंदगी का सबसे बड़ा शिक्षक बताया है। मूर ने कहा कि उनकी बेटियों ने उन्हें खुद को बेहतर तरीके से समझने के साथ-साथ जीवन में स्वीकार्यता और प्रेम के महत्व को भी समझाया। 63 साल की डेमी मूर ने हाल ही में बेटियों के साथ अपने रिश्ते और उनसे मिली सीख के बारे में बात की।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक लॉस एंजिल्स में आयोजित स्टेप अप के 2026 एनुअल इंस्पिरेशन अवॉर्ड्स में एक पैनल चर्चा में डेमी मूर ने कहा कि उनकी बेटियों ने उन्हें शुरूआत से ही स्वीकार्यता का महत्व सिखाया। बच्चों की ओर से मिला सबसे बड़ा तोहफा प्रेम की मजबूत नींव है। उन्होंने कहा कि अपने बच्चों को उन्हें उसी रूप में स्वीकार करते देखना उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण अनुभव रहा।

डेमी ने अपने बचपन का जिक्र करते हुए बताया कि उनका शुरूआती जीवन बहुत स्थिर नहीं रहा। अपनी संस्मरण पुस्तक ह्यइनसाइड आउटह्ल में पहले बता चुकी हैं कि उनके माता-पिता शराब की लत से जूझते थे। परिवार आर्थिक परेशानियों से भी गुजर रहा था और कर्ज वसूलने वालों से बचने के लिए उन्हें अक्सर देश के अलग-अलग हिस्सों में जाना पड़ता था। अभिनेत्री मूर ने अपनी बेटियों को अपनी जिंदगी की सबसे बड़ी शिक्षक और सबसे बड़ी चुनौतियां बताया। उन्होंने इस बात को मजाकिया अंदाज में कहा कि इस बारे में असल में उनकी बेटी से ही पूछा जाना चाहिए। उस समय उनकी बेटी तालुलाह भी कार्यक्रम में मौजूद थीं।

बता दें मूर और अभिनेता ब्रूस विलिस हॉलीवुड की चर्चित जोड़ियों में रहे हैं। दोनों ने 1987 में शादी की थी और 2000 में उनका तलाक हो गया था। दोनों की तीन बेटियां रूमर, स्काउट और तालुलाह हैं। तलाक के बाद भी डेमी और ब्रूस के बीच संबंध बने रहे और दोनों ने अपनी बेटियों की परवरिश में साथ दिया। ब्रूस विलिस ने बाद में एमा हेमिंग विलिस से शादी की, जिनसे उनकी दो बेटियां हैं। मूर भी परिवार के इस विस्तृत दायरे का हिस्सा बनी रहीं। उनके लिए बेटियों के साथ यह रिश्ता केवल पारिवारिक जुड़ाव नहीं, बल्कि जीवन से लगातार सीखने का जरिया रहा है।

मां दुर्गा का विराट रूप, तैयार हो रही 72 फीट से अधिक ऊंची इको-फ्रेंडली प्रतिमा

हैदराबाद। हैदराबाद शहर में इस बार शारदीय नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा की भव्य प्रतिमा आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनने वाली है। चदरघाट स्थित विक्टोरिया प्लेग्राउंड में 72 फीट से अधिक ऊंची इको-फ्रेंडली दुर्गा प्रतिमा तैयार हो रही है।

आयोजकों के अनुसार, मिट्टी और प्राकृतिक घास से बनाई जा रही यह प्रतिमा देश की सबसे ऊंची पर्यावरण अनुकूल मां दुर्गा प्रतिमाओं में शामिल होगी। निर्माण कार्य अंतिम चरण में पहुंच चुका है और नवरात्रि से पहले पूरा करने के लिए कारीगर दिन-रात जुटे हैं।

प्रतिमा की खासियत यह है कि इसके निर्माण में प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी), थमाकोल और जहरीले रासायनिक रंगों का इस्तेमाल नहीं हो रहा है। प्रतिमा के ढांचे को मजबूत बनाने के लिए बांस और लकड़ी का इस्तेमाल किया गया है। इसके ऊपर प्राकृतिक घास और चिकनी मिट्टी की कई परतें चढ़ाई जा रही हैं। प्रतिमा के सूखने के बाद इसके स्वरूप को सजाने के लिए पानी में घुलने वाले प्राकृतिक रंगों का इस्तेमाल किया जाएगा। आयोजकों का कहना है कि इसका उद्देश्य विसर्जन के दौरान जल स्रोतों पर पड़ने वाले पर्यावरणीय प्रभाव को कम करना है।

प्रतिमा के निर्माण में पश्चिम बंगाल के कोलकाता के साथ लोकल स्तर के अनुभवी मूर्तिकार भी जुटे हुए हैं। बीते वर्षों में भी इसी स्थान पर 65 से 72 फीट तक ऊंची दुर्गा प्रतिमाएं स्थापित हो चुकी हैं। इन प्रतिमाओं ने भी लोगों का ध्यान आकर्षित किया था। इस बार आयोजकों ने पहले से अधिक ऊंची प्रतिमा तैयार करने की योजना बनाई है। नवरात्रि नजदीक आने के साथ विक्टोरिया प्लेग्राउंड में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। श्रद्धालुओं को मौसम की परेशानी से बचाने के लिए बड़े वॉटरप्रूफ पंडाल का निर्माण किया जा रहा है। दर्शन के लिए आने वाली भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बैरिकेडिंग और अन्य सुरक्षा व्यवस्थाएं भी की जा रही हैं। आयोजक पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। आयोजकों को उम्मीद है कि भव्य प्रतिमा देखने और दर्शन करने के लिए हैदराबाद के अलावा तेलंगाना और आसपास के राज्यों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचेंगे। उनके मुताबिक, धार्मिक आस्था के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने वाली यह पहल शहर के नवरात्रि उत्सव को नया आकर्षण देगी।

ईरान कर रहा युद्ध की 'महातैयारी', रिपोर्ट में हुआ बड़ा खुलासा, शांति वार्ता पर लटकी तलवार

तेहरान। अमेरिका और ईरान के बीच अभी हालात सामान्य होते नहीं दिख रहे हैं. एक तरफ दोनों देश शांति वार्ता पर आगे बढ़ते हैं तो दूसरी तरफ दोनों देश एक दूसरे को धमकी देने से बाज नहीं आते हैं. एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि शांति वार्ता के साथ ही ईरान नए हमलों की तैयारी कर रहा है. कूटनीतिक प्रयासों के सफल होने की उम्मीद कम होने के बीच ईरान ने अमेरिका के किसी नए हमले की स्थिति में पहले से ज्यादा कड़ा जवाब देने की तैयारी शुरू कर दी है.

रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, अगर अमेरिका बड़े पैमाने पर फिर से सैन्य कार्रवाई शुरू करता है तो ईरान इस बार और व्यापक जवाबी हमला करने की तैयारी में है. हालांकि, ईरान की ओर से तनाव कम करने के लिए बातचीत की कोशिश जारी है, लेकिन उसके अधिकारी निजी तौर पर इन कूटनीतिक प्रयासों के सफल होने को लेकर ज्यादा आशावादी नहीं हैं. ईरानी नेतृत्व का मानना है कि अगर अमेरिका दोबारा सैन्य अभियान शुरू करता है तो उसे पहले से ज्यादा कड़ा जवाब दिया जाना चाहिए. इसी वजह से ईरान अपनी जवाबी कार्रवाई का दायरा बढ़ाने की योजना पर काम कर रहा है.

ठिकानों की सूची देख रहा ईरान

तीन वरिष्ठ ईरानी अधिकारियों और मामले से जुड़े एक सूत्र के मुताबिक, ईरान के वरिष्ठ सैन्य कमांडर संभावित ठिकानों की सूची की समीक्षा कर रहे हैं. इनमें उन देशों में मौजूद ठिकाने भी शामिल हो सकते हैं जो अमेरिकी सैन्य अभियानों का समर्थन करते हैं. इसके अलावा, मध्य पूर्व से बाहर मौजूद कुछ ठिकानों को भी संभावित लक्ष्य के तौर पर देखा जा रहा है. राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन के पिछले सप्ताह न्यूयॉर्क से लौटने के बाद से ईरान के वरिष्ठ अधिकारी और सैन्य कमांडर इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि अगर अमेरिका फिर से हमला करता है तो ईरान कब और कितने बड़े स्तर पर जवाब देगा.

भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों को नई गति, अंतरिम डील की बढ़ी उम्मीदें

नई दिल्ली। भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को नई दिशा देने के प्रयासों के तहत, केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल इस समय अमेरिका के महत्वपूर्ण दौरे पर हैं। वह विस्कॉन्सिन में आयोजित जी20 व्यापार मंत्रियों की बैठक में हिस्सा ले रहे हैं, उन्हें अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर ने विशेष रूप से आमंत्रित किया था। दौरे का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच एक संतुलित और लाभकारी द्विपक्षीय व्यापार समझौते का मार्ग प्रशस्त करना है। इस दौरे के शुरूआती चरण में पीयूष गोयल मिलवाउकी पहुंचे, जहां उन्होंने नेशनल एसोसिएशन ऑफ मैन्युफैक्चरर्स द्वारा आयोजित एक गोलमेज बैठक में अमेरिका की शीर्ष मैन्युफैक्चरिंग और टेक्नोलॉजी कंपनियों के सीईओ और अधिकारियों से मुलाकात की। उन्होंने अमेरिकी निवेशकों को भारत के बढ़ते बाजार और वहां निवेश के बेहतरीन अवसरों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

दिलचस्प बात यह है कि पीयूष गोयल के अमेरिका में रहते हुए ही, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर अहम बातचीत की। पीएम मोदी ने एक्स पर इस बातचीत की जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने ट्रंप के साथ व्यापार, रक्षा, ऊर्जा, अहम टेक्नोलॉजी और अन्य क्षेत्रों में आपसी सहयोग की समीक्षा की। दोनों नेताओं ने अपनी व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए करीबी संपर्क बनाए रखने पर सहमति व्यक्त की, साथ ही क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। कूटनीतिक हलकों में यह बातचीत काफी मायने रखती है, खासकर इसलिए क्योंकि जेमिसन ग्रीर को भारत-अमेरिका व्यापार डील की असली चाबी माना जाता है। अगर इस मुद्दे पर ग्रीर का रुख सकारात्मक रहता है, तो भारत की टैरिफ से जुड़ी कई दिक्कतें एक झटके में हल हो सकती हैं। भारत की तरफ से अंतरिम ट्रेड डील पर जोर दिया जा रहा है, ताकि एक बड़े और स्थायी व्यापार समझौते से पहले कुछ जरूरी व्यापारिक मुद्दों पर सहमति बन सके और भारतीय निर्यातकों को तत्काल राहत मिल सके। हालांकि, दोनों देशों के बीच पिछले कई महीनों से चल रही बातचीत अभी तक किसी अंतिम सहमति तक नहीं पहुंच पाई है। इसकी सबसे बड़ी वजह भारत द्वारा रूस से कच्चे तेल की खरीद रही है, जिस पर अमेरिका ने कड़ा ऐतराज जताते हुए नए टैरिफ या आर्थिक पाबंदियों की चेतावनी दी थी। भारत ने इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए वाशिंगटन को स्पष्ट किया था कि रूस से तेल की खरीद भारत की ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ा मामला है और कोई भी नया टैरिफ द्विपक्षीय संबंधों पर नकारात्मक असर डालेगा। पीएम मोदी और डोनाल्ड ट्रंप की सीधी बातचीत तथा पीयूष गोयल के अमेरिकी अधिकारियों से सीधे संपर्क से उम्मीद बढ़ गई है कि दोनों देश जल्द ही किसी मिडिल ग्राउंड पर पहुंच सकते हैं।

स्लीवलेस ड्रेस पहनकर गाना गाने पर ईरानी सिंगर को मारे जाएंगे 74 कोड़े

तेहरान। ईरान की मशहूर गायक परस्तू अहमदी ने दिसंबर 2024 में अपने यूट्यूब चैनल पर एक कॉन्सर्ट किया था। इस कॉन्सर्ट में उन्होंने स्लीवलेस ड्रेस पहनकर गाना गाया था। जिसके बाद उन्हें 74 कोड़े मारने की सजा सुनाई गई थी। इस फरमान को ईरान की एक कोर्ट ने बरकरार रखा है। ईरानी अदालत के इस फैसले से मानवाधिकार समूहों में नाराजगी है। उन्होंने इसे यातना का एक रूप बताया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जून में अहमदी और उनकी प्रोडक्शन टीम के आठ सदस्यों को कोम शहर की एक कोर्ट ने सजा सुनाई थी। कोर्ट ने कहा था कि ग्रुप ने देश के कानूनी और सांस्कृतिक नियमों का उल्लंघन किया है और इस परफॉर्मेंस को अश्लील और भद्दा बताया।

गांधी जयंती पर राजघाट में श्रद्धांजलि, प्रधानमंत्री मोदी समेत कई नेताओं ने किया बापू को नमन

देश आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 157वीं जयंती मना रहा है. इस मौके पर दिल्ली के राजघाट में महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के लिए कई प्रमुख नेता पहुंचे. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजघाट पहुंचकर बापू की समाधि पर पुष्प अर्पित किए और उन्हें नमन किया. इसके बाद गांधी समाधि परिसर में सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन हुआ.

गांधी जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को नई दिल्ली स्थित राजघाट पहुंचे. उन्होंने महात्मा गांधी की समाधि पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी. इस दौरान बापू के सत्य, अहिंसा और शांति के संदेश को याद किया गया. राजघाट पर आयोजित सर्वधर्म प्रार्थना सभा में अलग-अलग धर्मों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया और महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की.

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने राजघाट पहुंचकर महात्मा गांधी को नमन किया. उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी समाधि पर पुष्प अर्पित किए और देश के स्वतंत्रता आंदोलन में बापू के योगदान को याद किया.

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर भी गांधी जयंती के मौके पर राजघाट पहुंचे. उन्होंने महात्मा गांधी की समाधि पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी. इस अवसर पर उन्होंने बापू के योगदान को याद किया. दिल्ली के उपराज्यपाल तारणजीत सिंह संधू ने भी राजघाट पहुंचकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी. उन्होंने गांधी समाधि पर पुष्प अर्पित किए और बापू के विचारों को याद किया. वहीं, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राजघाट स्थित गांधी समाधि पर आयोजित सर्वधर्म प्रार्थना सभा में हिस्सा लिया.

धरती और मानव सभ्यता के भविष्य को समझने बनाए मॉडल

वाशिंगटन। 1500 साल बाद इंसान और मशीन का रिश्ता कैसा होगा? क्या तकनीक मानव सभ्यता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी या यही तकनीकी विकास इंसान के अस्तित्व के लिए खतरा बन सकता है? यह सवाल आज हर किसी के दिमाग में पैदा हो रहा है। इन्हीं सवालों को सुलझाने वैज्ञानिकों ने धरती और मानव सभ्यता के संभावित भविष्य को समझने के लिए 1500 वर्षों की अवधि को आधार बनाकर 10 अलग-अलग मॉडल तैयार किए हैं। इन मॉडलों में तकनीकी विकास और मानव सभ्यता के बीच बदलते रिश्ते की कई संभावनाएं सामने आती हैं।

यह अध्ययन इस बात पर ध्यान देता है कि भविष्य में इंसान तकनीक पर कितना निर्भर हो सकता है। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, जैव-तकनीक और मानव-मशीन इंटरफेस तेजी से विकसित हो रहे हैं। आने वाली सदियों में इन तकनीकों के और उन्नत होने की संभावना है। ऐसी स्थिति में मशीनें केवल इंसान के काम में मदद करने वाली वस्तुएं नहीं रहेंगी, बल्कि मानव क्षमताओं को बढ़ाने का माध्यम भी बन सकती हैं। शरीर, दिमाग और तकनीक के बीच की सीमा भी पहले से अधिक धुंधली हो सकती है। भविष्य के इन मॉडलों में तकनीक को केवल विकास की शक्ति के रूप में नहीं देखा गया है। अत्यधिक तकनीकी निर्भरता और संसाधनों के दबाव जैसी परिस्थितियां सभ्यता के लिए नए जोखिम भी पैदा कर सकती हैं। कुछ मॉडल ऐसे भविष्य की ओर संकेत करते हैं, जिसमें सभ्यता विकास के बाद संकट में पहुंचती है और फिर दोबारा उभरती है। यानी मानव इतिहास की तरह भविष्य भी विकास, पतन और पुनर्निर्माण के कई चक्रों से गुजर सकता है। इसमें ट्रांसह्यूमनिज्म की अवधारणा भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

लोकसेवा का मूल मंत्र नेशन फर्स्ट और सिटिजन फर्स्ट होना चाहिए

संघ लोक सेवा आयोग शताब्दी समारोह में पीएम मोदी ने कहा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के 100 वर्ष पूरे होने के मौके पर आयोजित शताब्दी समारोह में हिस्सा लिया। दो दिवसीय कार्यक्रम में आयोग के इतिहास, वर्तमान भूमिका और भविष्य की चुनौतियों पर चर्चा हो रही है। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बदलते भारत में लोकसेवा का मूल मंत्र ह्यनेशन फर्स्टह्ल और ह्यसिटिजन फर्स्टह्ल होना चाहिए।

पीएम मोदी ने अपने संबोधन की शुरूआत कर कैप्टन स्मित मच्छार का विशेष रुप से उल्लेख किया। उन्होंने उनके धैर्य, सूझबूझ और साहस की सराहना की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उनके पराक्रम ने देशवासियों को गौरवान्वित किया है। उन्होंने यूपीएससी के इतिहास का जिक्र कर कहा कि 1920 में सुभाष चंद्र बोस भी इसी चयन प्रक्रिया से गुजरे थे। उन्होंने बताया कि उस दौर में ब्रिटिश शासन होने के बावजूद परीक्षा में संस्कृत का पेपर भी होता था और सुभाष चंद्र बोस ने संस्कृत में परीक्षा दी थी।

प्रधानमंत्री मोदी ने सरदार वल्लभभाई पटेल को भी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद पटेल के सामने देश को स्वतंत्र रखने के साथ-साथ संचालित करने की चुनौती भी थी। राष्ट्र

निर्माण के लिए आवश्यक प्रशासनिक कौशल और संस्थागत ढांचे को मजबूत करने में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और यूपीएससी को स्वतंत्र भारत का प्रमुख स्तंभ बनाया।

युवाओं की भर्ती पर जोर देकर पीएम मोदी ने कहा कि यूपीएससी के जरिए चुने जाने वाले युवा विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि चयन प्रक्रिया में उम्मीदवार की जानकारी के साथ यह देखना चाहिए कि वह सिविल सेवा में क्यों आना चाहता है। इसतरह के युवाओं को सार्वजनिक सेवा में लाने की जरूरत है, जो सरकारी पद से नहीं बल्कि जनसेवा से प्रेरित हों।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पहले एक दौर था जब सरकार को ह्यमाई-बापह्ल माना जाता था, लेकिन अब समय ह्यनागरिक देवो भवह्ल का है। उन्होंने कहा कि नागरिकों की सेवा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए और प्रशासन की कार्यसंस्कृति प्रो-पीपल तथा प्रो-एक्टिव गुड गवर्नेंस पर आधारित होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि लोकसेवकों में गरीबों की समस्याओं को समझने की संवेदनशीलता, नए समाधान खोजने की क्षमता और देश की जरूरतों की समझ होनी चाहिए। साथ ही परीक्षा आयोजित करने वाली संस्थाओं को भी बदलती जरूरतों के अनुसार सुधार करना चाहिए। पीएम मोदी ने कहा कि परीक्षा केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि युवाओं के भविष्य से जुड़ी प्रक्रिया है। इसलिए समय पर परीक्षा और परिणाम सुनिश्चित करना जरूरी है। उन्होंने यूपीएसी और राज्य लोक सेवा आयोगों की क्षमता बढ़ाने तथा मिशन कर्मयोगी के आईजीओटी प्लेटफॉर्म के प्रभावी इस्तेमाल पर भी जोर दिया।

वरिष्ठजनों का अनुभव हमारी शक्ति और उनकी गरिमा हमारी जिम्मेदारी : मंत्री राजवाड़े

➤'प्रोजेक्ट सियान आशीष सेवा' और 'प्रोजेक्ट सियान श्रम सम्मान' का हुआ शुभारम्भ

➤सियान सेवा महाकुंभ में 80 वर्ष से अधिक आयु के 1810 वरिष्ठजनों को देशभर में यात्रा के लिए निशुल्क बस पास

रायपुर। अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत समाज कल्याण विभाग द्वारा रायपुर के बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम, बूढ़ापारा में सियान सेवा महाकुंभ आयोजित किया गया। समाज कल्याण तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने वरिष्ठजनों को अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की शुभकामनाएं दीं और उनसे संवाद किया। कार्यक्रम में 4 हजार से अधिक वरिष्ठजन लाभान्वित हुए।

महाकुंभ में नई सियान आशीष सेवा योजना के अंतर्गत 80 वर्ष से अधिक आयु के 1810 वरिष्ठ नागरिकों को सम्पूर्ण भारत में निशुल्क यात्रा के लिए बस पास प्रदान किए गए। इसके साथ ही आवश्यकता के अनुसार 2 हजार छड़ियां, एक हजार श्रवण यंत्र और 20 ट्राइसाइकिल वितरित की गईं। बस पास से वरिष्ठजनों को यात्रा में सुविधा मिलेगी, जबकि सहायक उपकरण उनकी रोजमर्रा की गतिविधियों को सुगम बनाएंगे।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने अपने संबोधन में कहा कि वरिष्ठजन हमारी सांस्कृतिक विरासत और जीवन अनुभव के संवाहक हैं।

उन्होंने अपने परिश्रम से परिवार और समाज को मजबूत आधार दिया है। उनका सम्मान करने के साथ उनके अनुभव को समाज के विकास में भी स्थान देना चाहिए। उन्होंने कहा, वरिष्ठजन केवल कल की विरासत नहीं हैं, बल्कि आज के विकास के सहभागी हैं। विकसित भारत के संकल्प और नवा अंजोर-अंजोर 2047 की सोच में वरिष्ठजनों की सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण है। राजवाड़े ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार का वृद्धजन कल्याण का संकल्प पेंशन तक सीमित नहीं है। वरिष्ठजनों की स्वास्थ्य सुरक्षा, देखभाल, आवागमन, सामाजिक सहभागिता और गरिमापूर्ण जीवन पर भी ध्यान दिया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के लिए 400 करोड़ रुपये और मुख्यमंत्री पेंशन योजना के लिए 450 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान किया गया है। विभाग की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से वर्तमान में प्रदेश के 15,90,080 वरिष्ठजन लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि हर पात्र हितग्राही तक सहायता समय पर, पारदर्शिता के साथ और सम्मानपूर्वक पहुंचे।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना का उल्लेख करते हुए मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि इसके माध्यम से अब तक 2 लाख 55 हजार 845 वरिष्ठजनों को आध्यात्मिक यात्रा का लाभ मिला है। तीर्थयात्रा कई वरिष्ठजनों की जीवनभर की इच्छा होती है और यह योजना उन्हें उस इच्छा को पूरा करने का अवसर देती है।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अस्पताल पहुंचकर जाना सड़क हादसे में घायलों का हाल

➤मरकाटोला घाट सड़क हादसे के घायलों और परिजनों से की मुलाकात, बेहतर उपचार के दिए निर्देश

➤चार घायल स्वस्थ होकर अस्पताल से डिस्चार्ज

रायपुर। नेशनल हाईवे-30 स्थित मरकाटोला घाट पर हुए दर्दनाक सड़क हादसे में घायल कवर्धा के लोगों से मिलने उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा रायपुर के पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय पहुंचे। उन्होंने घायलों का कुशलक्षेम जाना और उनके

परिजनों से मुलाकात कर उपचार की स्थिति की जानकारी ली। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने घायल रोमन सोरा से मुलाकात कर उनसे स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने परिजनों से भी उपचार और अस्पताल में उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सुविधाओं के बारे में चर्चा की। परिजनों ने उपचार व्यवस्था पर संतुष्टि व्यक्त की। शर्मा ने विशेषज्ञ चिकित्सकों से घायल के स्वास्थ्य और आगे के उपचार की जानकारी ली। चिकित्सकों ने बताया कि घायल के पैरों का ऑपरेशन किया जाना है। शारीरिक स्थिति सामान्य होने के बाद आवश्यक चिकित्सकीय प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इस पर उप मुख्यमंत्री ने चिकित्सकों एवं संबंधित अधिकारियों को बेहतर उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अस्पताल सुपरिटेंडेंट डॉ संतोष सोनकर, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ सुंदरानी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा हादसे के बाद से लगातार सभी घायलों के उपचार की जानकारी ले रहे हैं। एक घायल को उच्च स्तरीय उपचार के लिए निजी

संक्षिप्त

औरापानी पिकनिक स्पॉट पर युवती से मारपीट कर लूट

बिलासपुर। कोटा क्षेत्र के औरापानी पिकनिक स्पाट के पास युवती से लूटपाट का मामला सामने आया है। युवती ने इसकी शिकायत कोटा थाने में की। तब पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। जब लूटपाट के आरोपित पकड़े गए तब पुलिस ने लूटपाट का मामला दर्ज किया है। अब पुलिस आरोपित युवकों से क्षेत्र में हुए और मामलों के संबंध में पूछताछ कर रही है।

बिलासपुर में रहने वाली युवती अपने दोस्तों के साथ कोटा के औरापानी पिकनिक स्पाट पर घुमने के लिए गई थी। वह कुछ देर के लिए अपने दोस्तों से दूर हुई। इसी दौरान बदमाशों ने मारपीट कर उससे बैग और मोबाइल छीन लिया। युवती और उसके दोस्त ने इसकी शिकायत कोटा थाने में की थी।

तब पुलिस ने उसकी शिकायत पर जुर्म दर्ज नहीं किया। इधर युवती शिकायत देकर अपने घर चली गई। बाद में पुलिस को लूटपाट के आरोपित युवकों के संबंध में जानकारी मिली। सूचना पर पुलिस ने कुछ संदेहियों को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपित गोलमोल जवाब दे रहे थे। थाने लाकर कड़ाई करने पर आरोपित ने युवती से लूटपाट स्वीकार कर लिया। आरोपित के कब्जे से लूट का मोबाइल और बैग जब्त कर लिया है। पुलिस की टीम आरोपित से पूछताछ कर क्षेत्र में हुए और भी लूटपाट के मामले में पूछताछ कर रही है। कोटा क्षेत्र के पिकनिक स्पाट पर आए दिन लूटपाट और मारपीट के मामले सामने आ रहे हैं। लगातार आ रहे मामलों के बाद पुलिस की गश्त पर भी सवाल उठ रह हैं। कोटा क्षेत्र में बीते सितंबर महीने में ही लूटपाट के दो मामले सामने आए हैं। गनियारी स्थित शराब दुकान के पास और लालपुर मोड़ के पास बदमाशों ने लूटपाट की घटना को अंजाम दिया।

राजमोहिनी देवी योजना के तहत 169 परिवारों को 2.42 करोड़ जारी

रायपुर। प्रदेश के तेन्दूपत्ता संग्राहक परिवारों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में राजमोहिनी देवी तेन्दूपत्ता संग्राहक सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत 169 परिवारों को 2 करोड़ 42 लाख 40 हजार रुपए की सहायता प्रदान की गई है। वन मंत्री श्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ द्वारा सहायता राशि सीधे हितग्राहियों के बैंक खातों में डिजिटल माध्यम से अंतरित की गई। रायगढ़ जिले के चिमटापानी समिति के मिथिलेश सिदार और दंतेवाड़ा जिले के नकुलनार समिति के गल्ले वीटी के बैंक खातों में राशि अंतरित कर डिजिटल भुगतान की शुरुआत की गई।योजना के तहत दुर्घटना मृत्यु के 4 प्रकरणों में 4-4 लाख रुपए तथा सामान्य मृत्यु या स्थायी विकलांगता के 103 प्रकरणों में 2-2 लाख रुपए की सहायता स्वीकृत की गई। इसी तरह 50 से 59 वर्ष आयु वर्ग में दुर्घटना मृत्यु या स्थायी विकलांगता के 4 प्रकरणों में 75-75 हजार रुपए और सामान्य मृत्यु के 58 प्रकरणों में 30-30 हजार रुपए की सहायता प्रदान की गई। राजमोहिनी देवी तेन्दूपत्ता संग्राहक सामाजिक सुरक्षा योजना में 18 से 50 वर्ष आयु वर्ग में परिवार के मुखिया की सामान्य मृत्यु या स्थायी विकलांगता पर 2 लाख रुपए, दुर्घटना मृत्यु पर 4 लाख रुपए तथा आंशिक विकलांगता पर एक लाख रुपए की सहायता का प्रावधान है। इसी प्रकार 50 से 59 वर्ष आयु वर्ग में सामान्य मृत्यु पर 30 हजार रुपए, दुर्घटना मृत्यु या स्थायी विकलांगता पर 75 हजार रुपए तथा आंशिक विकलांगता पर 37 हजार 500 रुपए की सहायता दी जाती है। योजना के माध्यम से तेन्दूपत्ता संग्रहण से जुड़े परिवारों को मृत्यु अथवा विकलांगता जैसी परिस्थितियों में सीधे आर्थिक सहायता उपलब्ध कराकर सामाजिक सुरक्षा प्रदान की जा रही है।

अग्रसेन-जयंती पर रायपुर में होंगे 7 दिन तक कई आयोजन

रायपुर। अग्रवाल समाज की ओर से महाराजा अग्रसेन की 5180वीं जयंती पर इस बार रायपुर में 4 से 11 अक्टूबर तक कई आयोजन किए जाएंगे। महोत्सव में सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक और सेवा गतिविधियां होंगी। 11 अक्टूबर को मुख्य समारोह होगा। जिसमें राज्यपाल रमेन डेका मुख्य अतिथि और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय अध्यक्षता करेंगे। अग्रसेन जयंती से पहले रायपुर की 19 मोहल्ला समितियों में कई प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं।

रायपुर में 7-8 अक्टूबर को सरकार द्वारा आयोजित किया जा रहा राज्यस्तरीय रोजगार मेला

10 हजार युवाओं को मिलेंगे रोजगार के अवसर

रायपुर। रोजगार की तलाश कर रहे छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए बड़ा अवसर सामने आया है। छत्तीसगढ़ सरकार आगामी 7-8 अक्टूबर को रायपुर में दो दिवसीय राज्यस्तरीय रोजगार मेला आयोजित कर रही है। इस रोजगार मेले में करीब 10 हजार युवाओं को नौकरियां मिलने की उम्मीद है। अलग-अलग शैक्षणिक योग्यताओं और हुनर वाले युवा इस मेले में हिस्सा लेकर नौकरियां पा सकते हैं।

कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग द्वारा यह मेला बूढ़ापारा स्थित सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। इसका उद्देश्य प्रदेश के शिक्षित और प्रशिक्षित युवाओं को निजी क्षेत्र में उनकी योग्यता के अनुरूप रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध कराना है। इसके लिए अब तक 62 कंपनियों और प्लेसमेंट एजेंसियों से 9,449 रिक्त पदों की जानकारी सरकार को मिली है।अन्य कंपनियों से भी संपर्क जारी है, जिससे उपलब्ध अवसरों की संख्या और बढ़ने की संभावना है। इस मेले के माध्यम से स्थानीय कंपनियों के साथ राष्ट्रीय स्तर की निजी कंपनियों को भी एक मंच पर लाया जा रहा है। रोजगार मेले के दूसरे दिन (8 अक्टूबर)

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री गुरु खुशवंत साहेब चयनित युवाओं को ऑफर लेटर वितरित करेंगे। यह आयोजन युवाओं को रोजगार से जोड़ने और स्वावलंबी बनाने की दिशा में प्रदेश सरकार के प्रयासों को आगे बढ़ाएगा।कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा, 'राज्य सरकार युवाओं के सर्वांगीण विकास और उन्हें स्वावलंबी बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। रोजगार मेले के माध्यम से अधिक से अधिक युवाओं को उनकी योग्यता और कौशल के अनुरूप अवसर दिलाने का प्रयास है।' 'विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर' इस मेले में दसवीं और बारहवीं पास युवाओं से लेकर आईटीआई, डिप्लोमा और इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर चुके अभ्यर्थियों के लिए रिक्तियां उपलब्ध हैं।

कृषि स्नातक, सामान्य स्नातक तथा एमबीए और एमसीए सहित स्नातकोत्तर योग्यताधारी युवा भी अपनी पात्रता के अनुसार आवेदन कर सकते हैं। तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं के लिए मशीन ऑपरेटर, असेंबली ऑपरेटर, फिटर, वेल्डर, इलेक्ट्रिशियन, इलेक्ट्रिक मीटर टेक्नीशियन और मेंटेनेंस इलेक्ट्रिशियन जैसे पद भी रिक्तियों में शामिल हैं। मैकेनिकल इंजीनियर और गुणवत्ता निरीक्षक के पदों के लिए भी रिक्तियां प्राप्त हुई हैं। इनके अलावा कंप्यूटर ऑपरेटर, कस्टमर केयर एग्जीक्यूटिव, टेलीकॉलर, रिलेशनशिप मैनेजर, सेल्स एग्जीक्यूटिव और सेल्स ऑफिसर जैसे पदों पर काम करने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए भी रोजगार मेले में रिक्तियां उपलब्ध हैं। साथ ही बैंकिंग, फाइनेंस और मानव संसाधन (एचआर) से संबंधित अवसर भी मेले में उपलब्ध कराए जा रहे हैं। स्वास्थ्य एवं देखभाल के क्षेत्र में नर्सिंग स्टाफ और केयर टेकर सहित सुरक्षा सेवाओं में गार्ड और सुपरवाइजर, जबकि परिवहन तथा सामान की आवाजाही से जुड़े कामों में ड्राइवर, डिलीवरी कर्मी, बाइक राइडर और पिकर-पैकर जैसे पद भी इसमें शामिल हैं। अभ्यर्थी अपनी योग्यता, रुचि और संबंधित पद की पात्रता देखकर आवेदन कर सकेंगे।

'ये कंपनियां एवं संस्थाएं लेंगी हिस्सा' रोजगार मेले के लिए क्रेस कॉर्प, रैंडस्टैड इंडिया, राजस्थान टेक्सटाइल मिल्स-सतलज टेक्सटाइल्स, वर्द्धमान टेक्सटाइल्स, जेनस पावर इंफ्रास्ट्रक्चर और एयरटेल पेमेंट बैंक जैसी कंपनियों ने रिक्तियां उपलब्ध कराई हैं। इनके अलावा इंस्टाकार्ट, स्पंदना स्फूर्ति फाइनेंशियल, स्वतंत्र माइक्रोफिन, एनआईआईटी, आइसेक्ट, शांता टेक्नो, राजत इक्विपमेंट्स और फर्स्ट फ्लाई कॉर्पोरेट भी इनमें शामिल हैं।

खेल अकादमियों में प्रवेश के लिए 169 खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

रायपुर। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु रायपुर स्थित विभिन्न गैर-आवासीय खेल अकादमियों में खिलाड़ियों के प्रवेश (नवीनीकरण एवं नवीन प्रवेश) के लिए दो दिवसीय चयन ट्रायल आज संपन्न हुआ। तीरंदाजी (बालक/बालिका) के लिए तीरंदाजी एरिना के सामने, फुटबॉल (बालिका) एवं एथलेटिक्स (बालक/बालिका) के लिए स्वामी विवेकानंद स्टेडियम कोटा तथा हॉकी (बालक/बालिका) के लिए हॉकी स्टेडियम पिच-2 में आयोजित चयन ट्रायल में खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

चयन ट्रायल के अंतिम दिन आज चारों खेलों में पंजीकृत कुल 169 खिलाड़ियों की कौशल दक्षता का कड़ाई से परीक्षण किया गया। वरिष्ठ प्रशिक्षकों एवं विशेषज्ञों ने हॉकी और फुटबॉल के 57-57, तीरंदाजी के 23 और एथलेटिक्स के 32 खिलाड़ियों के खेल कौशल का परीक्षण किया। खिलाड़ियों के सटीक मूल्यांकन के लिए खेल के मानकों के आधार पर दक्षता परीक्षण किया गया। प्रशिक्षकों और विशेषज्ञों ने फुटबॉल में पासिंग, ड्रिबलिंग, व्यक्तिगत पोजीशन, मैच सेंस और पोजिशनिंग गेम का परीक्षण किया। वहीं आर्चरी में ड्रॉ लेंथ, आई डोमिनेंस, पोस्चर, मेंटल एबिलिटी तथा 20 मीटर शूटिंग का परीक्षण किया गया। एथलेटिक्स के अंतर्गत 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर, 1500 मीटर, 3000 मीटर दौड़, पैदल चाल, हाई जंप, लॉन्ग जंप, गोला फेंक, तवा फेंक, भाला फेंक इत्यादि का परीक्षण किया गया। हॉकी में परफेक्शन और एक्युरेसी स्किल टेस्ट के तहत हिट, पुश, स्कूप, स्टॉपिंग, रिसीविंग, टैकलिंग, क्लीयरेंस, पेनल्टी कॉर्नर इंजेक्टर, ड्रैगर, हिटर और गोलकीपर के लिए टी-टेस्ट जैसी तकनीकी योग्यताओं का बारिकी से आकलन किया गया।

छत्तीसगढ़ की पुरातात्विक धरोहरों में बढ़ेंगी पर्यटक सुविधाएं

रायपुर। छत्तीसगढ़ की समृद्ध पुरातात्विक एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के साथ प्रदेश में विरासत पर्यटन को नई दिशा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हुई है। भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (एएसआई), भारत सरकार और संस्कृति विभाग, छत्तीसगढ़ शासन के मध्य बुधवार को महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) सम्पन्न हुआ।

इस समझौते के माध्यम से प्रदेश के संरक्षणाधीन स्मारकों और पुरातात्विक स्थलों पर पर्यटकों के लिए आवश्यक सुविधाओं एवं अधोसंरचना का सुनियोजित विकास किया जाएगा। समझौते के तहत छत्तीसगढ़ शासन द्वारा भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण के अधिकारियों के परामर्श से संरक्षणाधीन स्मारकों एवं पुरातात्विक स्थलों के लिए पर्यटक सुविधाओं के समुचित विकास की योजनाएं तैयार की जाएंगी। इन योजनाओं के माध्यम से पुरातात्विक स्थलों पर आने वाले पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ पर्यटन अनुभव को अधिक

सुविधाजनक बनाने पर जोर दिया जाएगा। पर्यटकों के लिए विकसित की जाने वाली सुविधाओं में शौचालय, स्वच्छ पेयजल, विश्राम स्थल, कैफेटेरिया, पार्किंग और क्लॉक रूम जैसी बुनियादी सुविधाओं के साथ सूचना केंद्र, साइट म्यूजियम और साइनेज भी शामिल होंगे।

विशेष रूप से समावेशी पर्यटन को ध्यान में रखते हुए ब्रेल साइनेज और टैक्टाइल पाथवे विकसित करने का भी प्रावधान किया गया है। इसके अलावा लैंडस्केपिंग सहित पर्यटकों की आवश्यकता के अनुरूप अन्य अधोसंरचनाओं का भी विकास किया जा सकेगा। विकास कार्यों के दौरान ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक महत्व के स्मारकों की मौलिकता और उनके मूल स्वरूप को सुरक्षित रखने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। प्रस्तावित विकास कार्यों की डिजाइन, निर्माण सामग्री एवं संरचना इस प्रकार निर्धारित की जाएगी कि संबंधित स्मारक को किसी भी प्रकार की क्षति न पहुंचे। सभी कार्य पुरातत्त्वीय अधिनियमों और नियमों के अनुरूप किए जाएंगे। परियोजनाओं का क्रियान्वयन भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण की स्वीकृति प्राप्त होने के बाद ही किया जाएगा।

पुरातात्विक स्थलों पर प्रस्तावित पर्यटक सुविधाओं एवं अधोसंरचना विकास के लिए संसाधन जुटाने की भी व्यापक व्यवस्था की गई है। परियोजनाओं के लिए केंद्रीय वित्तीय सहायता के साथ राज्य शासन की एजेंसियों, कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) तथा पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) के माध्यम से संसाधन जुटाए जा सकेंगे। विकसित सुविधाओं के रखरखाव और प्रबंधन की जिम्मेदारी छत्तीसगढ़ शासन अथवा शासन द्वारा अधिकृत एजेंसी की होगी।

छत्तीसगढ़ के रेल यात्रियों की बढ़ी मुसीबत, दिवाली-छठ पर घर जाना हुआ मुश्किल

रायपुर। दिवाली और छठ पूजा में अभी एक महीने से ज्यादा समय है, लेकिन रायपुर से बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड, दिल्ली और पश्चिम बंगाल की ओर जाने वाली ट्रेनों में सीटों का संकट अभी से दिखाई देने लगा है। 5 से 16 नवंबर के बीच प्रमुख ट्रेनों में स्लीपर और एसी थर्ड क्लास में लंबी वेटिंग है। कई ट्रेनों में कंफर्म सीट उपलब्ध नहीं है।

ट्रेनों में अभी से आरक्षण मुश्किल

रेलवे एप पर उपलब्ध स्थिति के अनुसार गरीब रथ में वेटिंग 146 तक पहुंच गई है। गोंदिया एक्सप्रेस में 88 और दक्षिण बिहार एक्सप्रेस में 80 तक वेटिंग है। इस साल दीपावली 8 नवंबर और छठ पूजा 15 नवंबर को है। त्योहार के आसपास घर लौटने वाले यात्रियों की संख्या बढ़ने के कारण लंबी दूरी की ट्रेनों पर दबाव बढ़ रहा है। खासकर बिहार और पूर्वांचल जाने वाली ट्रेनों में अभी से आरक्षण मुश्किल हो गया है।

रायपुर से लखनऊ जाने वाली गरीब रथ (12536) में वेटिंग 146 तक पहुंच गई है। रायपुर-बरौनी गोंदिया एक्सप्रेस (15232) में 88 और रायपुर-पटना दक्षिण बिहार एक्सप्रेस (13288/13287) में 80 तक वेटिंग दर्ज है। रायपुर से पुणे-हावड़ा रूट की आजाद हिंद एक्सप्रेस (12130/12129) में 50, रायपुर-छपरा सारनाथ एक्सप्रेस (15159/15160) में 50 और रायपुर-निजामुद्दीन गोंडवाना एक्सप्रेस (12410/12409) में 46 तक वेटिंग है। छत्तीसगढ़ संपर्क क्रांति (12824/12823) में 45 और छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस (18238/18237) में 40 तक वेटिंग पहुंच चुकी है। रायपुर-भोपाल अमरकंटक एक्सप्रेस (12854/12853) में भी 20 तक वेटिंग है। वहीं गीतांजलि एक्सप्रेस (12860/12859) में नो-रूम की स्थिति बताई गई है।

खबर ऐसी हो जिससे समाज का कल्याण हो, भ्रम नहीं: मुनि आगम सागर जी

पहली बार राट्रीय जैन पत्रकार सम्मेलन का हुआ आयोजन

रायपुर। राजधानी रायपुर में बुधवार को पहली बार राष्ट्रीय जैन पत्रकार सम्मेलन का आयोजन किया गया। अग्रसेन धाम में आयोजित सम्मेलन में राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, दिल्ली और छत्तीसगढ़ के सभी जिलों से जैन पत्रकार शामिल हुए। सम्मेलन का आयोजन छत्तीसगढ़ सकल दिगंबर जैन समाज, रायपुर की ओर से जैन पत्रकार महासंघ के सहयोग से किया गया।

चातुर्मासरत आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री आगम सागर जी, मुनि श्री पुनीत सागर जी, ऐलक धैर्य सागर जी एवं ऐलक श्री स्वागत सागर जी के आशीर्वाद से हुए इस सम्मेलन में जैन धर्म आयतनों के संरक्षण

एवं संवर्धन में पत्रकारिता की भूमिका विषय पर परिचर्चा हुई। इसमें पत्रकारिता, धर्म, समाज और जैन संस्कृति के संरक्षण से जुड़े विषयों पर वक्ताओं ने विचार रखे। मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ नि:शक्तजन वित्त एवं विकास निगम के अध्यक्ष लोकेश कांवाडिया और वरिष्ठ पत्रकार नमित जैन ,पारस चेनल डाइरेक्टर प्रकाश मोदी एवं विश्व परिवार के प्रदीप जैन शामिल हुए। परिचर्चा के दौरान जैन समाज की जनसंख्या और पहचान को लेकर भी चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि जनगणना में जैन समाज की संख्या करीब 44 लाख दर्ज है, जबकि समाज के कुछ लोगों का मानना है कि देश में जैन समुदाय की वास्तविक संख्या इससे काफी अधिक है। सम्मेलन में अपील की गई कि जनगणना 2027 में सभी जैन बंधु अपनी धार्मिक पहचान जैन के रूप में दर्ज

मुनि आगम सागर महाराज ने कहा कि सत्य वही व्यक्ति कह और लिख सकता है, जिसके हृदय में डर नहीं हो। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि पत्रकारिता के क्षेत्र में काम करते हुए सत्य को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि सत्य की हमेशा जीत होती है, भले ही इसमें समय लगे। उन्होंने कहा कि यदि किसी परिस्थिति में सत्य बोलना संभव नहीं हो तो शांत रहना बेहतर है, लेकिन भ्रम फैलाने से बचना चाहिए। सत्य को धर्म बताते हुए उन्होंने पत्रकारों से इसके साथ खिलवाड़ नहीं करने की अपील की.

राष्ट्रीय जैन पत्रकार सम्मेलन के माध्यम से देश के अलग-अलग राज्यों और छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से आए पत्रकारों को एक मंच पर संवाद का अवसर मिला। सम्मेलन में जैन धर्म, धार्मिक स्थलों और संस्थाओं के संरक्षण एवं संवर्धन में मीडिया की भूमिका, समाज के मुद्दों को सामने लाने और पत्रकारिता के माध्यम से सकारात्मक सामाजिक वातावरण बनाने जैसे विषयों पर चर्चा हुई।

सेवा संकल्प अभियान : 'नागरिक विज्ञान' से जैव विविधता संरक्षण में भागीदारी करेंगे युवा

रायपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत जशपुर वनमंडल में युवाओं, स्थानीय समुदायों और वन अमले को जलवायु परिवर्तन एवं जैव विविधता संरक्षण से जोड़ने के लिए जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप के

मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में युवाओं को 'नागरिक विज्ञान' से जोड़ते हुए स्थानीय जैव विविधता के वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण और संरक्षण का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में वन मुख्यालय रायपुर के विषय विशेषज्ञ डॉ. अनिल श्रीवास्तव और कृषि महाविद्यालय, अम्बिकापुर के रिसर्च एसोसिएट श्री यमलेश निषाद ने जलवायु परिवर्तन के कारणों और पर्यावरण एवं जैव विविधता पर उसके प्रभावों की जानकारी दी। उन्होंने बदलती जलवायु परिस्थितियों में वन पारिस्थितिकी तंत्र के प्रभावी प्रबंधन और जैव विविधता संरक्षण के विभिन्न पहलुओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

फाउंडेशन फॉर इकोलॉजिकल सिक्यूरिटी, रायपुर की 'युवान' पहल के माध्यम से युवाओं को स्थानीय जैव विविधता के वैज्ञानिक अवलोकन और दस्तावेजीकरण की प्रक्रिया समझाई गई। 'मेरा युवा भारत', जशपुर के स्वयंसेवकों ने भी इसमें भागीदारी की। प्रशिक्षण के दौरान पक्षियों, तितलियों और सरीसृपों के पारिस्थितिक महत्व तथा उनके संरक्षण के संबंध में जानकारी दी गई। प्रकृति भ्रमण और बर्ड वाचिंग के माध्यम से प्रतिभागियों को स्थानीय वनस्पतियों एवं जीव-जंतुओं की पहचान, क्षेत्रीय अवलोकन और उनके अभिलेखीकरण का व्यावहारिक अनुभव भी मिला।

अब 15 अक्टूबर से होगी लायन्स बैडमिंटन ट्रॉफी

9 से 17 वर्ष के पांच आयु वर्गों में मुकाबले; इंदौर के बाहर के स्कूलों के खिलाड़ी भी ले सकेंगे हिस्सा

इंदौर। इंदौर के साथ अब अन्य शहरों के स्कूली खिलाड़ी भी पांचवीं लायन्स बैडमिंटन ट्रॉफी चंद्रकला बिहानी स्मृति खुली विद्यालयीन स्पर्धा में हिस्सा ले सकेंगे। प्रतियोगिता 15 से 18 अक्टूबर तक मल्हार क्रीड़ा मंडल में होगी। इसमें 9, 11, 13, 15 और 17 वर्ष आयु वर्ग में बालक-बालिकाओं के एकल मुकाबले होंगे।

लायन्स क्लब इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233 जी-1, लायन्स क्लब ऑफ इंदौर महानगर और सरताज अकादमी के संयुक्त आयोजन में खिलाड़ी दो आयु वर्गों में खेल सकेंगे। विजेता, उपविजेता और सेमीफाइनल में पराजित खिलाड़ियों को पुरस्कार दिए जाएंगे। सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र भी मिलेंगे।

स्पर्धा संयोजक हरीश राजन ने बताया कि प्रविष्टियां 11 अक्टूबर तक धर्मेश यशलहा, मल्हार क्रीड़ा मंडल प्रशिक्षक शिवाजी नंदवानी या हरीश राजन को दी जा सकती हैं। एक स्कूल या क्लब से कितनी भी प्रविष्टियां भेजी जा सकेंगी। पहले प्रविष्टि दे चुके खिलाड़ियों को दोबारा पंजीयन कराने की जरूरत नहीं होगी।

मुकाबले 15७3 गेम के नए स्कोरिंग सिस्टम के आधार पर योनेक्स फेदर शटल से खेले जाएंगे।

-स्कूल परीक्षाओं के कारण बदली तारीख

स्पर्धा पहले 3 से 6 अक्टूबर तक प्रस्तावित थी। स्कूल परीक्षाओं और अन्य बैडमिंटन प्रतियोगिताओं से तारीख टकराने के कारण इसे 15 से 18 अक्टूबर किया गया है। आयोजकों के अनुसार स्पर्धा के साथ बच्चों में कैंसर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इस बार ब्लड बैंक अभियान को भी जोड़ा गया है।

एशियन गेम्स में भारत को मिला 1 और गोल्ड मेडल, कुमकुम, अंकिता और कीर्ति ने रिकर्व तीरंदाजी में मचाया धमाल

नागोया. एशियन गेम्स 2026 आज यानी 2 अक्टूबर के दिन की शुरूआत भारत के लिए गोल्ड मेडल के साथ हुई. आज भारत ने सुबह-सुबह महिला टीम रिकर्व तीरंदाजी में पहला गोल्ड मेडल जीत लिया है. भारत की महिला तीरंदाज कुमकुम मोहोड़, अंकिता भक्त और कीर्ति शर्मा ने बेहतरीन प्रदर्शन कर देश के नाम गोल्ड मेडल दर्ज कराया है. इसके साथ ही एशियन गेम्स 2026 में भारत के गोल्ड मेडल की संख्या अब 11 हो चुकी है. अब तक देश के नाम कुल 67 मेडल हो चुके हैं. इसमें 11 गोल्ड, 23 सिल्वर मेडल और 33 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं.

भारत को रिकर्व तीरंदाजी में मिला गोल्ड मेडल

इस फाइनल मुकाबले में भारत की महिला रिकर्व टीम ने दक्षिण कोरिया को हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया. भारतीय टीम की 10 बार की चैंपियन दक्षिण कोरिया पर ये जीत ऐतिहासिक है. इसके साथ ही महिला रिकर्व टीम का एशियन गेम्स के इतिहास में ये पहला गोल्ड है. भारतीय टीम ने ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्पस स्क्वायर में मुश्किल हालात में मजबूत कोरियाई टीम को 5-3 से हराकर ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जीता.

भारत-वेस्टइंडीज के बीच जहां खेला जाएगा तीसरा वनडे मैच

नागोया. इंडियन क्रिकेट टीम शुभमन गिल की कप्तानी में वेस्टइंडीज के साथ 3 मैचों की घरेलू वनडे सीरीज खेल रही है. इस सीरीज के अब तक 2 मुकाबले हो चुके हैं. केरल और असम में खेले गए इन दोनों मैचों में टीम इंडिया ने वेस्टइंडीज को 8 विकेट से हराया है. इसके साथ ही भारतीय क्रिकेट टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बनाकर बैठी हुई है. अब इस सीरीज का तीसरा और अंतिम मुकाबला खेला जाने वाला है. इस सीरीज में फैंस के पास मौका होगा कि वो रोहित शर्मा और विराट कोहली को खेलते हुए देख पाएं.

कब खेला जाएगा भारत-वेस्टइंडीज का तीसरा वनडे मैच

भारत और वेस्टइंडीज के बीच होने वाला तीसरा वनडे मैच में कल यानी 3 अक्टूबर (शनिवार) को खेला जाने वाला है. इस मैच को जीतकर जहां इंडियन क्रिकेट टीम सीरीज को 3-0 से क्लीन स्वीप करना चाहेगी तो वहीं, वेस्टइंडीज जीत दर्ज कर अपनी साख बचाना चाहेगी. इस मुकाबले में भारत के कप्तान शुभमन गिल और हेड कोच गौमत गंभीर अपनी प्लेइंग-11 में कुछ बदलाव कर सकते हैं, क्योंकि उनकी टीम पहले ही सीरीज अपने नाम कर चुकी है.

किस मैदान पर खेला जाएगा भारत-वेस्टइंडीज का ये मुकाबला

भारत और वेस्टइंडीज के बीच होने वाला तीसरा वनडे मैच न्यू चंडीगढ़ में खेला जाएगा. इन दोनों टीमों के बीच मुकाबला मुल्लांपुर के महाराजा यादविन्द्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाने वाला है. इस स्टेडियम की पिच रनों से भरपूर है, लेकिन यहां शुरूआत में तेज गेंदबाजों को और पुरानी बॉल होने पर स्पिनर्स को भी मदद मिलती है. इस मैदान पर टीम इंडिया का वनडे फॉर्मेट में रिकॉर्ड कैसा है, आइए जानते हैं.

आज कितने बजे शुरू होगा भारत-पाकिस्तान का फाइनल मुकाबला

नागोया. भारत और पाकिस्तान के बीच एशियन गेम्स 2026 का फाइनल मैच खेला जाने वाला है. एशियन गेम्स 2026 का फाइनल मुकाबला दो ऐसे टीमों के बीच है, जिनके बीच फैंस अक्सर कांटे का मुकाबला देखने के लिए मैदान पर आते हैं लेकिन पिछले कुछ सालों मे इंडियन क्रिकेट टीम पूरी तरह से पाकिस्तान क्रिकेट टीम पर हावी रही है.

भारत के सामने अब पाकिस्तान बौना नजर आता है. इन दोनों टीमों के बीच कोई भी कांटें की टक्कर अब नहीं देखी जाती है. पाकिस्तान क्रिकेट टीम भारत के आगे एकतरफा हार जाती है. ऐसा हमने एशिया कप और टी20 वर्ल्ड कप के मुकाबलों में भी देखा है.

अब एशियन गेम्स 2026 के फाइनल में दोनों चिर प्रतिद्वंदी की टक्कर एक बार फिर होने वाली है. उससे पहले इंडिया और पाकिस्तान के फैंस जानने के लिए काफी ज्यादा उत्सुक हैं कि, भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाला गोल्ड मेडल मैच कितने बजे से खेला जाएगा. ये बताते हैं.

भारत और पाकिस्तान के बीच गोल्ड मेडल मैच कल यानी 3 अक्टूबर (शनिवार) को खेला जाने वाला है. इन दोनों टीमों के बीच ये मुकाबला जापान में होने वाला है. क्योंकि एशियन गेम्स 2026 का आयोजन वहीं हो रहा है. ऐसे में निशिन के कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में भारत और पाकिस्तान के बीच गोल्ड मेडल हासिल करने के लिए जंग होने वाला है.

भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले एशियन गेम्स 2026 का फाइनल मैच जापान के लोकल टाइम के अनुसार दोपहर 1:30 बजे से शुरू होगा. वहीं इस मैच का टॉस लोकल टाइम पर 1 बजे होगा. लेकिन इस मैच का प्रसारण भारत में अगल समय पर होगा. इंडिया में भारत और पाकिस्तान के मैच का मुकाबला कहां खेला जाएगा. आइए इसके बारे में भी हम आपको प्रसारण सुबह 10 बजे से होगा. भारतीय समय के अनुसार इस मुकाबले का टॉस सुबह 9:30 बजे होगा. ऐसे में भारतीय क्रिकेट फैंस इस मैच का मजा सुबह-सुबह ले सकते हैं.

भारत - श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, तिलक वर्मा (उपकप्तान), नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, विपराज निगम, रवि बिश्नोई, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वैभव सूर्यवंशी, यश ठाकुर.

पाकिस्तान - साहिबजादा फरहान (कप्तान), अब्दुल समद (उप-कप्तान), अबरार अहमद, अहमद दानियाल, आकिफ जावेद, अली रजा, अराफात मिन्हास, हैदर अली, हसन नवाज, माज सदाकत, मोहम्मद सलमान मिर्जा, साद मसूद, सईम अयूब, सुफयान मोकिम, उस्मान खान (विकेटकीपर).

कारोबार

निफ्टी रिकॉर्ड ऊंचाई से 15% नीचे

25 साल की सबसे लंबी गिरावट, 5% और गिरा बाजार तो मंदी में जाने का जोखिम

नई दिल्ली। भारतीय बाजार की गिरावट अब सिर्फ कुछ शेयरों तक सीमित नहीं रह गई है। बृहस्पतिवार को लगातार चौथे दिन बाजार में तेज बिकवाली हुई। सेंसेक्स 570.59 अंक यानी 0.79% गिरकर 71,909.70 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान इसमें 1,187.41 अंक तक गिरावट आई और यह 71,292.88 के एक साल के निचले स्तर पर पहुंच गया।

निफ्टी 198.50 अंक यानी 0.88% टूटकर 22,421.95 अंक पर आ गया। इसके साथ ही निफ्टी लगातार आठवें हफ्ते कमजोर होकर 25 साल की सबसे लंबी साप्ताहिक गिरावट के दौर में पहुंच गया है।

पिछले नौ हफ्तों में निफ्टी करीब 2,156 अंक यानी 8.7% नीचे आ चुका है। सितंबर में निफ्टी 6.1% गिरा था। इस साल जनवरी में बना 26,373 का रिकॉर्ड स्तर करीब 15% टूट चुका है। अगर निफ्टी रिकॉर्ड स्तर से 20% नीचे जाता है तो तकनीकी तौर पर बाजार लंबे दौर की मंदी में पहुंच जाएगा। इससे पहले 2001 में निफ्टी लगातार नौ हफ्ते तक गिरा था। 1993 में निफ्टी के नाम लगातार 10 हफ्ते तक गिरावट दर्ज करने का रिकॉर्ड है।

एफआईआई ने 3 दिन में निकाले 29 हजार करोड़

विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार बिकवाली बाजार के लिए सबसे बड़ी चिंता बनी हुई है। बीएसई के आंकड़ों के मुताबिक एफआईआई ने बृहस्पतिवार को भारतीय बाजार से 9,484.22 करोड़ रुपये निकाले। बुधवार को विदेशी निवेशकों ने 10,148 करोड़ और मंगलवार को 10,743 करोड़ के शेयर बेचे थे। केवल तीन कारोबारी दिनों में उनकी बिकवाली 29,000 करोड़ से ज्यादा रही। लगातार विदेशी निकासी से बाजार में खरीदारी की भावना कमजोर पड़ रही है।

80% शेयर 50 दिन के औसत से नीचे

आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के मुताबिक, निफ्टी 500 में करीब 80% शेयर अपने 50 दिन के औसत भाव से नीचे कारोबार कर रहे हैं। यानी कमजोरी कुछ बड़े शेयरों तक सीमित नहीं है, बल्कि बाजार के बड़े हिस्से में फैली हुई है।

कहां तक टूट सकता है बाजार : सेबी रजिस्टर्ड शोध विश्लेषक विपिन डिक्सेना के मुताबिक, निफ्टी इस समय करीब 22,400 के समर्थन स्तर के आसपास है। यह टूटता है तो 22,200 से 22,000 तक गिरने का दबाव बढ़ सकता है। ऊपर की तरफ 22,600 से 22,800 तक तत्काल प्रतिरोध है।

आईपीओ की दूसरी छमाही में होगी बंपर कमाई ?

145 कंपनियों को सेबी की मंजूरी; 2.75 लाख करोड़ की पाइपलाइन तैयार

चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में भारतीय बाजार में आई जबरदस्त तेजी ने वित्त वर्ष की दूसरी छमाही यानी अक्तूबर से मार्च के लिए शानदार माहौल तैयार कर दिया है।

प्राइम डाटाबेस के आंकड़ों के अनुसार, 25 सितंबर तक लगभग 145 कंपनियों को सेबी से आईपीओ यानी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम लाने की मंजूरी मिल चुकी है और उनके अनुमानित निर्गम का आकार लगभग 2.75 लाख करोड़ रुपये है। इस अनुमान में 91,500 करोड़ रुपये उन 61 कंपनियों से संबंधित हैं, जिनके निर्गम के आकार का अभी तक खुलासा नहीं किया गया है।

विश्लेषकों का मानना है कि 2.75 लाख करोड़ रुपये में से लगभग 1-1.2 लाख करोड़ रुपये तक के आईपीओ वास्तव में बाजार में उतर सकते हैं, जो स्वीकृत निर्गमों का लगभग 35-45 फीसदी है। आईपीओ लाने की पाइपलाइन में कई बड़े निवेश प्रस्ताव शामिल हैं, जिनमें से जियो प्लेटफॉर्म्स के अनुमानित इश्यू का आकार 35,000 करोड़ रुपये, अवाडा इलेक्ट्रो का 7,600 करोड़ रुपये, ओवेरावल स्टेज (ओयो) 6,650 करोड़ रुपये, जेप्टो 5,106 करोड़ रुपये और क्रेडिला फाइनेंशियल सर्विसेज व डोर्फ-कैटल केमिकल्स का 5000-5000 करोड़ है।

विशेषज्ञों का कहना है कि साल के अंत में त्योहारी सीजन और बड़े निर्गमों की संभावित लिस्टिंग के कारण दूसरी छमाही में निवेशकों को कई आकर्षक विकल्प मिलने की पूरी उम्मीद है।

सुस्ती के बाद दूसरी तिमाही में बाजार ने पकड़ी रफ्तार

प्राइम डाटा बेस के अनुसार, आईपीओ के लिहाज से पहली छमाही की शुरूआत थोड़ी सुस्त रही थी। अप्रैल से अगस्त के बीच कंपनियों ने आईपीओ के जरिये 46,453 करोड़ रुपये जुटाए, जो 2025 की इसी अवधि में जुटाए गए 55,338 करोड़ रुपये से लगभग 16 प्रतिशत कम है। हालांकि, दूसरी तिमाही में बाजार ने जोरदार रफ्तार पकड़ी। विशेष रूप से सितंबर में करीब 31 कंपनियों ने अपने आईपीओ लॉन्च किए और कुल 39,214 करोड़ जुटाए, जिससे बाजार की रौनक कई गुना बढ़ गई। एनसई का 22,560 करोड़ रुपये का आईपीओ इस दौरान मुख्य आकर्षण रहा, जो देश का दूसरा सबसे बड़ा आईपीओ बन गया। मध्यम आकार के आईपीओ हो सकते हैं फायदेमंद स्वास्तिका इन्वेस्टमार्ट के अनुसंधान प्रमुख संतोष मीणा के कहा, दूसरी छमाही में जहां बड़े आईपीओ संस्थागत निवेशकों और बाजार का ध्यान आकर्षित करेंगे, वहीं मजबूत फंडामेंटल और उचित मूल्यांकन वाले छोटे और मध्यम आकार के आईपीओ भी निवेशकों के लिए बेहतरीन अवसर साबित हो सकते हैं।

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर ने पकड़ी रफ्तार, सितंबर में PMI 55.1; नई नौकरियों में भी बढ़ोतरी

नई दिल्ली। भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की गतिविधियों में सितंबर में तेजी देखी गई है और पीएमआई 55.1 पर पहुंच गया है, जो कि अगस्त में 52.8 था.

यह जानकारी एसएंडपी ग्लोबल की ओर से गुरुवार को जारी एचएसबीआई इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई सर्वेक्षण में दी गई. सर्वेक्षण में बताया गया कि सितंबर में पीएमआई वृद्धि की वजह नए ऑर्डर का बीते सात महीनों के दौरान सबसे तेजी बढ़ना है. इससे फैक्ट्रियों में रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। साथ ही, बिजनेस कॉन्फिडेंस चार महीनों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है. हालांकि, बीते महीने इनपुट लागत और बिक्री मूल्य दोनों में इजाफा देखने को मिला है, लेकिन महंगाई ऐतिहासिक मानकों से कम रही है. एसएंडपी ग्लोबल के मुताबिक, इलेक्ट्रॉनिक, खाने-पीने की चीजों, दवाइयों और टेक्सटाइल उत्पादों की ज्यादा मांग के कारण नए बिजनेस ऑर्डर में तेजी से बढ़ोतरी हुई. कुल बिक्री में यह बढ़ोतरी फरवरी के बाद सबसे तेज रही. सर्वेक्षण में आगे बताया गया कि नए निर्यात ऑर्डर भी तेजी से बढ़े हैं पैनल के सदस्यों ने खास तौर पर ब्राजील, यूरोप, यूएई और यूएस के ग्राहकों से ज्यादा मांग देखी. मांग में आई इस तेजी की वजह से पिछले चार महीनों में भारतीय फैक्ट्री प्रोडक्शन में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी हुई.

बदलाव का संकेत है

एचएसबीसी की चीफ इंडिया इकोनॉमिस्ट प्रांजुल भंडारी ने कहा,₹भारत का फैक्ट्री सेक्टर तिमाही के आखिर में मजबूत स्थिति में था. इस कारण सितंबर में पीएमआई 52.8 से बढ़कर 55.1 हो गया. इस दौरान मई के बाद से सबसे तेजी से नई भर्तियां शुरू हुईं और मैन्युफैक्चरर्स आने वाले महीनों को लेकर ज्यादा उम्मीद रखने लगे हैं. उन्होंने आगे कहा, कंपनियों ने ज्यादा सामान खरीदा और संभावित बिक्री की तैयारी के लिए स्टॉक जमा किया है. तैयार माल के स्टॉक में लगभग 12 सालों में दूसरी सबसे बड़ी बढ़ोतरी दर्ज की गई, जो कम स्टॉक लेवल से साफ बदलाव का संकेत है.

महत्वपूर्ण ख़बर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कैप्टन स्मित मच्छार की वीरता को सराहा

- भोपाल. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने फ्लाई दुबई एयरलाइंस की उड़ान में हवाई संकट के बीच गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद साहसिक निर्णय के लिए कैप्टन स्मित मच्छार की वीरता को सराहा है। कैप्टन मच्छार ने अदम्य साहस, धैर्य और सूझबूझ का परिचय देते हुए हाल ही में 174 यात्रियों की जान बचाई है। विपरीत परिस्थितियों में अपने कर्तव्य के प्रति उनके समर्पण की भारत सहित सम्पूर्ण विश्व में प्रशंसा हो रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कैप्टन मच्छार को भारत माता का सच्चा वीर सपूत बताया। उन्होंने कहा कि श्री मच्छार की वीरता भारत के 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के मूलमंत्र को भी चरितार्थ करती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

भोपाल में आदर्श गौ शाला स्थापित करने के कार्य को शीघ्र पूर्ण करें

- भोपाल. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विकास योजनाओं पर चर्चा की। इन विभागों में नगरीय विकास एवं आवास, खनिज, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग और लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को हुई बैठक में विभागों के अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति और कार्यों की जानकारी प्राप्त की और जरूरी दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य सचिव श्री अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) श्री नीरज मंडलोई सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नगरीय विकास और आवास विभाग द्वारा प्रदेश के नगरों के साथ ही राजधानी भोपाल के विकास में नए आयाम जोड़े जाएं।

भोपाल में साइबर ठगों का 'आतंक', 24 घंटे में 25 शिकार, खातों से उड़े 15 लाख रुपये से ज्यादा

भोपाल। राजधानी में साइबर जालसाज अलग-अलग तरीकों से लोगों को निशाना बना रहे हैं। बीते 24 घंटे में साइबर ठगी के 25 मामले सामने आए हैं। जिसमें पीड़ितों से 15 लाख रुपये से ज्यादा की धोखाधड़ी की गई।

किसी को बैंक के क्रेडिट कार्ड वेरिफिकेशन के नाम पर झांसा दिया गया, तो किसी को सीआरपीएफ अधिकारी का सामान सस्ते में दिलाने और कपड़े वापस कराने के बहाने ठगा गया। जालसाजों ने मोबाइल का एक्सेस लेकर और यूपीआइ ट्रांजेक्शन के जरिए खातों से रकम निकाल ली।

क्रेडिट कार्ड वेरिफिकेशन के नाम पर 2.70 लाख उड़ाए

पिपलानी के सोनागिरी निवासी भेल कर्मचारी कमलेश कुमार पटेल को 22 सितंबर को एक व्यक्ति ने फोन कर खुद को बैंक के वेरिफिकेशन विभाग का कर्मचारी बताया। आरोपिच ने एसबीआइ और फेडरल बैंक के क्रेडिट कार्ड का वेरिफिकेशन करने के नाम पर कार्ड की जानकारी ली और गूगल पर कुछ सर्च करने को कहा। इसके बाद मोबाइल का एक्सेस उसके हाथ में चला गया। कुछ देर में फेडरल बैंक से 90 हजार और एसबीआइ से 90-90 हजार रुपये की दो ट्रांजेक्शन कर कुल 2.70 लाख रुपये निकाल लिए गए।

शाहपुरा निवासी नरेंद्र रैकवार के आइडीबीआइ बैंक खाते से 24 और 25 सितंबर को गूगल पे के जरिए ठगी की गई। जालसाजों ने 30-30 हजार रुपये की तीन और 22 हजार रुपये की एक ट्रांजेक्शन कर कुल 1.12 लाख रुपये निकाल लिए। नरेंद्र को खाते से रकम निकलने की जानकारी 28 सितंबर को हुई। इसके बाद उन्होंने साइबर सेल में शिकायत की।

अज्ञात लिंक के जरिए खाते से 1.62 लाख पार

अशोका गार्डन निवासी मनोज साहू के पंजाब नेशनल बैंक खाते से 24 और 25 सितंबर को पांच यूपीआइ ट्रांजेक्शन के जरिए 1.62 लाख रुपये निकाल लिए गए। शिकायत में अज्ञात लिंक के जरिए ठगी किए जाने की बात सामने आई है। आरोपितों ने खाते से अलग-अलग ट्रांजेक्शन कर रकम निकाल ली। मामले में पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

सीआरपीएफ अधिकारी का सामान दिलाने के नाम पर 1.21 लाख ठगे

अवधपुरी निवासी 70 वर्षीय सत्यार्थ प्रकाश अग्रवाल को परिचित के जरिए सीआरपीएफ अधिकारी का घरेलू सामान बेचने का झांसा दिया गया। आरोपितों ने टीवी, फ्रिज, एसी और सोफा समेत अन्य सामान देने के नाम पर पहले 60 हजार रुपये लिए। इसके बाद सिक्योरिटी चार्ज के नाम पर 40 हजार और फिर 21 हजार रुपये और जमा करा लिए। कुल 1.21 लाख रुपये लेने के बाद आरोपितों ने संपर्क बंद कर दिया।

कपड़े वापस कराने के नाम पर वीडियो कॉल से 1.44 लाख की ठगी

कोलार निवासी रुचि गुप्ता को कपड़े वापस कराने के नाम पर वीडियो काल के जरिए ठगी का शिकार बनाया गया। जालसाजों ने अलग-अलग यूपीआइ ट्रांजेक्शन और फ्लिपकार्ट वाउचर के माध्यम से उनके खाते से कुल 1.44 लाख रुपये निकाल लिए। रुचि की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी से मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की आत्मीय भेंट

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027 के लिए किया आमंत्रित

भोपाल. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरूवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से आत्मीय भेंट कर उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी को मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश में जारी विकास कार्यों, जनकल्याणकारी पहलों, उपलब्धियों, निवेश और प्रदेश की प्रगति से जुड़े विभिन्न विषयों की जानकारी दी।

इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वर्ष 2027 में मध्यप्रदेश में आयोजित होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी को आमंत्रित किया। उन्होंने प्रदेश में निवेश के लिए तैयार किए जा रहे अनुकूल वातावरण, औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी भी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में प्रारंभ की गई मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के संबंध में भी प्रधानमंत्री श्री मोदी को अवगत कराया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 17 सितंबर से प्रदेश में संचालित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत प्रदेशभर में आयोजित की जा रही विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों की जानकारी भी प्रधानमंत्री श्री मोदी को दी। उन्होंने अभियान के माध्यम से जनभागीदारी, सेवा और जनकल्याण से जुड़े विभिन्न आयोजनों के बारे में अवगत कराया।

वन्यजीव संरक्षण से प्रदेश में वन पर्यटन को मिलेगी नई दिशा और गतिः मुख्यमंत्री

भोपाल. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश में चीतों के सफल पुनर्स्थापन के लिए किए जा रहे सामूहिक प्रयासों की सराहना की गई है। प्रधानमंत्री श्री मोदी से मिली यह सराहना हम सभी को नई ऊर्जा और उत्साह प्रदान करने वाली है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों और वन संरक्षण से जुड़े सभी मैदानी साथियों को एक अक्टूबर से प्रारंभ हुए वन्यजीव सप्ताह-2026 की बधाई दी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरूवार को 'एक्स' पर कहा कि मध्यप्रदेश के लिए यह गौरव का विषय है कि 'प्रोजेक्ट चीता' की सफलता ने वन्यजीव संरक्षण के हमारे संकल्प को और भी मजबूत किया है। सच्चे अर्थों में हमारे वनकर्मियों, अधिकारियों, वैज्ञानिकों और स्थानीय समुदायों के समर्पित प्रयासों को इसका श्रेय जाता है। उन्होंने कहा कि हम सभी मिलकर वन्यजीवों के सुरक्षित आवास और प्रकृति के संतुलन के संरक्षण में अपना योगदान दें। इससे वन्यजीव संरक्षण के साथ ही प्रदेश में वन पर्यटन को भी नई दिशा और गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा वन्यजीव सप्ताह के संदर्भ में 30 सितम्बर को एक संदेश जारी किया गया है। इस संदेश में उन्होंने कहा है कि पिछले एक दशक में भारत ने वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। प्रोजेक्ट चीता की सफलता इसका उल्लेखनीय उदाहरण है। इसके साथ ही, ग्रेट इंडियन बस्टर्ड, गैंडे, घड़ियाल, स्लॉथ बियर, नदी डॉल्फिन और हिम तेंदुए जैसी प्रजातियों के संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयास हमारे संरक्षण कार्यों के व्यापक होते दायरे का प्रमाण हैं।

संदेश में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि भारत अंतर्राष्ट्रीय बिग कैट एलायंस (आईबीसीए) के माध्यम से बिग कैट प्रजातियों के संरक्षण में वैश्विक सहयोग को आगे बढ़ाने में नेतृत्वकारी भूमिका निभा रहा है। यह मंच बाघ, शेर, तेंदुआ और जगुआर जैसी प्रमुख बिग कैट प्रजातियों के संरक्षण से जुड़े हमारे अनुभवों को अन्य देशों के साथ साझा करने और उनसे सीखने का अवसर प्रदान करता है। वन्यजीवों के सुरक्षित आवागमन और प्रकृति के संतुलन के लिए उनके आवासों का आपस में जुड़ा होना आवश्यक है। केन्द्र सरकार राज्यों के साथ मिलकर वन्यजीव कॉरिडोरों की पहचान और उनके संरक्षण पर निरंतर कार्य कर रही है। हमारी संरक्षण यात्रा को अग्रिम पंक्ति के वनकर्मियों, वैज्ञानिकों और संरक्षणकर्मियों के समर्पण तथा स्थानीय समुदायों की अमूल्य भागीदारी से शक्ति मिलती है। वन्यजीवों के संरक्षण के साथ मानव और वन्यजीवों के बीच सह-अस्तित्व भी आवश्यक है। इस दिशा में समय पर सूचना और त्वरित प्रतिक्रिया, बेहतर निगरानी, वैज्ञानिक प्रबंधन, स्थानीय स्तर पर जागरूकता और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने संदेश में देशवासियों से अपील की है कि सरकार के प्रयासों के साथ-साथ हम सभी अपने-अपने स्तर पर वन्यजीवों और उनके आवासों की रक्षा में योगदान दें। जब जंगल और वन्यजीव सुरक्षित रहेंगे, तो प्रकृति का संतुलन भी बना रहेगा। यही हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे मूल्यवान विरासत होगी।

भोपाल में गिद्धों का 'कमबैक', विलुप्ति की कगार से लौट रहे, फिर आबाद होने लगा आसमान

भोपाल। कभी गांवों के आसमान में झुंड बनाकर उड़ने वाला गिद्ध अब धीरे-धीरे फिर लौट रहा है। जिस परिंदे को लोग बरसों से सिर्फ बुजुर्गों की बातों में सुनते आए थे, उसकी उड़ान अब भोपाल की पहाड़ियों, जंगलों और गांवों में दोबारा दिखाई देने लगी है। केरवा से लेकर रायसेन के हलाली डैम तक उसके लिए सुरक्षित रहवास तैयार हो रहा है।

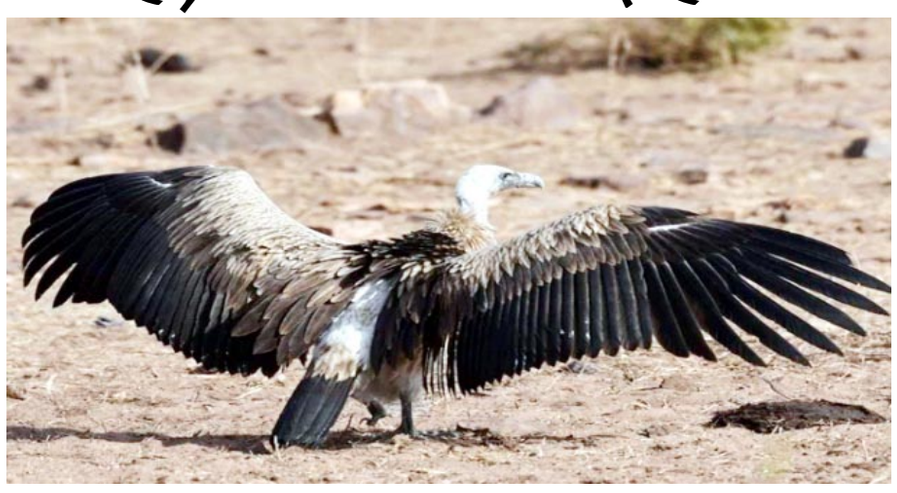

डाइक्लोफेनाक ने खाली कर दिया था आसमान

एक दौर था, जब गांवों के आसपास मरे हुए पशु के साथ गिद्धों का झुंड भी नजर आता था। लेकिन पशुओं के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दर्द निवारक दवा डाइक्लोफेनाक ने इस परिंदे के लिए बड़ा संकट खड़ा कर दिया। मरे पशु के शरीर में दवा के अवशेष रह जाते थे, जिन्हें खाने के बाद गिद्धों की किडनी फेल होने लगी और बड़ी संख्या में उनकी मौत हुई। इससे गिद्धों की आबादी में करीब 95 प्रतिशत तक गिरावट आई। खतरे का कारण सामने आने के बाद भारत सरकार ने 2006 में पशु-चिकित्सकीय इस्तेमाल के लिए डाइक्लोफेनाक पर प्रतिबंध लगा दिया। इसके बाद जागरूकता और संरक्षण के प्रयास शुरू हुए। अब सुरक्षित दवाओं के इस्तेमाल और वल्चर सेफ जोन विकसित करने पर जोर है। विशेषज्ञों के मुताबिक कुछ दूसरी एनएसएआईडी दवाएं भी गिद्धों के लिए नुकसानदायक हो सकती हैं।

राजधानी से सटे रायसेन, विदिशा क्षेत्र में बढ़ा कुनबा

भोपाल से लगे रायसेन वनमंडल में गिद्धों की संख्या में खासा इजाफा दर्ज हुआ है। 2024 में 314, फरवरी 2025 में 944 और फरवरी 2026 की शीतकालीन गणना में पूरे रायसेन जिले में 1,532 गिद्ध दर्ज किए गए। हलाली डैम और आसपास का जंगल इनके लिए अनुकूल रहवास के रूप में चिन्हित किया गया है।

केरवा में वन विभाग ने वर्ष 2014 में बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी के सहयोग से गिद्ध संरक्षण एवं प्रजनन केंद्र शुरू किया था। यहां अब संरक्षण और प्रजनन के साथ तैयार किए गए गिद्धों को प्राकृतिक रहवास में लौटाने की तैयारी भी चल रही है। संचालक वन विहार विजय कुमार बताते हैं कि हम लगातार इस पर नजर बनाए हुए हैं , 2016 की शीतकालीन गणना में 6,999 गिद्ध दर्ज हुए थे, जबकि 2026 की शीतकालीन गणना में यह संख्या 15,641 हो गई। यानी दस वर्षों में करीब 123 प्रतिशत वृद्धि दर्ज हुई है।

केरवा केंद्र में फिलहाल भारतीय देसी गिद्ध और सफेद पीठ गिद्ध प्रजातियों के कुल 94 गिद्ध हैं। इन्हें चरणबद्ध तरीके से सॉफ्ट रिलीज पद्धति से हलाली डैम के खुले रहवास में छोड़ा जाएगा। इन गिद्धों पर जीपीएस टैग लगाए जाएंगे, ताकि जंगल में छोड़ने के बाद उनकी हरकत और उड़ान पर नजर रखी जा सके। अभी तक मुख्य रूप से रेस्क्यू किए गए गिद्ध छोड़े गए हैं, इनमें से एक उजबेकिस्तान और दूसरा पाकिस्तान तक पहुंच चुका है। जबकि केंद्र में प्रजनन से तैयार गिद्धों को भविष्य में हलाली बांध क्षेत्र में विशेष तैयारी कर 6 माह तक कुछ गिद्द छोड़ने की योजना है।

समरधा के मकोड़िया पंचायत में 100 से ज्यादा गिद्ध उतरे

रविवार को राजधानी से करीब 20 किलोमीटर दूर शहतगंज क्षेत्र के भैंसाया गांव में ऐसा ही नजारा देखने को मिला। एक मृत पशु को खाने के लिए 100 से अधिक गिद्धों का झुंड जमीन पर उतरा। गांव के निवासी अमन के लिए यह नजारा हैरान करने वाला था। उन्होंने बताया कि खेती करते हुए उन्होंने अपने इलाके में पहले कभी इतने गिद्ध नहीं देखे। अमन कहते हैं कि गिद्धों के बारे में उन्होंने अपने पिता और दादा से ही सुना था कि ये परिंदे गांवों में मरे पशुओं को खाकर जगह साफ कर देते थे। पहली बार इतने बड़े झुंड को सामने देखकर हैरानी के साथ खुशी भी हुई।

उनका कहना है कि यह प्यारा परिंदा फिर लौट आया है। गांव में मवेशियों के मरने के बाद फैलने वाली बदबू और उससे फैलने वाली बीमारियां भी कम होगी। हम इसकी हिफाजत करेंगे और दूसरे लोगों को भी गिद्धों की उपयोगिता समझाएंगे।

सात प्रजातियों का बसेरा

मध्यप्रदेश में गिद्धों की सात प्रजातियां पाई जाती हैं और राज्य देश में गिद्धों की संख्या के मामले में प्रमुख राज्यों में शामिल है। वर्ष 2016 से हो रही नियमित गणना में इनकी संख्या में बढ़ोतरी दर्ज हुई है। केरवा बांध स्थित संरक्षण केंद्र से लेकर हलाली बांध के खुले जंगल और अब भोपाल के आस-पास के गांवों तक गिद्धों की वापसी सिर्फ एक परिंदे की वापसी नहीं, बल्कि प्रकृति के उस सफाईकर्मी के लौटने की कहानी है, जिसकी उड़ान से गांवों का आसमान कभी पहचाना जाता था।

10 दिन का ट्रैफिक महाअभियान शुरू

पहले दिन 343 चालान; 50 ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन की सिफारिश

ग्वालियर. ग्वालियर की सड़कों पर यातायात व्यवस्था सुधारने और सड़क हादसों पर लगाम कसने के लिए पुलिस ने अब सख्ती दिखाना शुरू कर दिया है। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर शहर में गुरुवार से 10 दिनों का विशेष ट्रैफिक चेकिंग अभियान शुरू किया गया है।

अभियान के पहले ही दिन अलग-अलग चौराहों पर पुलिस ने ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए 343 वाहन चालकों के चालान काटे। इतना ही नहीं, नियमों की भारी अनदेखी करने वाले 50 चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस (डीएल) निलंबित करने के लिए उनकी सूची आरटीओ को भेज दी गई है।

चेकिंग के दौरान जब बिना हेलमेट और बिना सीटबेल्ट वाले वाहन चालकों को पुलिस ने रोका, तो कई लोगों ने बचने के लिए रसूखदारों से फोन लगवाकर सिफारिश भी करवाई। लेकिन पुलिसकर्मियों ने किसी की एक न सुनी और नियम तोड़ने वालों का चालान काटने के बाद ही उन्हें वहां से जाने दिया। रेलवे स्टेशन के पास ट्रैफिक पुलिस की चेकिंग के दौरान काफी हंगामा देखने को मिला। यहां एक बाइक पर तीन युवक बिना हेलमेट के सवार होकर जा रहे थे। जब ट्रैफिक पुलिस के जवानों ने उन्हें रोका, तो चालक खुद को एबीवीपी का कार्यकर्ता और संगठन मंत्री बताने लगा तथा विवाद करने लगा। इन युवकों ने पुलिस पर गाड़ी की चाबी छीनने का आरोप लगाते हुए थाने पहुंचकर भी हंगामा किया। इंटरनेट मीडिया पर इस पूरी घटना का वीडियो भी जमकर प्रसारित हो रहा है। पुलिस ने नरमी न दिखाते हुए 300 रुपये का चालान बनाकर ही उन्हें छोड़ा।

गोला का मंदिर ट्रैफिक थाना प्रभारी प्रबल सिंह यादव और उनकी टीम ने चेकिंग के दौरान गुजरात नंबर की एक मोडिफाइड जीप को रोका। पुलिस को देखते ही चालक ने जीप भगाने की कोशिश की, लेकिन टीम ने पीछा करके उसे दबोच लिया। इस हरकत के लिए उस पर पांच हजार रुपये का जुमार्ना लगाया गया। चालान कटने के बाद चालक कान पकड़कर पुलिस से माफी मांगता नजर आया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारतीय पहलवान श्री नितेश कुमार को दी बधाई

भोपाल. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एशियन गेम्सः 2026 में पुरुष ग्रीको-रोमन 97 किलोग्राम ग्रुप में सिल्वर मैडल जीतने पर श्री नितेश कुमार को बधाई दी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 64 वर्ष के लंबे इंतजार के बाद भारत को ग्रीको रोमन कुश्ती के एशियन गेम्स फाइनल में पहुंचाकर श्री नितेश कुमार ने भारतीय कुश्ती के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह शानदार उपलब्धि देश के लिए गर्व का क्षण है।

पुरुष स्क्वैश टीम को बधाई

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एशियन गेम्स 2026 में पुरुष टीम स्क्वैश स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने पर अभय सिंह, वीर चोटरानी, वेलावन सेंथिलकुमार और सूरज कुमार चंद को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्क्वैश टीम के सभी खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल, दृढ़ संकल्प और टीम भावना के साथ देश का गौरव बढ़ाया है।

फिनिक्स मॉल के पास हादसा : 100 किमी की रफ्तार से दौड़ रही कार पलटी; एक युवक की मौत

इंदौर। फिनिक्स मॉल के पास गुरुवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। तेज रफ्तार स्कार्पियो अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसा इतना गंभीर था कि वाहन में फंसे युवक को बाहर निकालने के लिए पुलिस को कटर से गाड़ी काटनी पड़ी। मृतक की पहचान निखिल नंदी के रूप में हुई है।

हादसा सुबह करीब 6.07 बजे हुआ। स्कार्पियो की एक कार से टक्कर हो गई। टक्कर के बाद स्कॉर्पियो बेकाबू होकर पलट गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। इस क्षेत्र में फ्लाइओवर का निर्माण कार्य चल रहा है। इसके चलते फोरलेन सड़क से यातायात सर्विस रोड पर डायवर्ट हो जाता है।

फोरलेन से सर्विस रोड पर यातायात बदलने वाले हिस्से में वाहन चलाने वालों को अचानक मार्ग परिवर्तन का सामना करना पड़ रहा है। निर्माण कार्य के बीच यातायात संचालन के कारण इस हिस्से में परेशानी बनी हुई है। इसी कारण यहां हादसों का खतरा भी बढ़ रहा है।

गाड़ी में बुरी तरह फंसा था युवक

हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि टक्कर के बाद वाहन की स्थिति ऐसी हो गई थी कि उसमें फंसे निखिल को बाहर निकालना मुश्किल हो रहा था। पुलिस ने बचाव कार्य के लिए कटर की मदद ली और वाहन को काटकर युवक को बाहर निकाला।

हालांकि, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना के बाद मौके पर कुछ समय के लिए अफरातफरी का माहौल बन गया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात सामान्य कराया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

स्कॉर्पियो से टक्कर कैसे हुई, जांच जारी

फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि दोनों वाहनों के बीच टक्कर किस वजह से हुई। हादसे के समय वाहनों की गति कितनी थी और टक्कर के पीछे किसकी लापरवाही रही, पुलिस इसकी जांच कर रही है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा सकती है, ताकि हादसे की वास्तविक स्थिति सामने आ सके। कनाड़िया पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस हादसे से जुड़े प्रत्यक्षदर्शियों और वाहन चालकों से भी जानकारी जुटा रही है।

स्वामी, प्रकाशकः अली आदिल खान द्वारा साईं प्रिंटिंग प्रेस डी-85, सेक्टर-8, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर 201301 से मुद्रित और एच-41ए, अबुल फजल एन्क्लेव, जामिया नगर, दक्षिण पूर्व दिल्ली-110025 से प्रकाशित। संपादकः अली आदिल खान
RNI No: DELMUL/2012/47011 | Email :timesofpedia@gmail.com | समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार तथा समस्त विवाद दिल्ली न्यायलय के अधीन होंगे।